Page 11 खेल

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 09 देश

राहुल द्रविड़ बन सकते हैं इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच, एंडी फ्लावर, फ्लिंटॉफ और...

मंजलपुर उपचुनाव : भाजपा के गढ़ में कांग्रेस का दांव, चुनावी मैदान में सतीश पटेल-भीखाभाई...

कृष्ण पक्ष, पुनर्वसु, विक्रम संवत् 2083

• औरंगाबाद • मंगलवार • 14 जुलाई 2026 • वर्ष 28 • अंक 222 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹1,31,000	₹ 2,35,000

आज का इतिहास

1942 : वर्धा में कांग्रेस के अधिवेशन के दौरान 'भारत छोड़ो' का ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसने महात्मा गांधी को अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन छेड़ने के लिए अधिकृत किया।

1969 : जयपुर में एक भीषण मालगाड़ी और यात्री गाड़ी की टक्कर में 85 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी।

न्यूज बाइट्स

खान सर को मिली जमानत

पटना (नि.सं.)। पटना सिविल कोर्ट ने चर्चित कोचिंग विवाद मामले में आज अपना फैसला सुनाया है। कोर्ट ने फैजल खान उर्फ खान सर सहित उनके 3 सहयोगियों की जमानत याचिका को मंजूरी दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने फायरिंग करने के आरोप में जेल में बंद दोनों बॉडी गार्ड्स प्रदीप कुमार और तालेबर सिंह को भी जमानत दे दी है। खान सर के वकील अरविंद कुमार मौआर ने बताया, खान सर को बेल मिल गया है। जज साहब ने जमानत देने की घोषणा कर दिया है। उसके बाद उनके 3 स्टाफ का अलग बेल याचिका फाइल था, उसे भी मंजूर किया है। दोनों बॉडीगार्ड्स के रेगुलर जमानत याचिका भी थी, जिन पर आरोप था कि एयर फायरिंग किए हैं, उनका भी बेल मंजूर कर दिया गया है। इस तरह खान सर सहित कुल 6 लोगों को जमानत दी गई है।

विवि शिक्षकों-कर्मियों को 20 जुलाई तक मिलेगा बकाया वेतन

पटना (नि.सं.)। बिहार लोक भवन ने सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को निर्देश दिए हैं कि वे शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मियों का वेतन, बकाया वेतन और सेवानिवृत्ति लाभ 20 जुलाई तक भुगतान करें। लोक भवन ने विलंब पर नाराजगी जताई है और मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। बिहार लोक भवन ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को निर्देश दिया है कि विवि और कॉलेज के शिक्षकों, शिक्षकेतर कर्मियों व 30 जून, 2026 तक सेवानिवृत्त हुए शिक्षक-कर्मियों का वेतन, बकाया वेतन और सेवानिवृत्ति का लाभ 20 जुलाई तक भुगतान करें। इसकी रिपोर्ट 24 जुलाई तक राज्यपाल सचिवालय को उपलब्ध कराएं।

पटना से राजगीर, वाल्मीकिनगर और कैमूर जाने पर मिलेगी सब्सिडी

सीएम ने हेली-एयर टूरिज्म सेवा का किया शुभारंभ

निज संवाददाता | पटना

बिहार में पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को मुख्यमंत्री सचिवालय के संवाद सभागार में मुख्यमंत्री बिहार हेली-टूरिज्म एवं एयर टूरिज्म सेवा योजना-2026 का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत अब पर्यटक सप्ताहांत पर हेलीकॉप्टर के जरिए राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा कर सकेंगे। सरकार प्रति टिकट 15,422 रुपये तक की सब्सिडी भी देगी, जिससे यह सेवा आम लोगों के लिए अधिक किफायती बनेगी।

18 से शुरू होगी नियमित हेलीकॉप्टर सेवा

मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना के लिए 13 जुलाई से ऑनलाइन बुकिंग शुरू कर दी गई है। वहीं 18 जुलाई 2026 से प्रत्येक शनिवार और रविवार को नियमित हेलीकॉप्टर सेवाएं संचालित होंगी। पहले चरण में यह सेवा पटना से राजगीर, वाल्मीकिनगर और कैमूर के लिए उपलब्ध रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार भगवान बुद्ध, भगवान महावीर, प्राचीन मगध साम्राज्य और विश्व प्रसिद्ध नालंदा विश्वविद्यालय जैसी ऐतिहासिक धरोहरों की भूमि है। सरकार इन स्थलों को राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर मजबूत पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि राजगीर, बोधगया, लछुआर, वैशाली, वाल्मीकिनगर, भीमबांध, नालंदा विश्वविद्यालय, सोनपुर स्थित बाबा हरिहरनाथ मंदिर तथा कैमूर के मां मुंडेश्वरी मंदिर जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके अलावा पटना में दो बड़े होटलों के निर्माण और जेपी गंगा पथ से सोनपुर के बाबा हरिहरनाथ मंदिर तक रोप-वे निर्माण की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री बिहार हेली-टूरिज्म एवं एयर टूरिज्म सेवा योजना-2026 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समृद्ध बिहार के विजन को आगे बढ़ाते हुए राज्य में पर्यटन, रोजगार, निवेश और आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करेगी।

रोजगार और निवेश को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि पर्यटन केवल भ्रमण का माध्यम नहीं बल्कि राज्य में रोजगार, निवेश और आर्थिक विकास का मजबूत आधार है। सरकार होम-स्टे, स्थानीय हस्तशिल्प, लोक संस्कृति, पारंपरिक व्यंजन और ग्रामीण पर्यटन को भी बढ़ावा दे रही है, जिससे युवाओं और स्थानीय लोगों के लिए स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने पर्यटन विभाग को एयर टूरिज्म सेवा का दायरा और विस्तारित करने का निर्देश देते हुए निजी कंपनियों एवं अन्य हितधारकों को भी इस योजना से जोड़ने पर बल दिया। सरकार पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहित करेगी।

बेहतर सड़कें, बढ़ेगा पर्यटन

सीएम ने कहा कि बिहार में ग्रामीण सड़क, बिजली और पेयजल जैसी आधारभूत सुविधाओं में व्यापक सुधार हुआ है। बेहतर सड़क नेटवर्क और आधुनिक बुनियादी ढांचे का सीधा लाभ पर्यटन क्षेत्र को मिलेगा तथा राज्य आने वाले पर्यटकों का यात्रा अनुभव और बेहतर होगा।

मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

13 अगस्त तक बिहार में बनेंगे 11.04 लाख नए राशन कार्ड

रोज जारी होंगे 36 हजार से अधिक कार्ड

निज संवाददाता | पटना

जुलाई। बिहार सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत पात्र परिवारों को राशन कार्ड उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। राज्य सरकार ने 13 अगस्त 2026 तक 11,04,425 नए राशन कार्ड जारी करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए प्रतिदिन 36,814 से अधिक राशन कार्ड जारी किए जाएंगे।

मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) की स्थिति और खाद्यान्न वितरण व्यवस्था की समीक्षा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्य में उपलब्ध 46,93,806 रिक्त स्लॉट के तहत पात्र परिवारों को नए राशन कार्ड जारी किए जाएंगे।

मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों (डीएम) और खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर लक्ष्य पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि 13 अगस्त की समय-सीमा को अंतिम मानते हुए सभी अधिकारी अभियान को प्राथमिकता दें।

अरवल में सबसे कम लक्ष्य

राज्य में सबसे कम लक्ष्य अरवल जिले के लिए निर्धारित किया गया है, जहां 2,180 नए राशन कार्ड बनाए जाएंगे। यहां प्रतिदिन 73 कार्ड जारी करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्य सचिव ने अरवल, बक्सर और जहानाबाद जैसे कम लक्ष्य वाले जिलों को पहले अपना कार्य शत-प्रतिशत पूरा करने का निर्देश दिया।

पटना, वैशाली और मुजफ्फरपुर में सबसे अधिक कार्ड

खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अनुसार सबसे अधिक नए राशन कार्ड पटना जिले में जारी किए जाएंगे। यहां 1,18,649 नए राशन कार्ड बनाने का लक्ष्य तय किया गया है, जिसके तहत प्रतिदिन 3,955 कार्ड जारी किए जाएंगे। इसके बाद वैशाली में 1,03,704 (प्रतिदिन 3,457) तथा मुजफ्फरपुर में 86,175 (प्रतिदिन 2,873) नए राशन कार्ड जारी किए जाएंगे। इन जिलों में कार्य की नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी करेंगे रोजाना समीक्षा

अभियान की पारदर्शिता और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सभी जिलों में डीएम स्वयं प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा करेंगे। साथ ही राशन कार्ड के सत्यापन और शिकायत निवारण प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि कोई भी पात्र परिवार सरकारी खाद्यान्न योजना के लाभ से वंचित न रहे।

निरंतर सीखते रहने की प्रवृति रखें विद्यार्थी : राज्यपाल

निज संवाददाता | पटना

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सय्यद अता हसनैन ने विद्यार्थियों को शिक्षा, खेल व जीवन के अन्य क्षेत्रों में प्रेरणादायी व्यक्तित्वों को अपना आदर्श बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि विश्व में घटित होने वाली प्रत्येक घटना में सीख निहित होती है। इसलिए विद्यार्थियों को निरंतर सीखते रहने की प्रवृत्ति विकसित करनी चाहिए। राज्यपाल ने सोमवार को बिहार लोक भवन के दरबार हॉल में कायनात इंटरनेशनल स्कूल, काको, जहानाबाद के भारत स्काउट्स एवं गाइड के विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि असफलताओं को निराशा का कारण नहीं, बल्कि आत्ममंथन, सीख और आत्मविकास के अवसर के रूप में देखना चाहिए।

सहायक प्राध्यापक अभ्यर्थियों को आवेदन में त्रुटि सुधार का मिला मौका

पटना(नि.सं.)। बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (बीएसयूएससी) ने सहायक प्राध्यापक (संविदा) नियुक्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को बड़ी राहत दी है। आयोग ने आवेदन पत्र में हुई त्रुटियों को सुधारने के लिए समर्थ पोर्टल पर संशोधन (एडिट) विकल्प उपलब्ध करा दिया है। आयोग के सचिव द्वारा जारी आवश्यक सूचना के अनुसार सहायक प्राध्यापक (संविदा) पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन भरने के दौरान अभ्यर्थियों की ओर से आवेदन में सुधार किए जाने संबंधी बड़ी संख्या में ई-मेल प्राप्त हो रहे थे। इसे देखते हुए आयोग ने यह निर्णय लिया है। सूचना के अनुसार, जिन अभ्यर्थियों के आवेदन में आवेदन की श्रेणी, मोबाइल नंबर व जन्मतिथि को छोड़कर किसी अन्य प्रकार की त्रुटि हुई है, वे समर्थ पोर्टल पर संशोधन कर सकते हैं।

दो बाइकों की भिड़ंत, तीन युवकों की दर्दनाक मौत

निज सं. | मोतिहारी(पूर्वी चंपारण)

पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) जिले के गोविंदगंज थाना क्षेत्र में दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई। हादसा रविवार शाम भेलानारी पुल के समीप हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और सवार युवक सड़क पर दूर जा गिरे। मृतकों की पहचान सलेमपुर जीवधारा निवासी रवि किशन (20), अनीश कुमार (18) तथा भेलानारी गांव निवासी अतुल मिश्रा (25) के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अतुल मिश्रा अपनी ससुराल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार में आ रही बाइक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों का दावा है कि एक बाइक की रफ्तार 120 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक थी। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि पुलिस ने नहीं की है। हादसे में रवि किशन और अनीश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल अतुल मिश्रा को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने भी दम तोड़ दिया। मृतक अनीश के पिता बृजकिशोर साह ने बताया कि उनकी बेटी की शादी गोविंदगंज थाना क्षेत्र के सरेया पिपरा गांव में हुई है।

दो चरणों में होगा ईको-टूरिज्म का विकास, 30 वर्ष की लीज पर विकसित होंगी परियोजनाएं

बिहार के 29 डैम और 247 तालाब बनेंगे पर्यटन केंद्र, निवेशकों को सरकार का न्योता

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार ने राज्य के प्राकृतिक संसाधनों को पर्यटन के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा सोमवार को आयोजित ईको-टूरिज्म इन्वेस्टर्स मीट में निजी निवेशकों को राज्य के डैम, तालाब और अन्य प्राकृतिक स्थलों के विकास के लिए निवेश करने का आमंत्रण दिया गया। सरकार का मानना है कि इस पहल से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम का उद्घाटन विभागीय मंत्री डॉ. राम चंद्र प्रसाद तथा अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर ने किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि बिहार तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है और पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने निवेशकों को भरोसा दिलाया कि सरकार परियोजनाओं के क्रियान्वयन में हर स्तर पर सहयोग करेगी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

सरकार का मानना है कि इन परियोजनाओं के लागू होने से बिहार के पर्यटन मानचित्र को नई पहचान मिलेगी। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। होटल, होम-स्टे, नौकायन, एडवेंचर स्पोर्ट्स, स्थानीय हस्तशिल्प और पारंपरिक खानपान जैसे क्षेत्रों को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों तक विकास की नई धारा पहुंचेगी।

अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर ने बताया कि राज्य में ईको-टूरिज्म परियोजनाओं का विकास दो चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में 29 बड़े डैम को विश्वस्तरीय ईको-टूरिज्म केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। दूसरे चरण में 247 बड़े तालाबों और पोखरों को पर्यटन से जोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं के लिए सरकार ने निवेशकों से एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) आमंत्रित किया है।

बिहार सरकार

डेयरी क्षेत्र को सशक्त बनाना,
ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाना

डेयरी विकास बिहार का संकल्प

इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड

राज्य डेयरी सहकारी समिति एवं डेयरी फार्म प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन (FPO) के लिए

आधुनिक अवसंरचना, सशक्त डेयरी–समृद्ध किसान, समृद्ध बिहार

फंड का उद्देश्य

डेयरी क्षेत्र में अवसंरचना के निर्माण/विस्तार/उन्नयन हेतु दीर्घकालिक ऋण उपलब्ध कराना, जिससे दूध उत्पादन, संग्रहण, प्रसंस्करण एवं विपणन को बढ़ावा मिले।

डेयरी प्लांट की स्थापना | दूध शीतकरण केंन्द्र | दूध प्रसंस्करण इकाई | बल्क मिल्क कूलर/टैंक | दूध परिवहन उपकरण

पात्र संस्थाएँ

- राज्य डेयरी सहकारी समितियाँ (दूध संघ/जिला डेयरी यूनियन आदि)
- डेयरी फार्म प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन (FPO)/प्रोड्यूसर कंपनी
- पंजीकृत एवं सक्रिय संस्थाएँ जो डेयरी गतिविधियों में संलग्न हैं

ऋण की मुख्य विशेषताएँ

अधिकतम ऋण सीमा	ब्याज अनुदान	ऋण अवधि	मार्जिन मनी
₹10 करोड़ तक	3% प्रतिवर्ष (अधिकतम 7 वर्ष तक)	अधिकतम 10 वर्ष	न्यूनतम 10%

फंड का उपयोग– डेयरी व्यवसाय को नई ऊँचाइयों तक ले जाएं!

आवेदन एवं स्वीकृति की प्रक्रिया

1. निर्धारित प्रपत्र में आवेदन तैयार करें →
2. प्रस्ताव की जाँच एवं मूल्यांकन →
3. परियोजना स्वीकृति एवं ऋण स्वीकृति →
4. ऋण निर्गम एवं परियोजना क्रियान्वयन →
5. निगरानी एवं सहयोग

आवेदन निर्धारित प्रपत्र में भरकर राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB), आनंद, गुजरात को प्रस्तुत करें।
अधिक जानकारी हेतु कृपया NDDB की वेबसाइट देखें: www.nddb.coop

आज ही आवेदन करें और
डेयरी क्षेत्र में विकास की नई संभावनाओं का लाभ उठाएं!

डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग
बिहार सरकार

PR No.- 007732 (Animal)D. 2026-27

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

कौआकोल अंचल में नए सीओ चंदन चौधरी ने संभाला पदभार

कौआकोल। कौआकोल अंचल कार्यालय में नवपदस्थापित अंचलाधिकारी (सीओ) चंदन चौधरी ने सोमवार को विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने राजस्व अधिकारी अनीश कुमार से प्रभार लिया। ज्ञात हो कि निवर्तमान अंचलाधिकारी मनीष कुमार का गुरुआ (गयाजी) अंचल में तबादला होने के बाद 9 जुलाई को उन्होंने राजस्व अधिकारी अनीश कुमार को अंचल का प्रभार सौंपा था। पदभार ग्रहण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में सीओ चंदन चौधरी ने कहा कि उनकी प्राथमिकता राजस्व संबंधी कार्यों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने बताया कि राजस्व महाअभियान,अभियान बसेरा सहित विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को नियमित जनसुनवाई आयोजित की जाएगी,जबकि प्रत्येक शनिवार को साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन कर लोगों की शिकायतों का निष्पादन किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि अंचल कार्यालय में आने वाले सभी फरियादियों के साथ पारदर्शी एवं संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित किया जाएगा। इसके पूर्व नवपदस्थापित सीओ चन्दन चौधरी के कौआकोल पहुंचने के बाद राजस्व अधिकारी अनीश कुमार,राजस्व कर्मचारी मिथुन कुमार मिठू,आदित्य कुमार,दीपक कुमार,नितेश कुमार मिश्रा,नरेंद्र कुमार,प्रकाश कुमार ने बुके देकर स्वागत किया। इसके बाद सीओ ने सभी राजस्व कर्मचारियों एवं कार्यालय कर्मियों के साथ परिचय प्राप्त किया।

दो दिनों में अलग अलग गांवों से भागी चार लड़की बरामद

नरहट (नवादा)। प्रेम प्रसंग के मामले में प्रखण्ड क्षेत्र के अलग अलग गांवों से भागी चार लड़की को पुलिस ने बरामद किया है। थानाध्यक्ष गौतम कुमार ने बताया कि 8 दिन पूर्व गुरुचक गांव से प्रेम प्रसंग में भागी लड़की को नवादा में प्रेमी संग बरामद किया गया है। पन्द्रह दिन पूर्व गंगारामपुर गांव से भागी लड़की को पटना से बरामद किया गया है। तीन साल पूर्व कोनिबर गांव से भागी लड़की को अहमदाबाद से बरामद किया गया है। दो माह पूर्व पुन्थर गांव से प्रेम प्रसंग के मामले में भागी लड़की को प्रेमी के साथ कोडरमा घाटी से बरामद किया गया है। लड़का मेसकौर प्रखण्ड के गम्भरा गांव के रहने वाला है। थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी मामले प्रेम प्रसंग से जुड़ा है। बरामद लड़की एवं लड़का के ऊपर अग्रतर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

फरार वारंटी को रजौली पुलिस ने किया गिरफ्तार,भेजा जेल

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र से पुलिस ने एक लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। यह कार्रवाई थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार के कुशल नेतृत्व में की गई, जिसमें रजौली थाना के सब-इंस्पेक्टर सचिन कुमार ने अपनी टीम के साथ सक्रिय भूमिका निभाई। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महियारा गांव में छापेमारी की और वहां से वारंटी विक्रम राजवंशी को धर दबोचा। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त विक्रम राजवंशी महियारा गांव का ही निवासी है और उसके पिता का नाम बिरजू राजवंशी है। वह काफी समय से पुलिस की नजरों से बचकर भाग रहा था और अदालत द्वारा उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम उसे अभिरक्षा में लेकर थाने आई, जहां आवश्यक पूछताछ और कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

हरित वाटिका पार्क' नाम पर उठे सवाल, साहित्यकार ने बताया भाषाई पुनरुक्ति दोष, नाम बदलने की मांग

नवादा। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा प्रस्तावित 'हरित वाटिका पार्क' के नाम को लेकर भाषाई बहस शुरू हो गई है। नवादा के साहित्यकार एवं प्रधानाध्यापक डॉ. गोपाल प्रसाद 'निर्दोष' ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु पदाधिकारी, मुख्य वन संरक्षक तथा जिला पदाधिकारी, नवादा को पत्र भेजकर इस नाम में संशोधन की मांग की है। डॉ. निर्दोष ने अपने पत्र में कहा है कि हिंदी भाषा की दृष्टि से 'वाटिका' और 'पार्क' दोनों शब्दों का अर्थ लगभग समान है। दोनों का अर्थ उद्यान, बगीचा, उपवन अथवा फुलवारी होता है। ऐसे में 'हरित वाटिका पार्क' नाम में एक ही अर्थ वाले दो शब्दों का प्रयोग होने से भाषाई पुनरुक्ति दोष उत्पन्न हो रहा है, जो शुद्ध हिंदी की दृष्टि से उचित नहीं माना जा सकता। उन्होंने प्रशासन का ध्यान इस ओर आकृष्ट करते हुए आग्रह किया है कि पार्क का नाम बदलकर 'हरित वाटिका', 'हरित पार्क' अथवा 'ग्रीन पार्क' रखा जाए, ताकि नाम सरल, सार्थक और भाषाई रूप से शुद्ध हो सके। उनका कहना है कि सार्वजनिक स्थलों के नामकरण में भाषा की शुद्धता और अर्थ की स्पष्टता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। डॉ. गोपाल प्रसाद 'निर्दोष' ने पत्र में अपना परिचय देते हुए स्वयं को नवादा निवासी, हिंदी विषय के साहित्यकार तथा किशनगंज जिले के यूएमवी धनपतगंज के प्रधानाध्यापक बताया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग उनके सुझाव पर गंभीरता से विचार करेंगे और प्रस्तावित पार्क के नाम में आवश्यक संशोधन करेंगे।

यज्ञ का न्योता देने आए फर्जी साधु ने डेढ़ भर सोने की चेन उड़ाई

वारिसलीगंज (नवादा)। वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के सिमरीडीह गांव में यज्ञ का न्योता देने के बहाने आए साधु के वेश में एक ठग ने घर में घुसकर डेढ़ भर सोने की सिकड़ी लेकर फरार हो गया। घटना को लेकर पीड़ित ने वारिसलीगंज थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करने और कार्रवाई की मांग की है। थाना को दिए आवेदन में वार्ड संख्या-15 निवासी राकेश कुमार ने बताया कि सोमवार को दोपहर करीब 2:30 से 3:30 बजे के बीच साधु के वेश में एक व्यक्ति उनके घर पहुंचा। उसने यज्ञ का निमंत्रण देने की बात कही और किसी प्रकार का छिड़काव कर उन्हें अपने प्रभाव में ले लिया। इसी दौरान घर में रखी करीब डेढ़ भर वजन की सोने की सिकड़ी, जो

उन्हें विवाह के फलदान में मिली थी, लेकर बाहर खड़े दोपहिया वाहन से फरार हो गया। पीड़ित ने बताया कि घटना के बाद उन्होंने अपने स्तर से काफी खोजबीन की, लेकिन आरोपी और उसका वाहन नहीं मिल सका। इसके बाद उन्होंने थाना में आवेदन देकर मामले की प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई तथा चोरी गई सोने की सिकड़ी की बरामदगी की मांग की है।

कौआकोल में खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव के लिए निःशुल्क टीकाकरण अभियान शुरू

कौआकोल। प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय में सोमवार को एफएमडी (खुरपका-मुंहपका रोग) राउंड-7 के निःशुल्क टीकाकरण अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान पशुपालकों से अपने सभी मवेशियों को खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) रोग से बचाव हेतु निःशुल्क टीका अवश्य लगवाने की अपील की गई। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित किया जाएगा,ताकि अधिक से अधिक पशुओं का टीकाकरण कर उन्हें इस संक्रामक रोग से सुरक्षित रखा जा सके। इस अवसर पर कौआकोल के प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी (टीभीओ) डॉ. शम्भू शरण,छबैल के टीभीओ डॉ. राजेश कुमार,कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ. जयवंत कुमार सिंह,वैज्ञानिक डॉ. रजत रंजन,टीकाकर्मी संतोष कुमार सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

हरदिया डैम मोड़ पर फिर हुआ दुर्घटना, बाल-बाल बचे सवार लोग

पिकअप और लग्जरी कार की टक्कर में दोनों वाहन के पिछले और अगले हिस्से हुए क्षतिग्रस्त

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के एनएच-20 के हरदिया डैम मोड़ स्थित बजरंगबली मंदिर के समीप सोमवार की अहले सुबह एक भयानक सड़क दुर्घटना हुई। इस सड़क दुर्घटना में एक पिकअप और कार की आमने-सामने की टक्कर में दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। हालांकि दोनों वाहनों में सवार लोग सुरक्षित हैं। दुर्घटना में बाद कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मिली जानकारी के अनुसार झारखंड की ओर से आ रही तेज रफ्तार में रही पिकअप वाहन संख्या जेएच02बीडब्ल्यू5118 और नवादा की ओर से आ रही मॉरिश गैरेज कार संख्या बीआर06इजे 4348 के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई। टक्कर के दौरान पिकअप का पिछला हिस्सा एवं लग्जरी कार

सड़क दुर्घटना में क्षतिग्रस्त लग्जरी कार एवं पिकअप

का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों से सवार रहे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। सड़क हादसे के कारण कुछ समय के लिए एनएच-20 पर यातायात प्रभावित रहा,जिसे बाद में सामान्य कराया गया। स्थानीय निवासी जयेंद्र उर्फ जालो यादव ने बताया कि आए दिन बजरंगबली मंदिर के समीप तीखे मोड़ पर सड़क दुर्घटनाएं घटित होते रहती है। दुर्घटनाओं पर नियंत्रण हेतु प्रशासन द्वारा एनएच-20 के फोरलेन के समीप ब्रेकर बनाया गया है,जिससे नवादा की ओर से आनेवाली वाहनों की रफ्तार में कमी आई है। किंतु कोडरमा की ओर से आनेवाली वाहनें जांच चौकी के बाद तेज रफ्तार से गुजरती है। इसके कारण सड़क दुर्घटना होते रहता है। उन्होंने बताया कि बजरंगबली मंदिर के समीप तीखे मोड़ के रहने के कारण इसके पूर्व भी बीते अप्रैल माह के पहले सप्ताह में बाइक पर सवार रहे युवक झारखंड के हजारीबाग जिले के बरकट्ठा थाना क्षेत्र के कोनापुर खुर्द निवासी मो. मजहर अंसारी एवं युवती नवादा जिले के मेसकौर थाना क्षेत्र के बिजुबिगहा गांव निवासी शहनाज खातून की मौत हो गई थी। ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि डैम मोड़ को दुर्घटना संभावित क्षेत्र घोषित कर रोड ब्रेकर एवं आवश्यक सांकेतिक बोर्ड लगाए जाएं।

इस संबंध में थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना को लेकर किसी पक्ष द्वारा लिखित आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने पर अग्रतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

समारोह पुर्वक हुआ कश्यप पुस्तक का विमोचन

अरविंद शाही ने राज्यपाल को अंग वस्त्र देकर किया सम्मानित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। जगजीवन राम संसदीय अध्ययन एवं राजनीतिक शोध संस्थान पटना में रविवार को डॉ प्रो राजेंद्र प्रसाद द्वारा लिखित कश्यप का जीवन एवं दर्शन पुस्तक का विमोचन बिहार के माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन द्वारा विमोचन किया गया। समारोह का आयोजन अखिल भारतीय कश्यप गोत्रीय महासभा के द्वारा किया गया जिसमें आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित पकरीबरावां के खपुरा निवासी डॉ अरविंद कुमार शाही ने माननीय राज्यपाल महोदय को अंग वस्त्र देकर सम्मानित एवं स्वागत किया ।कश्यप पुस्तक विमोचन समारोह का अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय मंत्री सह बिहार विधान परिषद सदस्य डॉ प्रो संजय पासवान जी ने किया पुस्तक विमोचन कार्यक्रम समारोह में माननीय राज्यपाल एवं मुख्य अतिथि डॉक्टर प्रोफेसर संजय पासवान पूर्व सांसद डॉक्टर अरुण कुमार मानवाधिकारआयोग संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार शाही तथा कुम्हरार विधायक संजय गुप्ता के द्वारा कश्यप ऋषि का जीवन परंपरा और कश्मीर में उनका ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए जीवन एवं सामाजिक परंपरा की कई पहलुओं तथा कश्यप के श्रेष्ठ गुणों पर प्रकाश डाला।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत 30 मोबाइल धारकों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

◆ **वारिसलीगंज पुलिस ने तकनीकी सहायता से बरामद मोबाइल वास्तविक मालिकों को सौंपे**

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

वारिसलीगंज (नवादा)। वारिसलीगंज थाना परिसर में सोमवार को बिहार पुलिस के ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत करीब 30 खोए हुए मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को लौटाए गए। लंबे समय बाद अपना मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। कई लोगों ने पुलिस के इस प्रयास की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक पंकज कुमार सैनी ने बताया कि मोबाइल गुम होने की शिकायत मिलने के बाद तकनीकी सहायता और सीसीटीएनएस के माध्यम से विभिन्न मोबाइल फोन को ट्रेस किया गया। सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी मोबाइल उनके वास्तविक धारकों को विधिवत सौंप दिए गए। उन्होंने कहा कि आमजन की खोई हुई संपत्ति वापस दिलाना और पुलिस के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत करना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

अभियान को सफल बनाने में एसआई सुशील कुमार, पीएसआई मनोज कुमार राय, सीसीटीएनएस टीम के मंटू कुमार, रोहित कुमार, अनवर अंसारी सहित थाना के अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। थानाध्यक्ष ने पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि तकनीकी दक्षता और टीमवर्क के कारण मोबाइल बरामद करना संभव हो सका।

मोबाइल प्राप्त करने वालों में प्रवीण कुमार, राजीव रंजन, विक्रम कुमार, रोहित रंजन, जसीम खान, राजेश कुमार, मुकेश कुमार, सुजीत मिस्त्री, शंभू चौहान, सुधांशु कुमार, अर्जुन कुमार, मनोज कुमार, सुधीर कुमार, जितेंद्र चौधरी, गोपाल कुमार, दीपक कुमार, संगीता कुमारी, अमित कुमार सहित कई अन्य लोग शामिल थे। इस अवसर पर पुलिस ने लोगों से मोबाइल गुम होने पर तुरंत थाना में सूचना देने की अपील भी की।

अंचल कार्यकाल में सोमवार को हुई जनसुनवाई में पहुंचे 8 मामले, समाधान का दिया गया भरोसा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रजौली। रजौली अंचल कार्यालय में सोमवार को हुई जनसुनवाई में अंचलाधिकारी मो. गुफरान मजहरी ने विभिन्न गांवों से आए कुल 8 मामले पहुंचे। अंचलाधिकारी ने बताया कि बिहार सरकार के निर्देशानुसार ' सबका सम्मान,जीवन आसान ' को लेकर प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को जनसुनवाई की जाती है। सोमवार को हुई जनसुनवाई में करमा कला निवासी मो. इम्तियाज व शोहदा निवासी लालो देवी को पर्चा से प्राप्त भूमि पर विवाद था,मंधार निवासी पूनम देवी व हरदिया निवासी राजकुमार को जमीन मापी,तारगीर निवासी उषा देवी को रैयती भूमि संबंधित विवाद, अमावां निवासी मुसाफिर महतो को जमाबंदी डिजिटल, अंधरवारी निवासी रामखेलावन पंडित को दाखिल खारिज की आपत्ति एवं बंधन छपरा निवासी श्रीकांत मुरारी को परिमार्जन संबंधित समस्या थी। अंचलाधिकारी ने कहा कि लोगों की समस्याओं को सुनकर उसके निराकरण हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। वहीं अंचल कार्यालय

अंचल कार्यालय परिसर में बैठे फरियादी

में मौजूद माधोरामपुर निवासी संगीता देवी ने बताई कि उनके आवागमन के रास्ते को उनके चाचा रामलगन प्रसाद द्वारा ईंट का दीवार देकर अवरुद्ध कर दिया गया है,जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं धमनी निवासी राजकुमार राजवंशी ने बताया कि उनकी जमीन पर कुछ लोगों द्वारा जबरन घर और गुमटी बैठा दिया गया है। अंचल परिसर में मौजूद तारगीर निवासी उषा देवी ने बताई कि वे अपनी ढाई बिगहा जमीन गांव के ही अयोध्या पाण्डेय को दी थी,जिसने धोखाधड़ी करके अपने नाम करवा ली है। इस संबंध में अंचलाधिकारी ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान आए मामलों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश के साथ अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने लोगों की समस्याओं का जल्द से जल्द निपटारा करने का आश्वासन दिया है।

डीपीएल सीजन-04 का रोमांचक फाइनल, हिसुआ ने वारिसलीगंज को 5 विकेट से हराकर जीती ट्रॉफी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

हिसुआ (नवादा) दीरी खेल मैदान में आयोजित डीपीएल (दीरी प्रीमियर लीग) सीजन-04 का समापन रविवार देर शाम रोमांचक डे-नाइट फाइनल मुकाबले के साथ हुआ। खिताबी मुकाबले में हिसुआ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वारिसलीगंज को 5 विकेट से पराजित कर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। अंतिम ओवरों तक चले इस मुकाबले ने दर्शकों की धड़कनें बढ़ाए रखीं। जीत के बाद हिसुआ के खिलाड़ियों ने मैदान पर ट्रॉफी के साथ जश्न मनाया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वारिसलीगंज की टीम ने निर्धारित ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 118 रन बनाए। टीम की ओर से बल्लेबाजों ने उपयोगी पारियां खेलीं, लेकिन हिसुआ के गेंदबाजों ने सटीक लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी करते हुए लगातार विकेट चटकाए और विपक्षी टीम को बड़े स्कोर तक नहीं पहुंचने दिया।

119 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हिसुआ की टीम ने संयमित शुरुआत की। मध्यक्रम के बल्लेबाज अजहर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत की ओर अग्रसर किया। हिसुआ ने 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और डीपीएल सीजन-04 की विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। फाइनल में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए अजहर को *मैन ऑफ द मैच* तथा पूरे टूर्नामेंट में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार प्रदान किया गया।

समापन समारोह में विजेता हिसुआ टीम को चमचमाती ट्रॉफी एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जबकि उपविजेता वारिसलीगंज की टीम को अतिथियों के हाथों ट्रॉफी प्रदान की गई। इसके अलावा प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

रंग-बिरंगी रोशनी के बीच आयोजित डे-नाइट फाइनल देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मैदान में मौजूद रहे। पूरे मैच के दौरान दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन समिति ने कहा कि डीपीएल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देना है।

नरहट में पूजा शर्मा ने संभाला अंचल अधिकारी का पदभार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नरहट (नवादा)। नरहट प्रखंड में अंचल अधिकारी मनीष कुमार के स्थानांतरण के बाद सोमवार को नवपदस्थापित अंचल अधिकारी पूजा शर्मा ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने अंचल कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया और कार्यालय के कार्यों की जानकारी ली।

इस मौके पर पूजा शर्मा ने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने बताया कि राजस्व महाअभियान का समयबद्ध क्रियान्वयन, अभियान बसेरा सहित राजस्व संबंधी

सीओ को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते आरओ

सेवाओं को आम लोगों तक समय पर पहुंचाना तथा भूमि संबंधी विवादों का निष्पक्ष एवं त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भूमि विवादों के समाधान के लिए पारदर्शी व्यवस्था अपनाई जाएगी और आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाएगा। साथ ही सरकारी योजनाओं एवं राजस्व कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नवपदस्थापित अंचल अधिकारी ने कर्मचारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि कार्यालय आने वाले लोगों को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने लंबित मामलों की समीक्षा कर शीघ्र निष्पादन का निर्देश भी दिया। पदभार ग्रहण के उपरांत आरओ शुरुति कुमारी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर पूजा शर्मा का स्वागत एवं सम्मान किया। इस मौके पर अंचल कर्मी एवं अन्य मौजूद थे।

सभी सरकारी कार्यालयों में आयोजित हुई जनसुनवाई, जिला पदाधिकारी ने सुनीं 26 शिकायतें

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। बिहार सरकार के सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय "सबका सम्मान-जीवन आसान (Ease of Living)" के अंतर्गत आम नागरिकों के दैनिक जीवन को सरल, सहज एवं सम्मानजनक बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को जिले के सभी सरकारी कार्यालयों में जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला पदाधिकारी, नवादा श्री रवि प्रकाश के निर्देशानुसार आज जिले के सभी ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल एवं जिला स्तरीय सरकारी कार्यालयों में जनसुनवाई आयोजित की गई।

जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन जिला पदाधिकारी श्री रवि प्रकाश की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में किया गया। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों द्वारा कुल 26 शिकायतें एवं आवेदन प्रस्तुत किए गए। जिला पदाधिकारी ने सभी मामलों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा कई शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट निष्पादन किया। शेष मामलों को आवश्यक जांच एवं नियमानुसार कार्रवाई हेतु संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को अग्रसारित किया गया।

जनसुनवाई के दौरान थाना रोह अंतर्गत ग्राम बारा पाण्डेय निवासी रामचन्द्र पंडित द्वारा रास्ता अवरुद्ध किए जाने से संबंधित, थाना वारिसलीगंज अंतर्गत ग्राम हाजीपुर निवासी सुन्दर प्रसाद द्वारा ट्यूबवेल लगवाने से संबंधित, थाना रजौली अंतर्गत ग्राम धमनी निवासी नीतू देवी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित तथा थाना नवादा सदर अंतर्गत प्रसाद बिगहा निवासी टींकू कुमारी द्वारा एफडी (Fixed Deposit) तुड़वाने से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। इसके अतिरिक्त अन्य परिवादियों द्वारा भी विभिन्न प्रकार की शिकायतें एवं समस्याएं जनसुनवाई में रखी गईं। जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त सभी शिकायतों एवं आवेदनों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को त्वरित एवं प्रभावी समाधान उपलब्ध कराया जा सके।

इसी क्रम में नवादा सदर एवं रजौली अनुमंडल कार्यालयों सहित जिले के सभी ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल एवं जिला स्तरीय कार्यालयों में भी जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान आमजनों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई की गई तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

गयाजी में वन विभाग ने पैंगोलिन स्केल किया बरामद, टीम ने होटल के कमरे में की छापेमारी

चार को हिरासत में लिया, नेटवर्क खंगाला जा रहा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी के शेरघाटी में वन विभाग ने एक होटल से 19.5 किलोग्राम पैंगोलिन स्केल (शल्क) बरामद किए गए हैं। मामले में 4 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क के माध्यम से विदेश भेजने की आशंका जताई गई है। वन विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि शेरघाटी थाना क्षेत्र स्थित केके पैलेस होटल में कुछ लोग प्रतिबंधित वन्यजीव उत्पाद के साथ ठहरे हुए हैं और इसकी बड़ी डील होने वाली है। सूचना के आधार पर, शेरघाटी के वन क्षेत्र पदाधिकारी नीतिकेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। होटल के कमरों की तलाशी ली, जहां से 19.5 किलोग्राम पैंगोलिन स्केल बरामद हुए। जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया। कार्रवाई के दौरान 4 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया।

ऊंची कीमत पर बेचने की तैयारी: हिरासत में लिए गए व्यक्तियों की पहचान इमामगंज निवासी मोहम्मद आफताब, जहानाबाद निवासी मोहम्मद नवाब, घोसी थाना क्षेत्र निवासी मोहम्मद शरफू और शेरघाटी निवासी मोहम्मद मुमताज के रूप में हुई है। सभी से अलग-अलग पूछताछ की जा रही है ताकि सामग्री के स्रोत, इसमें शामिल खरीद-फरोख्त करने वाले और इसे आगे किसे सौंपा जाना था, इसका पता लगाया जा सके। वन विभाग के वन क्षेत्र पदाधिकारी नीतिकेश कुमार ने बताया कि यह एक बड़ा मामला है। शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि प्रतिबंधित वन्यजीव उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊंची कीमत पर बेचने के उद्देश्य से विदेश भेजने की तैयारी थी। वन विभाग अब पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटा है। हालांकि विभाग ने स्पष्ट किया है कि बरामद सामग्री का वैज्ञानिक सत्यापन और पूरे नेटवर्क की जांच अभी जारी है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि इसका संबंध किसी बड़े अंतरराज्यीय या अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोह से तो नहीं है।

पैंगोलिन दुनिया के सबसे अधिक तस्करी किए जाने वाले स्तनधारियों में शामिल: पैंगोलिन दुनिया के सबसे अधिक तस्करी किए जाने वाले स्तनधारियों में शामिल है। इसकी सबसे बड़ी वजह इसके शरीर पर मौजूद कठोर केराटिन से बने शल्क (स्केल) हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इनकी अवैध मांग के कारण लगातार इनकी तस्करी की जाती है। हालांकि वैज्ञानिक समुदाय बार-बार स्पष्ट कर चुका है कि इन शल्कों के औषधीय गुणों का कोई प्रमाणित वैज्ञानिक आधार नहीं है। भारत में पैंगोलिन को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत सर्वोच्च स्तर की कानूनी सुरक्षा प्राप्त है। इसका शिकार, खरीद-बिक्री, परिवहन या इसके किसी भी अंग का व्यापार पूरी तरह प्रतिबंधित है। ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर कठोर कारावास और भारी जुर्माने का प्रावधान है।

जरूरत पड़ने पर एजेंसियों की मदद ली जाएगी: वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि बरामद सामग्री कहां से लाई गई थी और इसके पीछे कितना बड़ा नेटवर्क सक्रिय था। फिलहाल जब्त सामग्री को सुरक्षित रखा गया है और सभी संदिग्धों से पूछताछ जारी है। अधिकारियों का कहना है कि यदि जांच में किसी अंतरराज्यीय या अंतरराष्ट्रीय गिरोह की संलिप्तता सामने आती है तो अन्य एजेंसियों की भी मदद ली जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

हिलसा में मालगाड़ी की 4 बोगियां पटरी से उतरीं, एक्सप्रेस समेत तीन ट्रेन प्रभावित, कोई जानी नुकसान नहीं

नालन्दा। नालंदा जिले के हिलसा रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी की चार बोगियां अचानक बेपटरी हो गई। इस हादसे के कारण न केवल रेल परिचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ है, बल्कि हिलसा-चिकसौरा मार्ग समेत कई रेलवे फाटकों पर भारी जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई है। जानकारी के मुताबिक एक खाली मालगाड़ी फतुहा से नटेसर की ओर जा रही थी। हिलसा स्टेशन में एंट्री के दौरान मालगाड़ी की चार बोगियां अचानक पटरी से उतर गई। गनीमत यह रही कि इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने या जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। स्टेशन प्रबंधन ने तत्काल उच्च अधिकारियों को जानकारी दी। जिसके बाद मौके पर जीआरपी और आरपीएफ की टीम पहुंची। इस हादसे के कारण क्षेत्र में ट्रेनों की आवाजाही ठप हो गई है। प्रभावित ट्रेनों में मुख्य रूप से दिल्ली से इस्लामपुर जाने वाली मगध एक्सप्रेस, पटना-इस्लामपुर लोकल और इस्लामपुर-हटिया ट्रेन शामिल है। मौके पर मौजूद टीआई कुंदन कुमार ने बताया कि घटना के समय मालगाड़ी की स्पीड करीब 15 से 20 किलोमीटर प्रति घंटा थी। ट्रेन किन परिस्थितियों में और किन कारणों से बेपटरी हुई, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल पटना से राहत और बचाव दल को मौके पर रवाना कर दिया गया है। रूट बहाली का काम प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जा रहा है। रेलवे ट्रैक पर बोगियों के आने के कारण हिलसा से चिकसौरा जाने वाले मार्ग और आसपास के रेलवे फाटकों पर वाहनों की लंबी कतार लग गई है। हालांकि जैसे ही इस बात की खबर सड़क मार्ग से चल रहे लोगों को मिली तो वे लोग वापस बाईपास के जरिए अपने-अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गए।

जूनियर रग्बी चैंपियनशिप; बिहार बना नेशनल चैंपियन

नालन्दा। हैदराबाद के गाचीबोवली स्टेडियम में आयोजित जूनियर राष्ट्रीय बालक रग्बी चैंपियनशिप में बिहार ने अपनी धाक जमाते हुए खिताब पर कब्जा कर लिया है। शनिवार को खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में बिहार की टीम ने महाराष्ट्र को 37-05 के बड़े अंतर से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही राष्ट्रीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। क्वार्टर फाइनल में केरल को 42-00 के एकतरफा मुकाबले में हराने के बाद, सेमीफाइनल में बिहार ने उड़ीसा को 12-07 से शिकस्त देकर फाइनल का टिकट पक्का किया था। फाइनल में महाराष्ट्र के खिलाफ खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाते हुए एकतरफा जीत दर्ज की। 6 जुलाई से 11 जुलाई तक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस ऐतिहासिक जीत के नायक रहे नालंदा के बजरंगी कुमार। बजरंगी ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन आक्रामक खेल दिखाया और निर्णायक मुकाबलों में महत्वपूर्ण 'ट्राई' (गोल) कर टीम को जीत दिलाई। बजरंगी की यह उपलब्धि बेहद प्रेरणादायक है। नालंदा मोड़ निवासी बजरंगी के पिता इस दुनिया में नहीं हैं। परिवार ने बेहद कठिन दौर देखा है। उनकी माता सोना देवी और बड़े भाई आज भी नालंदा मोड़ पर चाऊमीन, रोल और चाय का ठेला लगाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। आर्थिक तंगहाली को पीछे छोड़ते हुए बजरंगी ने अपने खेल के प्रति समर्पण और कठिन परिश्रम के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन किया है। बिहार टीम की इस सफलता के पीछे टीम के मुख्य कोच सौरभ कुमार की कुशल रणनीति का बड़ा हाथ रहा। नालंदा जिला खेल कार्यालय में कार्यरत सौरभ कुमार ने टीम को तकनीकी रूप से तैयार किया, जिसका परिणाम स्वर्ण पदक के रूप में सामने आया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर ग्रामीण विकास मंत्री सह संरक्षक (रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन ऑफ बिहार) श्रवण कुमार, अध्यक्ष संजय प्रकाश मयूख, सचिव पंकज ज्योति और जिला खेल पदाधिकारी आलोक चंद चौधरी सहित खेल जगत के अनेक हस्तियों ने बजरंगी कुमार और कोच सौरभ कुमार को बधाई दी है। नालंदा रग्बी एसोसिएशन के महासचिव रेंशी राकेश राज ने कहा कि बजरंगी की यह सफलता राज्य के अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

राजकीय पॉलिटेक्निक अस्थावां में अतिथि शिक्षकों की होगी बहाली, 16 जुलाई को होगा वॉक-इन इंटरव्यू

नालन्दा। राजकीय पॉलिटेक्निक अस्थावां में विभिन्न पदों पर अतिथि अनुदेशक और अतिथि प्रयोगशाला सहायकों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस संबंध में संस्थान के प्राचार्य कार्यालय ने योग्य उम्मीदवारों से वॉक-इन इंटरव्यू के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग बिहार के निर्देशानुसार प्रक्रिया की जा रही। इच्छुक उम्मीदवारों को अपना बायो-डेटा, मूल प्रमाण-पत्रों, अनुभव प्रमाण-पत्रों के साथ-साथ सभी आवश्यक दस्तावेजों की दो फोटो कॉपी और 2 पासपोर्ट साइज फोटो के साथ 16 जुलाई को सुबह 11:00 बजे राजकीय पॉलिटेक्निक अस्थावां के प्राचार्य कार्यालय में उपस्थित होना होगा। संस्थान की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के साथ-साथ डेमो क्लास देना भी अनिवार्य होगा। यह सेवा पूरी तरह से वैकल्पिक और अस्थायी व्यवस्था के आधार पर है, जिसे किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के समाप्त किया जा सकता है, साथ ही नियमित या संविदा आधारित नियुक्ति होने पर यह कार्यमुक्त स्वतः समाप्त मानी जाएगी। इलेक्ट्रॉनिक्स अभियंत्रण शाखा के लिए अतिथि अनुदेशक पद के लिए उम्मीदवारों का NCVT, दिल्ली या SCVT, पटना से मान्यता प्राप्त संस्थान से इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेड में एक या दो वर्षीय आईटीआई उत्तीर्ण होना आवश्यक है। वहीं, अतिथि प्रयोगशाला सहायक के लिए असैनिक अभियंत्रण एवं कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग शाखा में AICTE, नई दिल्ली की ओर से मान्यता प्राप्त संस्थान से तीन वर्षीय डिप्लोमा धारकों को पात्र माना गया है। रसायन विज्ञान विषय के लिए प्रयोगशाला सहायक पद के लिए विश्वविद्यालय अनुदान अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत स्थापित विश्वविद्यालय या डीम्ड विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में स्नातक डिग्री अनिवार्य की गई है। संस्थान की ओर से इन पदों के लिए प्रति वर्ग कार्य 800 रुपए का मानदेय निर्धारित किया गया है, जिसकी अधिकतम मासिक सीमा 25,000 रुपए रखी गई है। आरक्षण के नियमों का पालन नियमानुसार किया जाएगा। भर्ती से जुड़ी विस्तृत जानकारी और आवेदन पत्र का प्रारूप संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट www.gpasthawannalanda.org.in पर उपलब्ध है, जहाँ से उम्मीदवार आवश्यक विवरण प्राप्त कर सकते हैं।

नालंदा के 6 पर्यटन स्थल होमस्टे योजना में शामिल, पर्यटकों को मिलेगा ग्रामीण क्षेत्र जैसा अनुभव

नालन्दा। बिहार में पर्यटन को नई गति देने और स्थानीय लोगों की आय के स्रोतों को विस्तार देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री होमस्टे प्रोत्साहन योजना का आगाज किया गया है। राज्य सरकार ने इस योजना के तहत 16 जिलों के 34 विशिष्ट पर्यटन स्थलों का चयन किया है, जिसमें ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध नालंदा जिले को सबसे बड़ी हिस्सेदारी मिली है। जिले के कुल 6 प्रमुख स्थलों को इस योजना के लिए चुना गया है, जिससे अब पर्यटकों को होटलों की चकाचौंध से इतर स्थानीय ग्रामीण संस्कृति और आतिथ्य का वास्तविक अनुभव मिल सकेगा। योजना के तहत चयनित स्थलों में प्राचीन नालंदा महाविहार के भग्नावशेष, पावापुरी का पवित्र जलमंदिर, राजगीर का रोपवे, जू सफारी, नेचर सफारी और विश्व प्रसिद्ध गर्म जलकुंड शामिल हैं। इन स्थलों के आसपास के घरों में होमस्टे की सुविधा विकसित की जाएगी, जिससे न केवल पर्यटकों को ठहरने के लिए नए विकल्प मिलेंगे, बल्कि वे बिहार की परंपराओं, स्थानीय खानपान और रहन-सहन को बेहद करीब से जान सकेंगे। सरकार ने इस योजना को प्रभावी बनाने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन का भी प्रावधान किया है। कोई भी इच्छुक व्यक्ति अपने पर्यटन स्थल से अधिकतम 5 किलोमीटर के दायरे में होमस्टे इकाई खोल सकता है। प्रत्येक इकाई के लिए अधिकतम आठ कमरों की स्वीकृति दी गई है, जिसके लिए सरकार प्रति कमरा 2.50 लाख रुपए तक की सहायता देगी। इस प्रकार एक संचालक अधिकतम 10 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त कर सकता है। युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार ने विशेष प्रावधान किए हैं, जिसके तहत महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों और 18 से 25 वर्ष के युवा उद्यमियों को प्रति कमरे 25 हजार रुपए का अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि मिलेगी। पर्यटन विभाग ने आगामी पांच वर्षों के भीतर राज्यभर में एक हजार कमरों के निबंधन का लक्ष्य रखा है। नालंदा जैसे पर्यटन हब में इस योजना के लागू होने से स्थानीय हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन और परिवहन व्यवसायों को भी संबल मिलेगा। राजगीर और पावापुरी जैसे अंतरराष्ट्रीय महत्व के स्थलों के पास स्थित घरों में पर्यटकों के ठहरने से स्थानीय परिवारों की आय में इजाफा होगा और बेरोजगारी की समस्या दूर करने में मदद मिलेगी।

गौतम हत्याकांडः पुलिस पर संदिग्ध को छोड़ने का आरोप

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

> ♦ गयाजी में परिजन और ग्रामीणों का प्रदर्शन, थाने का घेराव; कहा- जांच में लापरवाही बरती जा रही है

गयाजी। गयाजी के मगध मेडिकल थाना क्षेत्र में सोमवार को भारी बवाल हुआ। विष्णुगंज गांव के गौतम यादव की हत्या मामले में परिजनों का गुस्सा पुलिस पर फूट पड़ा। न्याय की मांग को लेकर थाने का घेराव कर दिया। मुख्य सड़क पर टायर जलाकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका आरोप है कि पुलिस इस हत्याकांड की जांच में घोर लापरवाही बरत रही है। साथ ही पक्षपात कर रही है।

रिश्वत लेने का आरोपः मृतक के चाचा वीरू यादव ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस ने शुरुआत में पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया था। बाद में सांठगांठ कर उनमें से चार लोगों को छोड़ दिया गया। जबकि उन चार की भी हत्या मामले में संलिप्तता है। आरोप लगाया कि इस मामले में रिश्वत ली गई है। उनका कहना है कि रिश्वत लेकर ही आरोपियों को बचाने और छोड़ने का काम किया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर सभी संदिग्ध थे, तो चार को क्यों रिहा किया गया। जब तक सभी दोषियों की गिरफ्तारी नहीं होगी, आंदोलन खत्म नहीं होगा।

उग्र आंदोलन की चेतावनीः परिजन अंजना देवी का कहना है कि परिवार को सिर्फ और सिर्फ इंसाफ चाहिए। हत्या के सभी दोषियों को फांसी की सजा दी जाए। जब तक न्याय नहीं मिलता, तब तक जनता प्रदर्शन जारी रहेगा।

आरोप बेबुनियाद, मुख्य आरोपी जेल के अंदरः इधर, मामले के तूल पकड़ने के बाद सिटी एसपी अभिनव सामने आए। उन्होंने पुलिस पर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। सिटी एसपी ने कहा कि पुलिस पर लगाए गए आरोप पूरी तरह बेबुनियाद और निराधार हैं। टीम मुस्तैदी से काम कर रही है। घटना की रात ही मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है।

खून से सने कपड़े मिले, जांच जारीः सिटी एसपी अभिनव ने एक नया खुलासा भी किया। उन्होंने बताया कि अब मामले में खून से सने कपड़े मिलने की जानकारी सामने आई है। पुलिस इस नए इनपुट की गहनता से जांच कर रही है। इस मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। अगर साक्ष्य छिपाने या अपराध में किसी और की संलिप्तता मिलती है, तो उस पर भी सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। पुलिस जांच के आधार पर आगे कदम बढ़ा रही है।

मालगाड़ी के इंजन से वंदे भारत एक्सप्रेस चली इंजन में खराबी के कारण ढाई घंटे लेट पहुंची गाड़ी

रांची से पटना जा रही थी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। रांची से पटना जाने वाली 22350 वंदे भारत एक्सप्रेस में रविवार की देर रात तकनीकी खराबी आ गई। इंजन में आई गड़बड़ी के कारण ट्रेन करीब ढाई घंटे की देरी से गया जंक्शन पहुंची। इससे सैकड़ों यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। कई स्टेशनों पर यात्रियों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, वंदे भारत एक्सप्रेस का गयाजी जंक्शन पर निर्धारित आगमन समय रात 8:40 बजे था, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण ट्रेन करीब 11:30 बजे स्टेशन पहुंची। रास्ते में ट्रेन कई बार रुक-रुक कर चलती रही। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, इंजन में खराबी की वजह से ट्रेन को बरकाकाना स्टेशन पर रोक दिया गया। ट्रेन के परिचालन को जारी रखने के लिए मालगाड़ी का इंजन तत्काल लगाया गया। उसी इंजन की मदद से वंदे भारत एक्सप्रेस को गया और फिर पटना के लिए रवाना किया गया।

तकनीकी खराबी का पता नहीं चलाः बरकाकाना में रेलवे के तकनीकी कर्मचारियों ने काफी देर तक इंजन की जांच की। मरम्मत की काफी कोशिश की गई, लेकिन तकनीकी खामी का कुछ पता नहीं चल रहा था। दूसरी तरफ ट्रेन में यात्री काफी परेशान थे। इस कारण रेलवे को तत्काल फैसला लिया कि दूसरे इंजन से ट्रेन को गंतव्य तक पहुंचाया जाए। मी हाईस्पीड ट्रेन में मालगाड़ी का इंजन जोड़ कर सफर पूरा कराना यात्रियों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

स्टेशनों पर यात्रियों को करना पड़ा लंबा इंतजारः कोडरमा समेत कई स्टेशनों पर यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ा। स्टेशन पर मौजूद रेल अधिकारियों और कर्मचारियों ने यात्रियों को स्थिति की जानकारी दी और शांत रहने की अपील की। इसके बावजूद देर रात तक सफर करने वाले यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। तकनीकी खराबी की वजह से वंदे भारत एक्सप्रेस का पूरा शेड्यूल प्रभावित रहा। रेलवे की तकनीकी टीम ने खराबी के कारणों की जांच शुरू कर दी है। यात्रियों का कहना था कि देश की आधुनिक ट्रेनों में इस तरह की तकनीकी समस्या चिंता का विषय है।

वहीं, रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक कदम उठाए गए और सुरक्षित तरीके से ट्रेन को गंतव्य की ओर रवाना किया गया।

नए नगर आयुक्त ने संभाला पदभार, नालियों की सफाई के बाद गाद को हटाने के निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी नगर निगम को सोमवार को नया नगर आयुक्त मिल गया। आईएएस अधिकारी डॉ. गगन ने पदभार ग्रहण किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर के विकास कार्यों में अब कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पदभार संभालने के तुरंत बाद, उन्होंने अधिकारियों के साथ प्रारंभिक समीक्षा बैठक की। अधूरे पड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। डॉ. गगन इससे पहले पटना में सहकारिता विभाग में कार्यरत थे। नगर आयुक्त का पदभार संभालने के बाद उन्होंने सबसे पहले शहर के विभिन्न इलाकों में नालों की सफाई के बाद गाद के उठाव पर ध्यान दिया। अधिकारियों को तत्काल गाद हटाने और पूरे शहर में सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने का निर्देश दिया।

पितृपक्ष मेले की तैयारियों को लेकर समीक्षा होगीः आगामी पितृपक्ष मेले की तैयारियों को लेकर भी नए नगर आयुक्त ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। उन्होंने बताया कि जल्द ही सभी संबंधित विभागों और अधिकारियों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में मेला क्षेत्र की सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, कचरा प्रबंधन, यातायात और अन्य नागरिक सुविधाओं की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की जाएगी। इसका उद्देश्य देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाना है। नगर आयुक्त डॉ. गगन ने यह भी कहा कि इस बार पितृपक्ष मेले में साफ-सफाई की व्यवस्था को आधुनिक तकनीक के माध्यम से और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

नगर निगम का प्रयास रहेगा कि मेला क्षेत्र के साथ-साथ पूरे शहर में स्वच्छता, कचरा निष्पादन और नागरिक सुविधाओं का स्तर बेहतर हो। उन्होंने जोर देकर कहा कि गया आने वाले तीर्थयात्रियों को बेहतर अनुभव प्रदान करना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

अधिकारियों-कर्मचारियों को समय पर ऑफिस आने के निर्देशः पदभार ग्रहण करने के साथ ही नगर आयुक्त ने अधिकारियों और कर्मचारियों को अनुशासन का भी स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी और कर्मचारी समय पर कार्यालय और फील्ड में उपस्थित रहें।

कार्यों की नियमित निगरानी की जाएगी और किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता मिलने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेंगे। नगर आयुक्त डॉ गगन ने यह भी कहा कि नगर निगम की कार्यशैली को अधिक जवाबदेह, पारदर्शी बनाया जाएगा। शहर में चल रही योजनाओं की लगातार समीक्षा होगी और जिन परियोजनाओं में अनावश्यक देरी हो रही है, उन्हें तय समय-सीमा के भीतर पूरा कराया जाएगा।

सीयूएसबी में 858 सीटों पर एडमिशमन के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

> ♦ प्रारंभिक कट-ऑफ तय नहीं, 16 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन, इस बार तीन नए कोर्स भी शामिल

गयाजी। दक्षिण बिहार सेंट्रल यूनिवर्सिटी ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया शुरू कर दी है। 24 स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए कुल 858 सीटों पर एडमिशन होना है। खास बात यह है कि स्टूडेंट्स के लिए किसी भी प्रकार का प्रारंभिक कट-ऑफ निर्धारित नहीं किया गया है। यानी, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से आयोजित कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी-यूजी-2026) में शामिल होने वाले सभी अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के इन पाठ्यक्रमों के लिए सीधे ओपन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

शैक्षणिक सत्र से तीन नए रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की सौगातः सीयूएसबी ने इस नए शैक्षणिक सत्र से विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की शिक्षा और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए तीन नए पांच वर्षीय एकीकृत स्नातक-स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं। ये नए पाठ्यक्रम बायोटेक्नोलॉजी, बायोइनफॉर्मेटिक्स एवं एनवायरनमेंटल साइंस शुरू किए गए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि बिहार समेत देश के विभिन्न राज्यों के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए इन रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को डिजाइन किया गया है। इससे छात्रों को न सिर्फ उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे, बल्कि वे शोध और उद्योग जगत की जरूरतों के अनुसार खुद को तैयार कर सकेंगे।

858 सीटों पर मिलेगा दाखिलाः विश्वविद्यालय के जन संपर्क पदाधिकारी मुदस्सीर आलम ने बताया कि परीक्षा नियंत्रक डॉ. शांतिगोपाल पाइन ने प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित आधिकारिक अधिसूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी कर दी है। डॉ. पाइन के अनुसार, इस बार 24 स्नातक पाठ्यक्रमों की कुल 858 सीटों पर ओपन रजिस्ट्रेशन आमंत्रित किए गए हैं।

बीबीए-एलएलबी में नामांकन
पांच वर्षीय एकीकृत बीए एलएलबी (ऑनर्स) और पांच वर्षीय एकीकृत बीबीए-एलएलबी
चार वर्षीय बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर
दो वर्षीय डिप्लोमा इन फार्मेसी (डी.फार्मा)
पांच वर्षीय एकीकृत यूजी-पीजी कार्यक्रम में बायोटेक्नोलॉजी, बायोइनफॉर्मेटिक्स, एनवायरनमेंटल साइंस, लाइफ साइंस, कंप्यूटर साइंस, भूविज्ञान, पत्रकारिता एवं जनसंचार, भूगोल, गणित, मनोविज्ञान, रसायन विज्ञान, राजनीति विज्ञान एवं अंतरराष्ट्रीय संबंध, इतिहास, समाजशास्त्र, भौतिकी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, वाणिज्य और हिंदी शामिल हैं।

16 जुलाई तक रजिस्ट्रेशन का मौकाः उप कुलसचिव कुमार कौशल ने प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी साझा करते हुए बताया कि स्नातक स्तर के इन पाठ्यक्रमों में दाखिले के इच्छुक अभ्यर्थियों को 'सीयूएसबी समर्थ पोर्टल' पर जाकर ऑनलाइन मोड में पंजीकरण करना होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम की मेरिट सूची केवल उन्हीं अभ्यर्थियों के आधार पर तैयार की जाएगी, जो निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना पंजीकरण सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। ऑनलाइन पंजीकरण, आवश्यक दस्तावेजों व प्रमाण-पत्रों की स्कैन प्रति अपलोड करने और पंजीकरण शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 16 जुलाई निर्धारित की गई है। शुल्क संरचना की बात करें तो सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम हेतु 500 रुपए का शुल्क तय किया गया है। वहीं, अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति एवं दिव्यांग श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए यह शुल्क 200 रुपए निर्धारित है।

21 जुलाई को आएगी पहली कट-ऑफः विश्वविद्यालय की ओर से जारी टाइमलाइन के मुताबिक विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए पहली कट-ऑफ सूची 21 जुलाई को आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी। जिन अभ्यर्थियों के अंक इस कट-ऑफ के बराबर या उससे अधिक होंगे, वे 21 जुलाई से 23 जुलाई 2026 के बीच अपना प्रवेश शुल्क जमा कर अपनी सीट पक्की कर सकेंगे। इसके बाद, सभी प्रक्रियाओं को पूरा करते हुए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अंतिम रूप से चयनित विद्यार्थियों की अंतिम सूची 30 जुलाई 2026 को सार्वजनिक की जाएगी। नए छात्रों के लिए विश्वविद्यालय परिसर में नियमित कक्षाओं का संचालन 04 अगस्त से होगा।

संक्षिप्त समाचार

दो गांवों से दो पियक्कड़ गिरफ्तार, पत्नी-भाई व पिता से मारपीट का आरोप

काराकाट/रोहतास। थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में शराब के नशे में परिजनों के साथ मारपीट करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर सोमवार को न्यायिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की गई। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि पहला मामला थाना क्षेत्र के दुआरी गांव का है। यहां धीरेंद्र कुमार, पिता स्वर्गीय नागवंश सिंह, शराब के नशे में अपनी पत्नी तथा भाई के साथ मारपीट कर रहा था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में धीरेंद्र कुमार के भाई अनिल कुमार सिंह के आवेदन पर काराकाट थाना कांड संख्या 266/26 दर्ज की गई है। वहीं दूसरा मामला नवाडीह गांव का है। यहां अमरेंद्र कुमार राय शराब के नशे में अपने पिता वशिष्ठ नारायण राय के साथ मारपीट कर रहा था। पीड़ित पिता ने थाना पहुंचकर अपने पुत्र के खिलाफ लिखित आवेदन दिया। आवेदन के आधार पर काराकाट थाना में कांड संख्या 265/26 दर्ज करते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर आरोपित अमरेंद्र कुमार राय को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि दोनों मामलों में आरोपितों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि शराब के नशे में कानून-व्यवस्था भंग करने या परिजनों के साथ मारपीट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। थाना क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है।

पुलिस ने तीन मामले में चार अपराधी को किया गिरफ्तार भेजा जेल

बिक्रमगंज /रोहतासः कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान तहत बिक्रमगंज पुलिस ने तीन अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है । थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि बिक्रमगंज थाना कांड संख्या 464/26 में धारा 30(ए) के प्राथमिकी अभियुक्त थाना क्षेत्र के ग्राम खैरा भूधर निवासी नंदजी साह के पुत्र अभिनंदन को गिरफ्तार किया गया । वहीं थाना कांड संख्या 449/26 में धारा 137(2)/87 बीएनएस तहत दर्ज मामले के अभियुक्त ग्राम दुर्गाडीह अमाथु निवासी भीम राम के पुत्र पवन कुमार को भी पुलिस ने दबोच लिया । इसके अलावा थाना कांड संख्या 465/26 में धारा 126(2)/115(2)/109(1)/351(2)/352 बीएनएस तहत दर्ज मामले में नगर परिषद बिक्रमगंज के वार्ड संख्या 26 निवासी कमरूद्दीन ईटा फरोश पिता सरफुद्दीन तथा सरफुद्दीन ईटा फरोश पिता स्वर्गीय हबीब मियां उर्फ अलीजान ईटा फरोश को गिरफ्तार किया गया । थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि सभी गिरफ्तार अभियुक्तों से आवश्यक पूछताछ एवं कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया । उन्होंने कहा कि अपराधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा ।

तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया

नासरीगंज/ रोहतासः नासरीगंज पुलिस ने फरार चल रहे अभियुक्तों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया । थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने बताया कि नासरीगंज थाना कांड संख्या 228/26 के प्राथमिकी अभियुक्त अमियावर गांव निवासी स्वर्गीय हजारी सिंह के पुत्र नन्हे सिंह तथा कांड संख्या 137/25 के प्राथमिकी अभियुक्त अमियावर निवासी स्वर्गीय हीरा चौधरी के पुत्र सुनील चौधरी को गिरफ्तार किया गया । इसके अलावा कुर्की वारंटी अमियावर निवासी स्वर्गीय रमजान अली के पुत्र मोहम्मद तैयब को भी पुलिस ने दबोच लिया । थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार सभी अभियुक्तों से आवश्यक पूछताछ एवं कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया । उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में फरार अभियुक्तों,वारंटियों एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ।

फीडर बाईफरकेशन कार्य को लेकर बुधवार को विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

बिक्रमगंज / रोहतास। विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को अधिक सुरक्षित, सुदृढ़ एवं निर्बाध बनाने के उद्देश्य से विद्युत शक्ति उपकेंद्र लिलवछ (दिनारा) से निर्गत 11 केवी मेदनीपुर एवं खनिता फीडर का बाईफरकेशन किया जाएगा। इसके लिए आवश्यक तकनीकी एवं मरम्मत कार्य किए जाने के कारण 15 जुलाई (बुधवार) को संबंधित क्षेत्रों में निर्धारित समय के लिए विद्युत आपूर्ति अस्थायी रूप से बाधित रहेगी। कनीय विद्युत अभियंता, दिनारा विकाश कुमार ने बताया कि बुधवार को सुबह 7:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक मेदनीपुर एवं खनिता फीडर से जुड़े क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी, ताकि फीडर बाईफरकेशन का कार्य सुरक्षित एवं सुचारु रूप से पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि इस कार्य के पूरा होने के बाद क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी तथा उपभोक्ताओं को बेहतर एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति का लाभ मिलेगा। विद्युत विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित शटडाउन अवधि से पूर्व अपने आवश्यक विद्युत संबंधी कार्य पूर्ण कर लें तथा विभाग के तकनीकी कार्य में सहयोग करें। कार्य पूर्ण होते ही विद्युत आपूर्ति यथाशीघ्र बहाल कर दी जाएगी।

पांच लाभुकों ने किया फरियाद

नारदीगंज, नवादा। प्रखंड कार्यालय नारदीगंज में सोमवार को जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित हुई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बीडीओ सोनिया ढनढ़ननिया ने किया। बीडीओ ने कहा विभिन्न गांव के चार लाभुकों ने मुख्यमंत्री पेंशन योजना के तहत आवेदन दिया है। वही एक जन्म प्रमाणपत्र बनाने के लिए आवेदन पत्र जमा किया है। सभी आवेदन पत्र को सम्बंधित पंचायत के पंचायत सचिव को अग्रसारित कर जांचोपरांत निष्पादन करने का निर्देश दिया गया है।

टीवी मुक्त भारत अभियान के तहत मरीज के बीच फूड बास्केट का किया गया वितरण

बिक्रमगंज /रोहतास। टीवी मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम तहत सोमवार को अनुमंडलीय अस्पताल बिक्रमगंज में मरीज के बीच फूड बास्केट का वितरण किया गया । इस पहल का उद्देश्य टीवी मरीजों के पौष्टिक आहार उपलब्ध कराकर उनके उपचार के अधिक प्रभावी बनाया और शीघ्र स्वस्थ होने में सहयोग करना है । डॉ अमिताभ ने कहा कि टीवी का सफल उपचार केवल नियमित दवा लेने से नहीं बल्कि संतुलित एवं पौष्टिक आहार से भी संभव है । प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक अशोक कुमार ने बताया कि टीवी हारेगा देश जीतेगा भारत सरकार का लक्ष्य वर्ष 2026 तक देश को टीवी मुक्त बनाना है । इस लक्ष्य को पूरा करने में समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता अनिवार्य है । उन्होंने मरीजों से पोषण चिकित्सकों की सलाह के अनुसार नियमित दवा लेने, बीच में उपचार नहीं छोड़ने तथा पौष्टिक भोजन का सेवन करने की अपील की । उन्होंने कहा कि टीवी के मरीजों को पोषण सहायता उपलब्ध कराना एक मानवीय और सराहनीय पहल है । जिससे उनके रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी और उपचार के बेहतर परिणाम सामने आएंगे । फूड बास्केट टीवी मरीजों में वितरण करते हुए डॉक्टर अमिताभ,प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक अशोक कुमार, अस्पताल प्रबंधक शबनम कुमारी, प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक अनीश नारायण,प्रधान लिपिक लालबाबू सिंह,लिपिक रंगजी सिंह,सकलैन सफीक,नन्द जी सिंह,लैब टेक्नीशियन राजीव कुमार और सभी स्वास्थ्य कर्मी लोग मौजूद रहे ।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को बढ़ावा देने हेतु जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

सासाराम / रोहतास। आम नागरिकों को सस्ती, सुलभ एवं स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं रूफटॉप सोलर अधिष्ठापन में तेजी लाने के लिए सोमवार को जिला पदाधिकारी, रोहतास दीपक कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में वर्चुअल समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आम उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर प्रणाली के प्रति जागरूक करना तथा अधिक से अधिक लोगों को योजना से जोड़ना था।

जिलाधिकारी ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को अपने घरों की छत पर सोलर पैनल स्थापित करने पर केंद्र सरकार द्वारा आकर्षक सब्सिडी प्रदान की जाती है, जिससे बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आती है। उन्होंने बताया कि 1 किलोवाट पर 30,000, 2 किलोवाट पर 60,000 तथा 3 किलोवाट या उससे अधिक क्षमता पर 78,000 तक की सब्सिडी उपलब्ध है। साथ ही, सोलर संयंत्र स्थापना के लिए बैंकों के माध्यम से रियायती ब्याज दर पर ऋण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। बता दें की जिले में अब तक 371 उपभोक्ताओं के घरों पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आवेदन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद निर्धारित समय सीमा के भीतर सोलर पैनल का अधिष्ठापन सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा अधिक बिजली खपत वाले उपभोक्ताओं को विशेष रूप से सोलर अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने बताया कि यह योजना बिजली बिल कम करने के साथ-साथ स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि सोलर संयंत्र के लिए लिए गए ऋण का भुगतान शहरी क्षेत्रों में 4 से 5 वर्ष तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 7 से 8 वर्ष की अवधि में किया जा सकता है, जिससे उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ कम पड़ता है। साथ ही एकरारनामा की शर्तों के अनुसार सोलर प्लेट को 7 वर्षों तक निःशुल्क मरम्मत एवं रख-रखाव की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने बताया कि 150 यूनिट तक मासिक खपत वाले उपभोक्ताओं के लिए 1 किलोवाट, 300 यूनिट तक के लिए 2 किलोवाट तथा 300 यूनिट से अधिक खपत वाले उपभोक्ताओं के लिए 3 किलोवाट या उससे अधिक क्षमता का सोलर संयंत्र उपयुक्त है। सोलर पैनल से उत्पादित बिजली का उपयोग घरेलू आवश्यकताओं के लिए किया जा सकता है तथा अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर उसके राशि का समायोजन बिजली बिल में किया जाता है, जिससे उपभोक्ताओं को अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि प्रति किलोवाट सोलर संयंत्र के लिए लगभग 100 वर्गफुट छत की आवश्यकता होती है तथा उचित रख-रखाव के साथ सोलर पैनल लगभग 25 वर्षों तक प्रभावी ढंग से कार्य करते हैं।

विद्युत विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की कि वे प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना का अधिकतम लाभ उठाते हुए अपने घरों में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित कराएं और स्वच्छ ऊर्जा एवं ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। बैठक में विद्युत अधीक्षण अभियंता ई. इंद्रदेव कुमार, विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ई. ब्रवीम, विद्युत कार्यपालक अभियंता डेहरी ई. संतोष कुमार, जिले के सभी सहायक एवं कनीय विद्युत अभियंता सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

काली मंदिर के प्रांगण में शिव गुरु आध्यात्मिक परिचर्चा का किया गया आयोजन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिक्रमगंज/ रोहतास। डुमरा रोड स्थित काली मंदिर के प्रांगण में शिव गुरु आध्यात्मिक परिचर्चा का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जागरण भजन जाग जाग महादेव के साथ ही प्रथम शिष्य भैया हरिनद्रा नन्द नीलम दीदी तथा शिव पार्वती के चित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात भजन कीर्तन का प्रस्तुतीकरण गुरु भाई श्रवण कुमार ,अनिल कुमार, तोताराम, अक्ष्यवर एवं विजय कुमार द्वारा किया गया। मंच का संचालन गुरु बहन निर्मला देवी ने किया। गुरु भाई नवीन चंद्र शाह ने भैया हरिंद्रानंद द्वारा लिखित प्रमुख आध्यात्मिक धार्मिक पुस्तक आओ चले शिव की ओर पर अमल करने तथा प्राकृतिक एवं सामाजिक पर्यावरण सुरक्षा हेतु महादेव के नाम पर वृक्षारोपण करने का आग्रह किया।

बहुत से गुरु बहन ने अपनी अपनी बारी-बारी से शिष्य अनुभूति भी तीन सूत्र के माध्यम से रखी। जबकि गुरु भाइयों ने गुरु महेश्वर शिव की असीम दया आदि शक्ति मैया भवानी दीदी नीलम मां की चर्चा निवेदित की। कुछ शिव भक्तों ने अपने नाम की भी घोषणा कराई। आध्यात्मिक परिचर्चा का आयोजन में जिन्होंने अपनी अहम भूमिका निभाई उनमें कुशवाहा मार्केट के वीरेंद्र सिंह, पुनीता जी ,आशा, मुनि बहन, सरिता, रीना देवी इत्यादि। कार्यक्रम का समापन आरती प्रार्थना के साथ साथ उद्घघोष हर हर महादेव के साथ संपन्न हुआ।

मुख्य सचिव द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलाधिकारी के साथ किया गया महत्वपूर्ण बैठक

बैठक में जिला पदाधिकारी दीपक कुमार मिश्र सहित संबंधित विभागीय अधिकारी रहे मौजूद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

सासाराम /रोहतास। सोमवार को मुख्य सचिव, बिहार द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलाधिकारी के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) के प्रभावी क्रियान्वयन, खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित करने, पारदर्शी वितरण व्यवस्था तथा नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने को लेकर समीक्षा की गई। रोहतास समाहरणालय से बैठक में जिला पदाधिकारी दीपक कुमार मिश्र सहित संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत राज्य में निर्धारित सीमा के अंतर्गत 46,93,806 रिक्तियों को भरने के लिए 11,04,425 नए राशन कार्ड जारी किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। रोहतास जिले के लिए 13 अगस्त 2026 तक 29,586 नए राशन कार्ड जारी करने का लक्ष्य तय किया गया है। इस लक्ष्य को समय पर पूरा करने के लिए प्रतिदिन 980 नए राशन कार्ड जारी करने का निर्देश दिया गया है।....

गुप्ताधाम के रास्ते झरने में नहाने के क्रम में 18 वर्षीय युवक की डूबने से हुई मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

चेनारी। रोहतास जिला के चेनारी प्रखंड अन्तर्गत कैमूर पहाड़ियों के मनमोहक वादियों में स्थित प्रसिद्ध गुप्ताधाम के रास्ते में सोमवार को करीब दोपहर 2 बजे दिन में झरने में नहाने के क्रम में पैर फिसलने के कारण गहरे पानी में डूबने से एक 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई है मृतक की पहचान कैमूर जिला के कुदरा थाना क्षेत्र अंतर्गत सकरी लालापुर गांव निवासी स्वर्गीय भुवनेश्वर राम के 18 वर्षीय पुत्र निक्की कुमार के रूप में हुई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि निक्की कुमार अपने दोस्तों के साथ गुप्ताधाम दर्शन करने जा रहा था। तभी रास्ते

में स्थित झरने में नहाने लगा। नहाने के क्रम में पैर फिसलने से वह गहरा पानी में चला गया और डूबने लगा। दोस्तों एवं आसपास के लोगों द्वारा उसे बचाने की पूरी कोशिश की गई लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका और गहरे पानी में डूबने से निक्की की मौत हो गई। इस हादसे के कारण आसपास आफरा- तफरी का महौल हो गया। मृतक के परिजन को जैसे ही खबर मिली पूरे परिवार में कोहराम मच गई।

प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) राहुल कुमार सिंह के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

काराकाट /रोहतास। प्रखंड क्षेत्र के गोडारी स्थित बीस सूत्री कार्यालय में सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) राहुल कुमार सिंह के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उन्हें फूल-मालाओं, अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर भावभीनी विदाई दी तथा उनके कार्यकाल की सराहना की। समारोह की अध्यक्षता बीस सूत्री अध्यक्ष सुरेश कुमार गुप्ता ने की। उन्होंने कहा कि राहुल कुमार सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और

संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए प्रखंड के विकास को नई गति दी। उन्होंने जनहित से जुड़े मामलों के त्वरित निष्पादन और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने का सफल प्रयास किया, जिसकी क्षेत्र की जनता सदैव सराहना करेगी। बीस सूत्री उपाध्यक्ष आशुतोष सिंह ने भी उनके कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों और आम लोगों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह के दौरान समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने बारी-बारी से उन्हें सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अंचलाधिकारी डॉ. रितेश कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने राहुल कुमार सिंह के प्रशासनिक कार्यों एवं व्यवहार की सराहना करते हुए उनके आगामी दायित्वों के लिए शुभकामनाएं दीं।

समारोह में बीस सूत्री सदस्य जयशंकर सिंह पटेल, वीरेंद्र कुशवाहा, ललित मोहन सिंह, विनोद पासवान, दिनेश कुमार चंद्रवंशी, अजीत सिंह, रमाशंकर सिंह, ज्ञानती देवी, राजेंद्र पाल, अनिल कुमार पासवान, अनिल कुमार सिंह, जनार्दन यादव, राहुल कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

डीआरडीए सभागार में डीएम दीपक कुमार मिश्र की अध्यक्षता में साप्ताहिक समन्वय बैठक किया गया आयोजित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

सासाराम/ रोहतास। समाहरणालय स्थित डीआरडीए सभागार में जिला पदाधिकारी रोहतास दीपक कुमार मिश्र की अध्यक्षता में साप्ताहिक समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी विभागों के लंबित कार्यों, अंतर्विभागीय समन्वय तथा विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिला पदाधिकारी के द्वारा उक्त समीक्षा बैठक में सर्वप्रथम विधि शाखा से प्राप्त प्रतिवेदन में लंबित CWJC/MJC वादों के निष्पादन की समीक्षा की गई। जिसमें अनुमंडल पदाधिकारी, सासाराम, जिला सहकारिता पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी आदि से लंबित उक्त सीडब्लूजेसी/एमजेसी (CWJC/MJC) वादों में माननीय न्यायालय में प्रतिशपथ दायर करने हेतु निर्देशित किया गया।

छात्रावास विवाद की जांच करने पहुंचे अतिरिक्त सचिव, डीडब्ल्यूओ बोले— नहीं होने देंगे मामले का राजनीतिकरण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय सह +2 विद्यालय, रजौली में छात्रावास विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। छात्रावास से निष्कासित 16 छात्रों ने अन्य छात्रों के साथ नवादा समाहरणालय से पटना के आर ब्लॉक तक प्रदर्शन किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए विभाग के अतिरिक्त सचिव गौतम पासवान ने जिला कल्याण पदाधिकारी राजीव रंजन कुमार के साथ विद्यालय पहुंचकर जांच की।

अधिकारियों ने छात्रावास के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों से अलग-अलग बातचीत कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। जांच रिपोर्ट विभाग को सौंपी जाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। इस दौरान जिला परिषद अध्यक्षा पुष्पा देवी ने भी विद्यालय पहुंचकर मामले की जानकारी ली।

जिला कल्याण पदाधिकारी राजीव रंजन कुमार ने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस विवाद को राजनीतिक रंग देने के किसी भी प्रयास को सफल नहीं होने दिया जाएगा। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि गुरुवार को बारहवीं कक्षा के कुछ छात्रों पर जूनियर छात्रों के मेस में घुसकर मारपीट, छीना-झपटी और अनुशासनहीनता फैलाने का आरोप लगा था। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार स्थिति बिगड़ने पर पुलिस बुलानी पड़ी और बाद में 16 छात्रों को छात्रावास से निष्कासित कर घर से पढ़ाई करने का निर्देश दिया गया। वहीं निष्कासित छात्रों ने विद्यालय प्रबंधन और अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

फिरोज अख्तर ने जिला में अपर समाहर्ता पद पर किया योगदान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कटिहार। 42वें बीपीएससी के फिरोज अख्तर ने कटिहार जिला में अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) पद पर विधिवत योगदान कर लिये हैं। इनके अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) पद पर योगदान करने से जिले वासियों में हर्ष व्याप्त है।विभागीय पदाधिकारी एवं कर्मचारियों ने अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) फिरोज अख्तर का स्वागत किया। मालूम हो कि फिरोज अख्तर 42 वें बीपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर उप समाहर्ता बने।उन्होंने 2000 में रोहतास जिले में प्रशिक्षण उपसमाहर्ता पद पर योगदान किया।2002 से 2006 तक छपरा जिले के मढौरा अनुमंडल में कार्यपालक दंडाधिकारी रहे।2006 से 2009 तक बक्सर जिले के सिमरी

प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी रहे।2009 से 2010 तक कटिहार जिले के बारसोई प्रखंड

- विभागीय कर्मियों ने अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) का किया स्वागत
- सरकारी नियम के तहत जरूरतमंद लोग को लाभ दिलाना होगी पहली प्राथमिकता : फिरोज अख्तर

में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी रहे। 2010 से 2014 तक कटिहार में वरीय उपसमाहर्ता सह डीएम के ओएसडी रहे। 2014 से 2015 तक गया जिले में उप समाहर्ता रहे। 2015 से 2018 तक कटिहार जिले के बारसोई अनुमंडल में अनुमंडल पदाधिकारी पद पर रहे।2018 से 19 तक किशनगंज में अनुमंडल पदाधिकारी रहे। 2019 से 20 तक बांका में जिला परिवहन पदाधिकारी रहे। 2020 से 23 तक भागलपुर में जिला परिवहन पदाधिकारी रहे। 2023 से 24 तक कटिहार में अपर समाहर्ता सह जिला लोक निवारण पदाधिकारी रहे।2024 से 2026 मुजफ्फरपुर में बंदोबस्त पदाधिकारी के रूप में रहे।

11 जुलाई 2026 को फिरोज अख्तर ने कटिहार में अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) के रूप में विधिवत रूप से योगदान कर लिया है। अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) फिरोज अख्तर ने एक विशेष भेट में कहा कि कटिहार जिले में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में हर तरह के जरूरतमंद लोगों को सरकारी लाभ पहुंचाएंगे। सरकारी नियम के तहत जरूरतमंद लोग को विभागीय प्रोसेस के तहत लाभ दिलाने में मेरी पहली प्राथमिकता होगी। जरूरतमंद लोगों को किसी भी प्रकार की आपदा प्रबंधन से संबंधित कार्य हो तो कार्य दिवस में मेरे कार्यालय में स्वयं मिलकर अपनी समस्या लिखित दे सकते हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

बारिश से एनएच-27 पर जलभराव

अररिया। अररिया में पिछले दो-तीन दिनों से हो रही रुक-रुक कर बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। सोमवार को शहर से गुजरने वाले एनएच-27 के उबर खाबर क्षेत्र में पानी भर जाने से यातायात बाधित हो गया। सड़क पर जमा पानी के कारण गड्ढों की गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो रहा था, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ गया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यातायात पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला। पुलिस अधिकारियों ने त्वरित संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के अधिकारियों को इसकी सूचना दी।

गड्ढों को भरने का काम तेजी से चल रहा: सूचना मिलते ही NHAI की टीम मौके पर पहुंची और सड़क मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया। NHAI कर्मचारियों ने बताया कि गड्ढों को भरने का काम तेजी से चल रहा है और उम्मीद है कि अगले दो से तीन घंटे में मरम्मत पूरी कर यातायात को सामान्य कर दिया जाएगा। इस दौरान यातायात पुलिस के जवान पूरे क्षेत्र में तैनात रहे। उन्होंने वैकल्पिक मार्गों से आने-जाने वाले वाहनों को धीमी गति से और सावधानीपूर्वक निकालने में मदद की। यात्रियों को भी सड़क के किनारे से गुजरने की सलाह दी गई ताकि किसी भी दुर्घटना से बचा जा सके।

संयुक्त कार्रवाई से यातायात जल्द सामान्य होने की उम्मीद: अररिया जिले में NH-27 पर बारिश के कारण पानी भरने की समस्या अक्सर देखी जाती रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, भारी बारिश में यह खंड, खासकर उबर खाबर क्षेत्र, संवेदनशील रहता है और अक्सर यातायात बाधित होता है। यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। ड्राइवरों से धीमी गति से वाहन चलाने और यातायात पुलिस के निर्देशों का पालन करने का अनुरोध किया गया है। स्थानीय प्रशासन और NHAI की संयुक्त कार्रवाई से यातायात जल्द सामान्य होने की उम्मीद है।

वार्डन रिंकू मौत मामले में दोबारा जांच आज से शुरू

बेगूसराय। बेगूसराय के वीरपुर थाना क्षेत्र के मुजफ्फरा कस्तुरबा विद्यालय के वार्डन रिंकू कुमारी की 2021 में हुई संदिग्ध मौत मामले में नए सिरे से जांच होगी। पटना हाईकोर्ट के निर्देश पर मगध क्षेत्र के आईजी विकास वैभव के नेतृत्व में इस मामले की उच्च स्तरीय जांच के लिए गठित विशेष अनुसंधान दल (SIT) आज(13 जुलाई 2026) से अपनी कार्रवाई शुरू करेगी।

हाई कोर्ट के आदेश पर गठित हुई SIT: रिंकू की मौत का रहस्य 5 साल बाद भी नहीं सुलझा है। हाईकोर्ट ने 8 अप्रैल 2026 की सुनवाई के दौरान स्थानीय पुलिस की जांच पर सवाल उठाए और केस की जांच नए सिरे से करने के आदेश दिए। अब जांच शुरुआत से होगी। इसके लिए आईजी विकास वैभव को जिम्मा सौंपा गया है। हाईकोर्ट ने माना कि बेगूसराय पुलिस के निचले स्तर के अधिकारी इस मामले में न्याय नहीं कर सकते। विकास वैभव को कोर्ट ने खुली छूट दी है कि वे अपनी टीम खुद चुनें और बेगूसराय पुलिस को सख्त निर्देश दिया है कि वे विकास वैभव की टीम को हर संभव सहयोग दें।

SIT टीम में शामिल अधिकारी: SIT में बेगूसराय क्षेत्र के पुलिस उप-महानिरीक्षक (DIG) शैलेश कुमार सिन्हा, विशेष निगरानी इकाई पटना के डीएसपी अशोक झा, बगहा के एसडीपीओ निहार भूषण, मुजफ्फरपुर पूर्वी के एसडीपीओ अलय वत्स, पटना जिलाबल के पुलिस निरीक्षक कुमार अभिनव और बेगूसराय जिलाबल के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी शामिल हैं।

कैंप कार्यालय में बड़ी बैठक, घटनास्थल का होगा दौरा: आईजी विकास वैभव बेगूसराय पहुंच चुके हैं। सोमवार को कैंप कार्यालय में SIT के सभी सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक करेंगे। इस बैठक में अब तक के अनुसंधान की प्रगति, उपलब्ध वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों और दस्तावेजों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। इसके बाद घटनास्थल का भ्रमण कर मामले से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं का अवलोकन करेंगे, जिससे निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जा सके।

DIG कार्यालय बना कैंप ऑफिस, IG विकास वैभव की जनता से अपील: मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए बेगूसराय DIG कार्यालय को इस जांच का आधिकारिक कैंप कार्यालय बनाया गया है। आईजी विकास वैभव ने बताया कि हमारी टीम उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार कांड का फिर से अनुसंधान शुरू कर रही है। आम जनता से अनुरोध है कि अगर किसी के पास इस मामले से जुड़े कोई भी तथ्य, जानकारी या साक्ष्य उपलब्ध हैं, तो वे बेगूसराय स्थित DIG कार्यालय में आकर मुझसे या टीम से मुलाकात कर सकते हैं।

बड़े खुलासे की उम्मीद: फिलहाल मृतका की पुत्री तेजस्विनी की अपील पर हाई कोर्ट की इस सख्ती और आईजी विकास वैभव के नेतृत्व में अनुसंधान के बाद अब वीरपुर कांड में बड़े खुलासे होने की उम्मीद जताई जा रही है। पुलिस विभाग इस पूरे मामले को पूरी तरह पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से सुलझाने में जुट गया है।

सुबह गई स्कूल, दोपहर में मिली मौत की सूचना: 4 अप्रैल 2021 की सुबह रिंकू कुमारी अपने घर असुरारी से स्कूल के लिए निकली थी। दोपहर करीब 2 बजे उनकी बेटी तेजस्विनी को उनकी मौत की सूचना मिली। जब परिजन स्कूल पहुंचे, तो रिंकू कुमारी का शव फर्श पर पड़ा था। पुलिस और स्थानीय लोगों ने उन्हें मोबाइल में वे तस्वीरें दिखाई, जिनमें शव पंखे से लटका हुआ था। लेकिन शरीर धूल और मिट्टी से सना था तथा पैर जमीन को छू रहे थे। परिजनों ने इसे हत्या बताया, जबकि पुलिस आत्महत्या का रूप देने में जुटी रही।

बेटी का आरोप- दबाव में बदली गई FIR: याचिकाकर्ता तेजस्विनी कुमारी ने कोर्ट को बताया कि वह प्राथमिकी दर्ज कराने वीरपुर थाना पहुंची तो तत्कालीन थाना प्रभारी ने उनके बताए संदिग्धों कौशल कुमार और रोहित कुमार के खिलाफ नामजद FIR दर्ज करने से मना कर दिया। पुलिस ने अपनी मर्जी से आवेदन लिखवाया और उस पर तेजस्विनी के हस्ताक्षर लिए। तेजस्विनी का कहना है कि आरोपी उनके पड़ोसी हैं और उन्होंने उसकी मां से जमीन के नाम पर 15 लाख रुपए लिए थे।

मौत से पहले लिखा था दो पेज का लेटर: रिंकू ने मौत से पहले 2 पेज का एक लेटर लिखा था। कौशल के नाम से लिखे गए इस लेटर में उसने कहा था कि किस तरीके से 15 लाख रुपए का जुगाड़ करके दिया था। किस-किस से कैसे पैसे लिए थे और अब पैसा लौटाना कितनी मजबूरी है। कौशल ने 4 अप्रैल 2021 को ही पैसे लौटाने का वादा किया गया था, लेकिन उसी दिन रिंकू की संदिग्ध मौत हो गई। कोर्ट ने पाया कि स्थानीय पुलिस की जांच में कई बड़े झोल थे, जिन्हें नजरअंदाज किया गया।

साढ़े पांच घंटा बंद क्यों रहा CCTV: जस्टिस संदीप कुमार ने अपने आदेश में पुलिस की जांच को पूरी तरह से एकतरफा और संदिग्ध बताया। घटना के दिन स्कूल के सीसीटीवी कैमरे सुबह 7:57 बजे बंद हो गए और ठीक दोपहर 1:45 बजे (जब शव बरामद हुआ) फिर से चालू हो गए। पुलिस ने कभी यह नहीं पूछा कि साढ़े पांच घंटे कैमरे बंद क्यों थे, क्या कोई साक्ष्य मिटाया जा रहा था।

कंटेनर से करोड़ों रूपये का मोबाइल गायब करने वाला मास्टरमाइंड गिरफ्तार

अररिया। नोएडा से असम के लिए चली कंटेनर से करोड़ों रुपयों के गायब मोबाइल और पार्ट्स मामले में अररिया पुलिस ने पूरे मामले के मास्टर माइंड को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। अररिया पुलिस ने हरियाणा नूह से इस कांड के मास्टरमाइंड मो. नईम पिता अख्तर हुसैन को गिरफ्तार किया है। पुलिस करीब तीन करोड़ रुपये मूल्य के 620 पीस मोबाइल के साथ 6.97 लाख रुपये नगद बरामद किया। यही नहीं घटना में प्रयुक्त डाक पार्सल लिखा एक कंटेनर व एक स्कॉर्पियो वाहन भी जब्त किया गया है। रविवार रात को नगर थाना में एसडीपीओ सुशील कुमार ने कहा कि नोएडा से गुवाहाटी के लिए चले एक कंटेनर से करोड़ों रुपए मूल्य के मोबाइल व मोबाइल पार्ट्स गायब होने के मामले में अररिया पुलिस को एक बार फिर बड़ी कामयाबी मिली है। इस कांड के मास्टरमाइंड हरियाणा नूह के मो. नईम को गिरफ्तार किया गया है। उनकी निशानदेही पर ओप्पो व वनप्लस कंपनी की 620 मोबाइल के साथ 6 लाख 97 हजार रुपए नगद बरामद किया गया है। घटना में प्रयुक्त डाक पार्सल लिखा कंटेनर व स्कॉर्पियो जप्त किया गया है। इस कांड के एक और मास्टरमाइंड की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की एक टीम हरियाणा में कैंप कर रही है।

एयरपोर्ट के आसपास बने 845 मकान मालिकों को नोटिस

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर एयरपोर्ट के आसपास बने 845 मकान मालिकों को नगर निगम ने ऊंचाई मानकों पर नोटिस जारी किया है। जिसके बाद यहां रह रहे लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। निगम कार्यालय पहुंचकर हंगामा किया। करीब 10 मिनट तक जमकर नारेबाजी की। इस संबंध में नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्रशासन की ओर से मकानों की ऊंचाई को लेकर जो कार्रवाई की जा रही है, उससे सैकड़ों परिवारों के सामने बेघर होने का खतरा पैदा हो गया है। पिछले कई दशकों से एयरपोर्ट के आसपास के इलाके में रह रहे हैं। अब अचानक उन्हें मकानों का नक्शा प्रस्तुत करने और निर्धारित ऊंचाई से अधिक निर्माण होने पर कार्रवाई की चेतावनी दी जा

रही है। उन्हें 14 जुलाई तक नगर निगम बुलाया गया है। निर्धारित समय में कागजात नहीं देने या नियमों का पालन नहीं करने पर एक सप्ताह के भीतर मकान तोड़ने की बात कही जा रही है।

लोगों में भय और असमंजस का माहौल: स्थानीय निवासी मुकेश मिश्रा ने बताया कि प्रारंभिक सर्वे में करीब 800 से 850 मकानों को चिन्हित किया गया है। उनका आरोप है कि पहले चरण में इतने लोगों को नोटिस दिया गया है और आगे यह संख्या बढ़ सकती है। इससे पूरे इलाके के लोगों में भय और असमंजस का माहौल है। वर्षों पहले भागलपुर एयरपोर्ट की योजना स्थगित होने के बाद सुल्तानगंज में एयरपोर्ट निर्माण की बात सामने आई थी। ऐसे में अगर एयरपोर्ट सुल्तानगंज में बनना है तो भागलपुर शहर में एयरपोर्ट बायलॉज लागू कर मकानों की ऊंचाई पर रोक लगाने का औचित्य समझ से परे है।

कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग: प्रदर्शनकारियों ने नगर आयुक्त से मांग की कि इस पूरी प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए और स्थानीय लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन बिना स्पष्ट नीति और उचित कारण के आम लोगों के मकानों पर कार्रवाई स्वीकार नहीं करेंगे।

नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन: नगर निगम कार्यालय में प्रदर्शन के दौरान कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। हालांकि बाद में अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से ज्ञापन लेकर उनकी मांगों पर नियमानुसार विचार करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हो गया।

दो बाइकों की जोरदार टक्कर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया। अररिया-बहादुरगंज मार्ग पर बैरियर चौक के पास दो बाइकों की जोरदार टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान जोकीहाट प्रखंड के चोकता वार्ड संख्या 09 निवासी 44 वर्षीय नबी हसन के रूप में हुई है। इस दुर्घटना में उनके बेटे दिलशाद को मामूली चोटें आई हैं। यह घटना सोमवार दोपहर करीब 2 बजे हुई। नबी हसन अपने बेटे दिलशाद के साथ बाइक से अररिया शहर में इलाज के लिए जा रहे थे। बैरियर चौक पर मोड़ लेते समय एक तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे नबी हसन गंभीर रूप से घायल हो गए।

दोनों घायलों को सदर अस्पताल अररिया पहुंचाया गया: स्थानीय लोगों और डायल 112 पुलिस की त्वरित मदद से दोनों घायलों को सदर अस्पताल अररिया पहुंचाया गया। अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद नबी हसन को मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई अब्बूजर ने बताया कि नबी हसन अपने बेटे दिलशाद को डॉक्टर को दिखाने के लिए अररिया ले जा रहे थे। रास्ते में बैरियर चौक पर मोड़ लेते समय एक तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे उनके भाई की मौत हो गई। यातायात थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार वाहनों के कारण दुर्घटनाएं होती रहती हैं: यह दुर्घटना अररिया-बहादुरगंज मार्ग पर सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े करती है। इस मार्ग पर अक्सर तेज रफ्तार वाहनों के कारण दुर्घटनाएं होती रहती हैं। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से इस मार्ग पर सख्त निगरानी, स्पीड ब्रेकर लगाने और बैरियर चौक पर बेहतर यातायात प्रबंधन की मांग की है।

मंदिर से 24 किलो चांदी की चोरी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में काली मंदिर से रविवार देर रात चोरी हुई। चोर मां काली की चांदी की प्रतिमा लेकर फरार हो गए। जिसका वजन 11 किलो था। इसके अलावा 8 किलो के 11 पीस चांदी के झाप और दो चांदी के मुकुट भी ले गए। दोनों मुकुट का वजन करीब 5 किलो था। चोरी करीब 24 किलो चांदी चुराकर ले गए। सोमवार की सुबह जब पुजारी पहुंचे तो उन्होंने मंदिर का ताला टूटा हुआ देखा। अंदर जाने पर मां काली की प्रतिमा और चांदी के आभूषण गायब मिले। घटना नाथनगर थाना क्षेत्र शाहपुर गांव की है।

रात करीब पौने 2 बजे मंदिर में पहुंचा चोर: घटना की सूचना मिलने के बाद मंदिर समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुटे। मंदिर में लगे सीसीटीवी की फुटेज में पूरी वारदात कैद हो गई है। फुटेज के अनुसार रात करीब 1:45 बजे एक संदिग्ध

युवक मंदिर परिसर में आते दिख रहा है। पहले उसने मुख्य गेट का ताला तोड़ने की कोशिश की, लेकिन नहीं टूटने पर बालकनी के रास्ते मंदिर के अंदर घुस गया। इसके बाद उसने मां काली की प्रतिमा और चांदी के आभूषण चोरी किए और मौके से फरार हो गया।

सीसीटीवी में ऑटो भी दिखा: पास के एक मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में आरोपी भागता हुआ दिखाई दे रहा है। फुटेज में एक हरे रंग का सीएनजी ऑटो भी नजर आया है। आशंका जताई जा रही है कि चोर उसी वाहन से आया और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया।

डीआईयू-एफएसएल जांच के लिए पहुंची: घटना की सूचना मिलते ही नाथनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जांच शुरू कर दी। अपर थाना अध्यक्ष नईम अहमद ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआईयू, एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर चोरों की पहचान करने में जुटी है।

सैलरी, ईपीएफ-ईएसआईसी भुगतान की मांग पर प्रदर्शन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर नगर निगम में कर संग्रहण (टैक्स कलेक्शन) का काम कर रही निजी कंपनी के कर्मचारियों और कर संग्रहकों का सब्र आखिरकार जवाब दे गया। कई महीनों से लंबित वेतन और ईपीएफ-ईएसआईसी का भुगतान नहीं होने से नाराज कर्मचारियों ने सोमवार को स्मार्ट सिटी भवन में तालाबंदी कर प्रदर्शन किया। तालाबंदी के साथ ही कर संग्रहकों ने मांगें पूरी होने तक कार्य बहिष्कार करते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर दी है, जिससे नगर निगम के राजस्व वसूली का काम पूरी तरह ठप होने की आशंका गहरा गई है। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का आरोप है कि वे पिछले कई महीनों से बिना वेतन के काम करने को मजबूर हैं। आम कर संग्रहकों का पिछले 9 से 10 महीनों का वेतन बकाया है, जबकि कुछ टीम लीडर्स को पिछले एक साल से मानदेय

नहीं मिला है। इसके अलावा, मार्च 2023 या उसके बाद नियुक्त हुए कर्मचारियों के भविष्य निधि (PF) और ईएसआईसी (ESIC) खाते में अब तक लगभग 40 महीनों से एक भी रुपया जमा नहीं किया गया है। कर्मचारियों का कहना है कि वेतन न मिलने के कारण उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट हो गया है। निगम और कंपनी के बीच फंसे कर्मचारी कर्मचारी लीडर मोहम्मद असफाक दयाल ने बताया कि वे अपनी इस बदहाली को लेकर नगर आयुक्त से 3 बार लिखित आवेदन के माध्यम से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिला। नगर निगम प्रशासन का कहना है कि संबंधित निजी कंपनी की ओर से पूरे दस्तावेज (पेपर) सबमिट नहीं किए जाने के कारण पिछले 6 महीनों से कंपनी का कमीशन होल्ड (रोक) पर रखा गया है। वहीं दूसरी ओर, कंपनी इस कार्रवाई का आड़ लेकर सभी छोटे कर्मचारियों का वेतन दबाकर बैठी है।

पथ निर्माण मंत्री ने क्षतिग्रस्त विक्रमशिला सेतु का किया निरीक्षण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री इंजीनियर कुमार शैलेंद्र ने सोमवार सुबह विक्रमशिला सेतु पर चल रहे पुनर्स्थापन और मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के अंदर सभी कार्य हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अधिकारियों से मरम्मत कार्य की वर्तमान स्थिति, तकनीकी प्रक्रिया और आगे की कार्य योजना की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि विक्रमशिला सेतु के पुनर्स्थापन एवं मरम्मत का कार्य 30 नवंबर 2026 तक हर हाल में पूरा किया जाए। किसी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी

स्वीकार नहीं की जाएगी।

तकनीकी मानकों का पालन करने का निर्देश: मंत्री ने डिस्मेंटलिंग के लिए किए जा रहे स्टेजिंग कार्य की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि यह कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों और तय समय-सीमा के अनुरूप पूरा किया जाए, ताकि आगे की प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। सभी तकनीकी मानकों का पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए।

कार्य प्रगति की लगातार की जा रही समीक्षा: निरीक्षण के दौरान पथ निर्माण मंत्री ने आगामी चरण में बेली ब्रिज को सुरक्षित हटाने की प्रक्रिया को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए बॉर्डर रोड्स ऑर्गेनाइजेशन (BRO) के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए, जिससे तकनीकी कार्य सुरक्षित और समयबद्ध तरीके से पूरा हो सके। अधिकारियों से नियमित मॉनिटरिंग करने और कार्य की प्रगति की लगातार समीक्षा करने को भी कहा।

प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा काम: मंत्री इंजीनियर कुमार शैलेंद्र ने कहा कि विक्रमशिला सेतु भागलपुर सहित कोसी और सीमांचल क्षेत्र के लाखों लोगों की जीवनरेखा है। इसलिए इसकी मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता आम लोगों को सुरक्षित, सुगम और बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना है। इसी उद्देश्य से विभाग पूरी गंभीरता और गुणवत्ता के साथ कार्य करा रहा है। निरीक्षण के दौरान विभागीय अधिकारी, अभियंता और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो राम मंदिर मामले की जांच

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय व्यवहार न्यायालय के सीजेएम कोर्ट में सोमवार को तत्कालीन सीपीआई के प्रत्याशी और वर्तमान में कांग्रेस नेता डॉ. कन्हैया कुमार पहुंचे। आचार संहिता उल्लंघन के मामले में वे हाजिर हुए। कन्हैया कुमार के आने की सूचना पर बड़ी संख्या में उनके समर्थकों की भी जुटी हुई थी। कन्हैया कुमार ने सत्ताधारी दल पर संविधान की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाया। इसके साथ ही कन्हैया कुमार अयोध्या राम मंदिर में चोरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि बिहार का दुर्भाग्य है कि अपराधियों के हाथ में सत्ता चली गई है। कोर्ट ने निकलने के बाद कन्हैया कुमार ने कहा कि मैं भारत का नागरिक हूं और नागरिकों को कभी न कभी न्यायालय आना पड़ता है, मुझे भी आना पड़ा है। 2019 में चुनाव लड़ा था, इस दौरान सरकारी भवन पर मेरा पोस्टर किसी ने चिपका दिया था। आदर्श आचार संहिता के तहत मुझपर मामला दर्ज किया गया था।

मैंने पोस्टर नहीं चिपकाया था: कन्हैया ने कहा कि मेरे ऊपर लगे आरोप निराधार हैं। मैं पोस्टर चिपकाने नहीं गया था। उम्मीद है कि माननीय न्यायालय से उचित फैसला दिया जाएगा। विपक्ष के लोगों पर आचार संहिता उल्लंघन का आरोप लगाते रहता है। लेकिन जो लोग सत्ता में बैठे हुए हैं, वह रोज उल्लंघन कर रहे हैं। संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं, उन पर कोई आरोप नहीं लगता है। कन्हैया के वकील प्रमोद कुमार ने बताया कि आचार संहिता उल्लंघन का मामला था। उसी में आज जमानत कराने के लिए कन्हैया कुमार कोर्ट आए हुए थे। धारा-188, 171 और बिहार संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत मामला दर्ज था। आरोप है की 2019 के लोकसभा चुनाव के प्रत्याशी कन्हैया कुमार का पोस्टर बछवाड़ा थाना क्षेत्र के रुदौली गांव में सार्वजनिक संपत्ति पर चिपका हुआ पाया गया था।

बांकीपुर की जनता बदलाव करेगी: बांकीपुर विधानसभा उप चुनाव को लेकर कन्हैया कुमार कहा कि सभी प्रत्याशी मैदान में हैं। उम्मीद है कि चुनाव निष्पक्ष होगा, बांकीपुर के लोग बदलाव करेंगे। क्योंकि वहां के जो भाजपा के प्रत्याशी चुनाव जीते थे, वह बांकीपुर के लोगों को छोड़कर दिल्ली चले गए हैं। इसलिए उम्मीद है कि बांकीपुर की जनता बदलाव करेगी। कन्हैया कुमार ने कहा है कि बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में एक तरफ अन्याय और दूसरी तरफ न्याय की लड़ाई चल रही है। जो लोग जीते हुए हैं, सत्ता में बैठे हुए हैं, वह लगातार अन्याय कर रहे हैं। भगवान को भी नहीं छोड़ रहे हैं। मंदिर का चढ़ावा चोरी कर रहे हैं। बांकीपुर की लड़ाई में उम्मीद है कि न्याय की जीत होगी।

बिहार में अपराधी ही सरकार चला रहे हैं: राम मंदिर दान चोरी को लेकर कन्हैया कुमार ने कहा कि हम मांग रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में राम मंदिर चंदा चोरी की जांच हो। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से मंदिर निर्माण हुआ है। मंदिर में जो चोरी का मामला है, वह महापाप है, इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में ही जांच होनी चाहिए। बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर कन्हैया कुमार ने कहा कि बिहार में अपराधी ही सरकार चला रहे हैं। यह बिहार का दुर्भाग्य है कि अपराधियों के हाथ में सत्ता चली गई है। इसलिए बिहार की जनता परेशान है, कोई दिन ऐसा नहीं बीत रहा, जब क्राइम नहीं हो रहा है। आज अपराधियों का ही बोल वाला है, अपराधी ही सरकार चला रहे हैं।

एक्साइज सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में सेटिंग फेल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय के एसके महिला कॉलेज परीक्षा केंद्र पर एक्साइज सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा के दौरान एक बड़े परीक्षा माफिया नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। चौंकाने वाली बात यह है कि परीक्षा में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए नियुक्त की गई बायोमेट्रिक कंपनी के कर्मचारी ही इस धांधली के सूत्रधार निकले। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर जांच में जुट गई है।

कैसे खुला सेटर का राज: प्राथमिकी एसके महिला कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विमल कुमार ने दर्ज कराया है। मिली जानकारी के अनुसार 12 मई को परीक्षा शुरू होने के कुछ समय बाद ही बायोमेट्रिक हाजिरी दर्ज करने वाले दो कर्मियों की गतिविधियां संदिग्ध पाई गई। शक होने पर जब कॉलेज प्रशासन और पुलिस टीम ने दोनों युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो परत-दर-परत इस साजिश का खुलासा हुआ।

फर्जी आधार कार्ड का खेल: शुरुआती पूछताछ में युवकों ने अपनी पहचान मणि कुमार (पिता- संजय यादव, घर- वीरपुर, बेगूसराय) और दिलखुश कुमार (पिता- बबलू राय, घर- सुजानपुर, बेगूसराय) बताया था। उन्होंने खुद

को साइनोसौर कंपनी का सीटीओ हेड और ऑपरेटर बताया। कड़ाई से पूछताछ में मणि कुमार का असली नाम अजय कुमार (पिता- मनोहर यादव, घर- इतहरी, जिला- सहरसा) और दिलखुश कुमार का असली नाम आशीष कुमार (पिता- ओमप्रकाश साह, घर- रहीमपुर, जिला- खगड़िया) निकला। आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्हें यह फर्जी आधार कार्ड सौरव नाम के एक व्यक्ति ने परीक्षा केंद्र के भीतर प्रवेश दिलाने के लिए बनाकर दिए थे।

व्हाट्सएप और टैब से चल रहा था सॉल्वर नेटवर्क: प्राचार्य डॉ. विमल कुमार ने बताया कि जब कॉलेज कर्मियों ने आरोपियों का मोबाइल-टैब चेक किया, तो उसमें व्हाट्सएप पर प्रश्नपत्रों और उत्तर कुंजी (आंसर की) के फोटो-वीडियो का आदान-प्रदान पाया गया। आरोपी सौरव आनंद और मिथुन नाम के व्यक्तियों के साथ लगातार संपर्क में थे। जैसे ही कॉलेज प्रशासन ने आरोपियों को पकड़ा, उन्होंने व्हाट्सएप कॉल के जरिए दूसरे जगह पर बैठे अपने साथियों को सचेत कर दिया, जिसके तुरंत बाद मुख्य सर्वर या चैट से सारा डेटा रिमोटली डिलीट कर दिया गया। फिलहाल पुलिस आगे का अनुसंधान करने के साथ गिरोह के उद्भेदन में जुटी हुई है।

मोबाइल और टैबलेट बरामद: सदर-वन डीएसपी आनंद कुमार पांडेय ने बताया कि बायोमेट्रिक कंपनी के सुपरवाइजर और ऑपरेटर के पास से नियमों के खिलाफ जाकर अतिरिक्त मोबाइल और टैबलेट बरामद किए गए। ये लोग परीक्षा केंद्रों में फर्जी तरीके से घुसे थे ताकि परीक्षार्थियों को अनुचित लाभ पहुंचा सके।

पूरे नेटवर्क को खंगाल रही पुलिस: एसके महिला कॉलेज में मद्य निषेध विभाग के सब इंस्पेक्टर रैंक की परीक्षा चल रही थी।। वहां कुछ गड़बड़ी होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद पुलिस की टीम वहां पहुंची तो बायोमेट्रिक कंपनी के सुपरवाइजर और ऑपरेटर को एक्स्ट्रा मोबाइल एवं टैब के साथ पकड़ा गया।

संक्षिप्त समाचार

आहर में डूबने से किसान की मौत

आरा। भोजपुर में आहर में डूबने से बुजुर्ग किसान की मौत हो गई। ननिहाल से वापस लौटते समय हादसा हुआ है। मृतक की पहचान अजीमाबाद के ताराचक निवासी रजिन्द्र सिंह के तौर पर हुई है। घटना नारायणपुर थाना क्षेत्र के चासी गांव की है। परिजनों के मुताबिक शनिवार शाम को घर से निकले थे। ननिहाल में मामा से मिलकर रविवार को वापस घर लौट रहे थे। रास्ते में आहर पार कर रहे थे, इस दौरान पैर फिसलने से गहरे पानी में चले गए। पानी में डूबने से जान चली गई। स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस और परिवार के लोग मौके पर पहुंचे।

घर में मचा कोहरामः सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव सौंप दिया है। परिवार में पत्नी राधिका देवी, दो पुत्र रूपेश कुमार, सुदेश कुमार और पुत्री सोना देवी है। बड़े बेटे उमेश कुमार की मौत कुछ साल पहले बीमारी के कारण हो गई थी। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया है। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

शाहाबाद सिविल सोसाइटी की बैठक में लिए गये कई महत्वपूर्ण निर्णय

आरा। शाहाबाद सिविल सोसाइटी की कार्यसमिति व आमंत्रित सदस्यों की बैठक रविवार को आरा क्लब, आरा में डॉ. शशि कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में शाहाबाद क्षेत्र के सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक व ऐतिहासिक सरोकारों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। साथ ही सर्वसम्मति से कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 29 जुलाई को शाहाबाद के गौरव, स्वतंत्रता सेनानी व पूर्व विधायक स्व. रामजी प्रसाद सिंह की पुण्यतिथि गरिमापूर्ण व भव्य तरीके से आयोजित की जाएगी। बैठक में डॉ. शशि कुमार सिंह को शाहाबाद सिविल सोसाइटी का संस्थापक अध्यक्ष घोषित किया गया। विश्वास व्यक्त किया गया कि उनके नेतृत्व में संस्था शाहाबाद के सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक व बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। भोजपुरी भाषा के संरक्षण, संवर्धन व संवैधानिक मान्यता के प्रश्न पर भी विचार-विमर्श किया गया। समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरुद्ध संगठित, प्रभावी संघर्ष चलाने के लिए भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इस मौके पर डॉ. शशि कुमार सिंह, प्रो. कमल कुमारी व अन्य रहे ।

पीरो नगर परिषद में लाइट्स खराब

आरा| पीरो नगर परिषद क्षेत्र में आरा-सासाराम स्टेट हाइवे पर लगाई गई लाइट्स में एक दर्जन से ज्यादा लाइटें खराब हो चुकी हैं। इन लाइट्स को लगे हुए भी मुश्किल से 6 से 7 महीने हुए हैं। घटिया क्वालिटी के कारण ये लाइट्स खराब हो गई हैं। नगर परिषद पीरो इन खराब लाइट्स को न बदलवा रहा है, न मरम्मत करा रहा है। मेंटेनेंस की जिम्मेदारी नगर परिषद पीरो पर है। नगर परिषद कार्यालय से आग्रह है कि यथाशीघ्र इन खराब लाइट्स को बदल दिया जाए। इससे जनता को अंधेरे में परेशानी का सामना न करना पड़े। लाइट्स लगाने का उद्देश्य पूरा हो सके।

नहीं पूरी हो रही आरा-मुंडेश्वरी धाम रेल परियोजना

आरा| भोजपुर, रोहतास व कैमूर जिले में 147 किलोमीटर लंबी ''आरा-मुंडेश्वरी धाम'' रेल परियोजना पिछले 18 वर्षों से बजट के अभाव में फाइलों में दबी पड़ी है। वर्ष 2008 में इस महत्वाकांक्षी परियोजना का शिलान्यास बड़े जोर-शोर से किया गया था। करीब दो दशक बीत जाने के बाद भी धरातल पर एक इंच काम आगे नहीं बढ़ सका। प्रस्तावित रूट के मुताबिक यह रेल लाइन आरा से शुरू होकर जगदीशपुर, सोनवर्षा, नवागढ़, कोचस, परसथुआ और मोहनिया होते हुए सीधे मां मुंडेश्वरी धाम तक जाएगी। इससे इन तीनों जिलों की बड़ी आबादी को सीधा फायदा मिलना तय है। इस रेल लाइन के शुरू होने से न सिर्फ इलाके के लोगों का आवागमन सुगम होगा, बल्कि आर्थिक और सामाजिक रूप से भी यह क्षेत्र काफी मजबूत होगा। रेलमंत्री से पुरजोर गुहार लगाई गई है। आगामी बजट में इस योजना को प्राथमिकता सूची में शामिल किया जाए। सरकार विशेष फंड आवंटित करे। इस लटकी हुई परियोजना का कार्य जल्द से जल्द धरातल पर शुरू कराया जाए। इससे तीन जिलों के लाखों लोगों का रेल का सपना सच हो सकेगा।

कोईलवर थाने में लंबित कांडों की हुई समीक्षा, अनुसंधान में तेजी लाएं

कोईलवर। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर-2) रणजीत कुमार सिंह ने रविवार को कोईलवर थाना पहुंचकर लंबित कांडों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा बैठक में उन्होंने विभिन्न मामलों की जांच प्रगति की जानकारी ली। अनुसंधान की गति बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक के दौरान एसडीपीओ ने थानाध्यक्ष व सभी अनुसंधानकर्ताओं को निर्देश दिया कि लंबित मामलों का समयबद्ध, निष्पक्ष व गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अनुसंधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रत्येक मामले में विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए दोषियों के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई की जाए। इसके अलावा उन्होंने लंबित कांडों की नियमित मॉनिटरिंग करने, फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने, शिकायतकर्ताओं को न्याय दिलाने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनुसंधान की गुणवत्ता तथा मामलों के त्वरित निष्पादन से ही आम लोगों का पुलिस व्यवस्था पर विश्वास और मजबूत होगा।

जलजमाव से आवागमन प्रभावित, ग्रामीण परेशान

कोईलवर। स्थानीय कोईलवर प्रखंड के कायमनगर के पोस्ट ऑफिस गली में जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं है। इसके कारण बरसात की पहली ही बारिश के बाद गली में जलजमाव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। नालियों का गंदा पानी और वर्षा जल जमा होने से लोगों का आवागमन बाधित हो गया है। स्थानीय लोगों में समस्या के समाधान में हो रही देरी को लेकर नाराजगी है। स्थानीय निवासी व पूर्व उप-प्रमुख शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि लंबे समय से गाद की सफाई नहीं होने के कारण पानी की निकासी बाधित है। इसके चलते हर वर्ष बारिश के मौसम में स्थिति गंभीर हो जाती है। उन्होंने कहा कि जलजमाव के कारण शिव मंदिर, डाकघर और अन्य सार्वजनिक स्थानों तक पहुंचने में लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। गंदा पानी जमा रहने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। इससे डेंगू, मलेरिया और डायरिया जैसी बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। स्थानीय रणजीत कुमार ने बताया कि सरकारी गड्ढे में लगातार नाले का पानी गिरता है। बरसात के दिनों में पानी का ओवरफ्लो होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि पानी निकासी की समस्या पंचायत स्तर से ऊपर संबंधित विभाग और अधिकारियों के संज्ञान में ला दी गई है। यह एक गंभीर समस्या है। इसके स्थायी समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

दुर्गटोला-फरहदा पथ पर शिवपुर के पास पुलिया निर्माण जरूरी

आरा| मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना के तहत बड़हरा प्रखंड में दुर्गटोला-फरहदा पथ पर शिवपुर के पास पुल का निर्माण नहीं हो सका है। कार्य शुरू हुए एक वर्ष बीत गया है। हालात यह हैं कि न नया पुल बन पाया है, न सड़क बन सकी है। इस पथ से सात पंचायतों के लोगों का विशेष आवागमन होता है। पूरे प्रखंड के लोगों का भी आवागमन होता है। करीब 440.44 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 61.41 मीटर लंबे पुल और 211.52 मीटर पहुंच पथ का कार्य 27 मई 2025 को शुरू हुआ था। पूरा करने की तिथि 26 सितंबर 2026 निर्धारित है। अब वर्षा शुरू हो चुकी है। कुछ दिन बाद बाढ़ भी आएगी। इससे क्षेत्र जलमग्न हो जाएगा। इस हालत में दुर्गटोला-फरहदा पथ पर लोगों का आवागमन पूरी तरह बंद हो जाएगा। इसलिए बरसात से पहले ही निर्माण कार्य पूरा होना चाहिए।

जिसने देवर को मारा, उसे रूह कंपाने वाली सजा मिले

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। आरा में भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में गवाही देने के लिए भरत की भाभी और दो विस्थापित न्यायिक जांच आयोग कार्यालय पहुंचे। आयोग के अध्यक्ष हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज विनोद कुमार सिन्हा के सामने अपना पक्ष रखा। भरत की भाभी सुमन देवी ने कहा कि हमलोगों ने अपनी बात रखी है, देखिए आगे क्या होता है। जज ने कहा है कि इंसाफ मिलेगा। मामले में जो भी शामिल हैं डीएसपी-एसएचओ सबके के बारे में मैंने बताया है। देशभक्त को 5 गोलियां मारी गई। इनलोगों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि रूह कांप जाए। फांसी की सजा। करीब डेढ़ घंटे तक पूछताछ हुई।

सरेंडर करने के बाद 50 मीटर दूर ले जाकर मारी गोलीः ग्रामीण सत्यानारायण चौधरी ने कहा कि भरत तिवारी को कैसा मारा गया ये पूछा गया। एसपी-दरोगा ने उसे मारा है। भरत ने तो सरेंडर कर दिया था, फिर उसको 50 मीटर दूर ले जाकर मार दिया गया था। मौके पर प्रशासन के करीब 35 लोग शामिल थे। यही सब जानकारी जज को दिए हैं। आधे घंटे तक पूछताछ हुई है। भरत बहुत अच्छे थे, हमलोगों के लिए उन्होंने अपनी जान दे दी।

सुरक्षा में तैनात रहा पुलिस बलः भोजपुर के बिलौटी गांव में 17 जून को भरत भूषण तिवारी का एनकाउंटर हुआ था। आज सुनवाई को लेकर आयोग कार्यालय परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई थी। परिसर में आने-जाने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही थी।

मां और पिता का बयान दर्जः इससे पहले शनिवार को भरत तिवारी के मां आशा देवी और पिता काशीनाथ तिवारी बयान दर्ज करवाने आयोग कार्याल पहुंचे थे। भरत तिवारी के वकील विष्णुधर पांडेय के मुताबित आयोग के समक्ष माता-पिता का बयान दर्ज हो गया है। आयोग के सामने आशा देवी ने एनकाउंटर की आंखों देखी बात बताई है।

थाने में सुबह से शाम तक क्यों कैद किया गया'ः बयान दर्ज करवाने पहुंचे भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी ने कहा था, 'थाने में मुझे सुबह से लेकर शाम तक कैद रखा गया। उधर, मेरे बेटे के साथ गलत किया गया। पता नहीं कब तक हमें न्याय मिलेगा। भरत की आशा देवी ने कहा कि मेरी गवाही हुई है। आयोग के सामने एसडीएम, डीएसपी, इंस्पेक्टर, एसटीएफ के अक्षय कुमार के नाम लिए है। एक घंटे तक जज से मेरी बात हुई है। देखिए कब तक आरोपियों की गिरफ्तारी होती है। भरत के मोबाइल के बारे में भी अपनी बात रखी है।

गवाहों के बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरूः वकील विष्णुधर पांडेय ने कहा कि फिलहाल न्यायिक जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। अभी सिर्फ माता-पिता का बयान दर्ज किया गया है।

लापता व्यक्ति का मिला शव

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर में लापता व्यक्ति की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। चिमनी के पास शव मिला है। गले पर धारी जैसा निशान पाया गया है। परिजनों ने खिला-पिलाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। मृतक की पहचान गुंडी गांव निवासी द्वारिका प्रसाद(50) के तौर पर हुई है। कुछ दिनों से अपने ससुराल बलुआ गांव में रह रहे थे। घटना कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र की है।

जमीन विवाद में हत्या की आशंकाः मृतक की पत्नी बिंदा देवी ने बताया कि उन्होंने अपने सास-ससुर से अपने हिस्से का एक डिसमिल जमीन मांगा तो उन्होंने देने से इनकार कर दिया। कहा कि तुम्हारा कोई हिस्सा नहीं है। साल 2024 में उन्होंने अपने सास-ससुर पर प्राथमिकी कराई थी। उसी जमीन को लेकर गांव कहीं कुछ लोगों से विवाद चल रहा है। उनलोगों ने कहा कि तुम्हारे ससुर से हमने जमीन खरीद ली है। इस संबंध में थाने में आवेदन भी दिया है। पति के साथ पहले मारपीट भी हुई थी। शनिवार शाम सदर अस्पताल से इलाज कराकर ऑटो से गांव रही थी। वो लोग सरैया

बाजार पर मेरे पति बुला रहे थे, उस समय वो नहीं गए। बाजार में सब्जी लेने के लिए रूक गए, मैं घर आ गई। काफी देर तक मेरे पति घर नहीं लौटे। खोजबीन भी की गई, लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चला। रविवार सुबह चिमनी स्थित चार्ट से उनक शव मिला।

हत्या का लगाया आरोपः बिंदा देवी ने एक डिसमिल जमीन के विवाद को लेकर गुंडी गांव निवासी मुन्ना मियां, साधु मियां, उपेंद्र सिंह सहित पांच लोगों लोगों पर अपने पति को कोल्ड ड्रिंक में जहरीला पदार्थ मिलाकर पिलाने का आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। मृतक के परिवार में पत्नी और तीन पुत्र गोलू , बिट्टू, सोनू है।

सड़क हादसे में वार्ड सदस्य की मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

- ट्रक ने बाइक सवार दंपती को मारी टक्कर, हादसे के बाद ग्रामीणों ने 2 घंटे रोड किया जाम

आरा। भोजपुर में सोमवार को ट्रक ने बाइक सवार वार्ड सदस्य को रौंद दिया। हादसे में उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ड्राइवर ट्रक छोड़कर चला गया। आक्रोशित लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर आरा-मोहनिया नेशनल हाईवे पर कौंरा मठिया गांव के पास 2 घंटे तक रोड जाम कर दिया। जाम के दौरान प्रशासन ने नारेबाजी की। सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी लाइन लगी रही। आवागमन पूरी तरह ठप रहा। सूचना पाकर जगदीशपुर थानाध्यक्ष सुशांत कुमार मंडल पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को समझाने-बुझाने लगे और जाम हटाया। पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया। ट्रक को जब्त कर लिया।

मंदिर में पूजा करने गए थेः जानकारी के अनुसार मृतक उदवंतनगर थाना क्षेत्र के गजराजगंज ओपी अंतर्गत मसाढ़ दक्षिणी टोला गांव निवासी शिवजी यादव के 50 वर्षीय बेटे सह वार्ड सदस्य लालबाबू यादव है। वह पेशे से किसान थे। वे वर्तमान में मसाढ़ पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर-13 के वार्ड सदस्य थे। इधर, मृतक के बेटे सुनील कुमार ने बताया कि सोमवार की सुबह मां चानो देवी के साथ पिता बाइक से चांदी थाना क्षेत्र के बहियारा गांव स्थित बालाजी के मंदिर में पूजा करने गए थे। वापस लौटने के क्रम में हादसा हो गया।

दो बेटे और एक बेटी हैः बताया जाता है कि मृतक अपने 5 भाई व एक बहन में दूसरे स्थान पर थे। उनके परिवार में पत्नी चानो देवी और 2 बेटे अनिल कुमार, सुनील कुमार और एक बेटी प्रीती कुमारी है। उनकी पत्नी जानू देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बामसेफ के क्लस्टर अधिवेशन में निजीकरण के खिलाफ उठी आवाज

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। शहर के जगदेवनगर स्थित अमर शहीद जगदेव प्रसाद शोध संस्थान में रविवार को बामसेफ भोजपुर के तत्वावधान में क्लस्टर अधिवेशन का आयोजन किया गया। इस दौरान देश की वर्तमान सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक व्यवस्था पर बुद्धिजीवियों और प्राध्यापकों ने गंभीर चर्चा की।

निजीकरण पर रोक, समाजवाद की मांगः अधिवेशन के पहले सत्र की शुरुआत 'राष्ट्रीयकरण का पैगाम- निजीकरण पर लगाम' विषय पर चर्चा से हुई। इसकी प्रस्तावना डॉ. उमाशंकर सिंह ने रखी। सत्र का उद्घाटन करते हुए वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के प्राकृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दूधनाथ चौधरी ने कहा कि देश की मौजूदा परिस्थितियों में समस्याओं के समाधान के लिए

सामाजिक संगठनों को आगे आना होगा। पॉलिटिकल साइंस के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. चिंटू ने बाबा साहब डॉ. आंबेडकर के सपनों का भारत बनाने के लिए देशव्यापी जन-जागरण अभियान की आवश्यकता बताई। शिक्षा व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए सजग रचनाकार संघ के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप शर्मा ने बहुजन समाज के बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने की अपील की। वहीं प्रथम सत्र की अध्यक्षता कर रहे राजाराम सिंह प्रियदर्शी ने कहा कि सरकार निजीकरण को बढ़ावा देकर लोकतांत्रिक समाजवाद को समाप्त करना चाहती है। प्रथम सत्र का संचालन डॉ. मनोज कुमार गुप्ता ने किया।

बहुजन एकजुटता से ही संभव है विकासः 'मूलनिवासी बहुजन संगठनों की एकता' विषय पर आधारित दूसरे सत्र का संचालन विभीषण राम ने किया। इस दौरान सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक बंशीधर शर्मा ने कहा कि बहुजन समाज की एकजुटता से ही मूलनिवासियों की समस्याओं का समाधान संभव है।

न्याय के लिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। चर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर की आंच देश की राजधानी दिल्ली तक पहुंच चुकी है। शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में स्थानीय युवक भरत को पुलिस ने 17 जून को एनकाउंटर में मार दिया था। तब से पुलिस और प्रशासन के विरुद्ध लगातार आक्रोश है। इस सिलसिले में पूर्व-घोषित कार्यक्रम के तहत रविवार से नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर परशुराम दल ने भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर कांड में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के आह्वान के साथ सुबह 10 बजे से अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। इस धरने में पूर्व भारतीय एनएसजी कमांडो लक्की बिष्ट खुद शामिल हुए। भरत भूषण तिवारी

एनकाउंटर में शामिल सभी नामजद पुलिसकर्मियों को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए। पीड़ित परिवार को 5 करोड़ की आर्थिक सहायता राशि दी जाए। परिवार के एक सदस्य को अविलंब सरकारी नौकरी दी जाए। डर के साए में जी रहे पीड़ित परिवार को तत्काल पुख्ता सुरक्षा मुहैया कराई जाए। दिवंगत भरत भूषण तिवारी की प्रशासन और सरकार से जो भी पुरानी मांगें थीं, उन्हें तुरंत पूरा किया जाए। आज न्यायिक जांच आयोग में दर्ज होगा भाभी सुमन देवी का बयान एक तरफ दिल्ली में न्याय की हुंकार गूंज रही है। दूसरी तरफ आरा में इस मामले की कानूनी तफ्तीश तेज हो गई है। आरा स्थित न्यायिक जांच आयोग कार्यालय में आज, सोमवार को आयोग के अध्यक्ष विनोद कुमार सिन्हा के समक्ष बड़ी गवाही होगी। आज मृतक भरत भूषण तिवारी की भाभी सुमन देवी के अलावा जवईनिया गांव के रहने वाले मंटू चौधरी और सत्यनारायण चौधरी के आधिकारिक बयान दर्ज किए जाएंगे। इसके ठीक अगले दिन, यानी मंगलवार को मृतक के छोटे भाई चंदन तिवारी का बयान दर्ज होना तय है। आयोग के समक्ष होने वाले इन बयानों पर अब सबकी नजरें टिकी हैं। पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी नहीं होना चिंतनीयः लक्की बिष्ट जिन पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज हुई है, उनकी अब तक गिरफ्तारी नहीं होना चिंता का विषय है। यह एनकाउंटर नहीं, बल्कि पूरी तरह से हत्या है। परिवार को न्याय दिलाने के लिए हम मजबूती से खड़े हैं।"

विज्ञानदेव जी महाराज की संकल्प यात्रा का भोजपुर में होगा स्वागत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। महर्षि सद्गुरु सदाफल देव विहंगम योग संस्थान की ओर से रविवार को महाराजा हाता, जिला सत्संग भवन में सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंच संचालन श्रीकृष्णा प्रसाद ने किया। वक्ताओं ने आध्यात्मिक जीवन में समर्पण, सेवा और गुरु-भक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगामी समर्पण दीप अध्यात्म महोत्सव की तैयारियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। सत्संग को संबोधित करते हुए पिंकी प्रसाद ने कहा कि आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग तभी प्रशस्त होता है। व्यक्ति अपने अहंकार को समाप्त करे। स्वयं को सद्गुरु के चरणों में पूर्ण रूप से समर्पित करे। उन्होंने कहा कि समर्पण और श्रद्धा ही आत्मिक शांति तथा जीवन के वास्तविक उद्देश्य की प्राप्ति का आधार हैं।

वाराणसी में होगा समर्पण दीप अध्यात्म महोत्सवः संस्थान के उप सचिव योगेंद्र सिंह उर्फ टुन्ना सिंह ने बताया कि इस वर्ष भी समर्पण दीप अध्यात्म महोत्सव का आयोजन स्वर्वेद महामंदिर धाम, उमराहां (वाराणसी) में किया जाएगा। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अभी से महोत्सव की तैयारियों में जुटने की अपील की। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को इस आध्यात्मिक आयोजन से जोड़ने का आग्रह किया।

सेवा ही सद्गुरु को प्रसन्न करने का मूल मंत्र : विजय पांडेयः जिला सचिव विजय पांडेय ने कहा कि स्वर्वेद महामंदिर धाम में आयोजित होने वाला यह महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं है। यह सेवा, अनुशासन और समर्पण का महापर्व है। उन्होंने कहा कि सभी साधकों को अभी से सेवा कार्यों के लिए स्वयं को तैयार करना चाहिए। सेवा ही सद्गुरु को प्रसन्न करने का मूल मंत्र है। इसी भावना से प्रत्येक श्रद्धालु को कार्य करना चाहिए।

इनका रहा विशेष सहयोगः कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला मीडिया प्रभारी सुरेश कुमार, डॉ. अंशु सिंह, राजवंश सिंह, कृष्णा राम, अभय सिंह, जयमालती राय, रीता देवी, रून्नी देवी, संगीता देवी, सरिता पाठक, प्रियंका गुप्ता, गुड़ी देवी एवं ललिता देवी सहित अन्य श्रद्धालुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में सभी ने आगामी महोत्सव और संकल्प यात्रा को सफल बनाने के लिए सेवा व समर्पण भाव से कार्य करने का संकल्प लिया। बिहार राज्य समन्वयक सह दक्षिण बिहार महामंत्री भूपेंद्र राय ने कहा कि विहंगम योग का वार्षिकोत्सव और समर्पण दीप अध्यात्म महोत्सव दिसंबर माह में स्वर्वेद महामंदिर धाम, वाराणसी में आयोजित होगा। यह आयोजन संत प्रवर श्री विज्ञानदेव जी महाराज के नेतृत्व में होगा। यह सद्गुरु सदाफल देव जी महाराज के निर्देशन में होगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव में श्रद्धालुओं के समर्पण और सेवा से प्राप्त सहयोग सैनिकों के परिवारों की सहायता, गौ-सेवा तथा गुरुकुल में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शिक्षा जैसे जनकल्याणकारी कार्यों में समर्पित किया जाता है। उन्होंने जानकारी दी कि वार्षिकोत्सव को सफल बनाने के उद्देश्य से संत प्रवर श्री विज्ञानदेव जी महाराज की कन्याकुमारी से कश्मीर तक संकल्प यात्रा 18 जुलाई से प्रारंभ होगी। यात्रा के क्रम में भोजपुर जिले में भी उनका आगमन प्रस्तावित है। इसे लेकर जिले के सभी साधकों और पदाधिकारियों से अभी से तैयारी शुरू करने का आह्वान किया गया। आयोजन को सफल बनाने की अपील की गई।

ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर

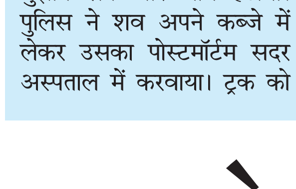

- हादसे में बुजुर्ग महिला की मौत, दूध लाने के लिए जा रही थी, आक्रोशित लोगों ने गाड़ी में तोड़फोड़ की

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में एक महिला की मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग उग्र हो गए। ट्रक में तोड़-फोड़ की गई है। मृतका की पहचान किरण देवी(60) के तौर पर हुई है। घटना उदवंतनगर थाना क्षेत्र की है। मृतका के बेटे मोनू कुमार ने बताया कि बाजार में घर के ही बाहर ही स्टील की दुकान है। मां वहीं पर बैठी हुई थी। इस बीच मैं किसी काम से बाहर चला गया। जाते समय उनको बोला कि आप यहीं बैठिए, मैं थोड़ी देर में आ रहा हूं। काफी देर तक नहीं लौटा तो दूसरे बाइक सवार युवक से लिफ्ट लेकर दक्षिण एकौना दूध लाने जा चली गई। पावर ग्रिड के पास पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी। गाड़ी से नीचे गिरकर जख्मी हो गईं, उन्हें इलाज के लिए अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बाइक चला रहा युवक मामूली रूप से जख्मी हुआ है।

घर में मचा कोहरामः सूचना मिलने के बाद परिवार के सदस्य आरा सदर अस्पताल पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव सौंप दिया। किरण देवी के पति की पहले ही मौत हो गई थी। परिवार में दो बेटे सोनू और मोनू है। मौत के बाद घर में कोहराम मच गया। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

संगठित गिरोह के चार चोर गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेल पुलिस की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। आरा रेलवे स्टेशन पर चलाए गए विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने यात्रियों के सामान पर हाथ साफ करने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने दो महिलाओं समेत चार शातिर चोरों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से सोने का लॉकेट, नकदी, चोरी का मोबाइल समेत कई सामान बरामद हुए हैं। आरपीएफ पोस्ट आरा के निरीक्षक प्रभारी दीपक कुमार एवं जीआरपी थाना के थानाध्यक्ष रंधीर कुमार के नेतृत्व में शनिवार की शाम 11 जुलाई 2026 को संयुक्त टीम का गठन किया गया था। टीम स्टेशन परिसर में संदिग्धों की निगरानी कर रही थी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 3 स्थित आरपीएफ पोस्ट के पीछे चार लोग संदिग्ध अवस्था में घूमते नजर आए। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर चारों को पकड़ लिया। कड़ाई से पूछताछ में उन्होंने रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में चोरी करने वाले संगठित गिरोह का सदस्य होने की बात स्वीकार की। गिरफ्तार आरोपियों में बिहिया की सुरंगा देवी, उम्र लगभग 35 वर्ष, झारखंड राज्य के रजरप्पा की निवासी 25 वर्षीय नेहा देवी, नवादा थाना क्षेत्र के मौलाबाग का निवासी विजय राम, और बक्सर जिले के डुमरांव का निवासी मनजीत माली शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने सोने का लॉकेट, नकदी, और मोबाइल बरामद किया है। इस पूरे मामले में एएसआई प्रमोद कुमार भारती के लिखित आवेदन के आधार पर जीआरपी थाना में सुसंगत धाराओं के तहत कांड दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया और अग्रिम कार्रवाई पूरी कर ली।

संक्षिप्त समाचार

आर्मी जवान का मर्डर करने वाले का एनकाउंटर

हाजीपुर। वैशाली में डबल मर्डर के आरोपी के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई है। एनकाउंटर में आरोपी जगदीश राय के पैर में दो गोली लगी है। जगदीश राय को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जगदीश राय ने रविवार की सुबह रास्ते के विवाद में सेना के एक जवान और उनके पिता की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतकों की पहचान मुनारिक राय (60) और उनके बेटे जितेंद्र कुमार (35) के रूप में हुई थी। डबल मर्डर के बाद जगदीश राय फरार चल रहा था। पुलिस को सूचना मिली को वो पटना के बहादुरपुर इलाके के एक हॉस्टल में छिपा हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। एसपी शुभांक मिश्रा ने बताया कि हमारी टीम जगदीश राय को लेकर पटना से बिदुपुर थाने आ रही थी। जैसे ही पुलिस की गाड़ी सुनसान इलाके में पहुंची जगदीश ने पुलिस की टीम से इंसास राइफल छीन ली और चलती गाड़ी से कूद गया। गाड़ी से कूदने के बाद उसने पुलिस की राइफल से पुलिस की गाड़ी पर फायरिंग शुरू कर दी। दो गोली पुलिस की गाड़ी को चिरती हुई निकल गई। उसके बाद पुलिस ने भी फायरिंग की। पुलिस की दो गोली जगदीश राय के पैर में लगी और वो जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस ने उसके बाद उसे अरेस्ट कर लिया। आरोपी भतीजा जगदीश राय और मुनारिक राय के बीच जमीन को लेकर विवाद था। दोनों एक ही मकान में रहते थे। जगदीश ने अपने चाचा मुनारिका के घर से निकलने का रास्ता कुछ दिनों पहले बंद कर दिया था। जिसके बाद चाचा ने पुलिस से शिकायत की थी। डायल 112 की पुलिस आई थी, लोगों को समझा बुझाकर मामले को शांत कराया था। उस वक्त भतीजे ने रास्ते खाली करने की बात मानी पर रास्ते को खाली नहीं किया था। पड़ोसियों का कहना है कि जितेंद्र के आने के बाद भतीजे जगदीश राय ने फिर से जमीन विवाद को लेकर अपने चाचा से लड़ाई शुरू कर दी। शनिवार की रात में जगदीश राय और मुनारिक राय के बीच विवाद हुआ था। जगदीश राय ने कहा था कि वो मुनारिक राय का मर्डर कर देगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

हाजीपुर। वैशाली के जंदाहा थाना क्षेत्र में देर रात हुए सड़क हादसे में बिदुपुर थाना क्षेत्र के मनियारपुर गांव निवासी एक युवक की मौत हो गई। घटना जंदाहा के गराही स्थित महुआ-नीम चौक के समीप हुई, जहां किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे की जानकारी सुबह उस समय हुई, जब टहलने निकले लोगों ने सड़क किनारे शव पड़ा देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान बिदुपुर थाना क्षेत्र के मनियारपुर गांव निवासी 33 वर्षीय नितेश कुमार सिंह के रूप में हुई है। वह नागेंद्र सिंह के पुत्र थे और तीन भाइयों में मंझले थे। नितेश अविवाहित थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, नितेश महुआ से अपने घर लौट रहे थे। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि वह किसी संबंधी के यहां से वापस आ रहे थे। इसी दौरान रात करीब एक बजे के आसपास महुआ-नीम चौक के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। देर रात होने के कारण किसी को दुर्घटना की जानकारी नहीं मिल सकी। सुबह जब लोग टहलने के लिए निकले तो सड़क किनारे युवक का शव पड़ा देखा। इसके बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई। स्थानीय मुखिया प्रमोद पासवान ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत होता है। उन्होंने बताया कि देर रात हादसा होने के कारण किसी की नजर नहीं पड़ी और सुबह लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर जंदाहा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेजने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। साथ ही अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य साक्ष्यों को खंगाला जा रहा है। नितेश कुमार सिंह की असमय मौत की खबर मिलते ही मनियारपुर गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और अज्ञात वाहन चालक की पहचान कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पिकअप से 10 पशु बरामद, तीन तस्कर गिरफ्तार

हाजीपुर। वैशाली के सराय थाना क्षेत्र के सराय ओवरब्रिज के समीप वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक पिकअप वाहन से कथित तौर पर क्रूरतापूर्वक लादे गए 10 पशुओं को बरामद किया। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने पिकअप वाहन को जब्त कर लिया है और आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सराय थाना पुलिस के अनुसार, सहायक अवर निरीक्षक (एसआई) संजय मालाकार को गुप्त सूचना मिली थी कि एक पिकअप वाहन (BR-31GB-2589) में पशुओं को लादकर महुआ की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने सराय ओवरब्रिज के पास वाहन जांच अभियान शुरू किया। इसी दौरान टोल प्लाजा की ओर से आ रही संदिग्ध पिकअप को रोककर उसकी तलाशी ली गई। जांच के दौरान वाहन में पांच भैंस के पाड़े और पांच गाय के बछड़े कुल 10 पशु क्रूरतापूर्वक लदे मिले। पुलिस ने मौके से वाहन चालक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महुआ थाना क्षेत्र के चकमजाहिद निवासी मो. सौदागर (पिता- मो. खुर्शीद), मो. खुर्शीद (पिता- मो. रोजिद) और मो. हारून (पिता- मो. अंजुम) के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सराय थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में 10 पशुओं को बरामद किया गया है। पशुओं को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें पूर्वी चंपारण के पिपराकोठी स्थित फाटक (गोशाला) के सुपुर्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है तथा पुलिस पशु तस्करी से जुड़े नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

प्राइवेट हॉस्पिटल में किशोर की मौत पर बवाल

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान किशार की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। वहीं, अस्पताल प्रबंधन ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए दावा किया कि मरीज को बेहद गंभीर हालत में लाया गया था। उसकी जान बचाने की हरसंभव कोशिश की गई। मृतक की पहचान गायघाट थाना क्षेत्र के जांता गांव निवासी विशाल कुमार(17) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही ब्रह्मपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित कराया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। मां अंजू देवी ने बताया कि रविवार सुबह विशाल घर के पास जनरेटर स्टार्ट कर रहा था। इसी दौरान हैंडल छिटककर उसके शरीर में लग गया, जिससे वह घायल हो गया। पहले उसे इलाज के लिए एसकेएमसीएच ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। कुछ देर बाद दर्द बढ़ने पर उसे बेहतर इलाज के लिए जूरन छपरा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में भर्ती होने के बाद ही विशाल की तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई। डॉक्टरों ने उसे आईसीयू में भर्ती कर ऑपरेशन की तैयारी की बात कही। जब परिजन उसे देखने पहुंचे तो उसकी सांसें उखड़ रही थीं और कुछ ही देर बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों का आरोप है कि बेटे की मौत के बाद जब उन्होंने इलाज को लेकर सवाल उठाए तो अस्पताल कर्मियों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बनाया है और दावा किया कि अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों में भी पूरी घटना रिकॉर्ड हुई है। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। अस्पताल के मैनेजर ने बताया कि मरीज को देर रात गंभीर हालत में भर्ती कराया गया था। उसे अंदरूनी चोट और तेज दर्द की शिकायत थी। डॉक्टरों की टीम लगातार इलाज कर रही थी। ऑपरेशन की तैयारी भी चल रही थी। मरीज की हालत बिगड़ने पर उसे वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इलाज में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती गई। ब्रह्मपुरा थाना पुलिस ने बताया कि मरीज की मौत के बाद अस्पताल में हंगामे की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। परिजनों को शांत कराया गया है। मामले में आवेदन मिलने के बाद विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अस्पताल में लगे सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों की भी जांच की जाएगी।

पीएमसीएच में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने किया हंगामा

काम ठप होने से ओटी-वार्ड सेवाएं प्रभावित, 6 माह से वेतन नहीं मिलने का आरोप

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) में सोमवार को आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने वेतन भुगतान की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें पिछले छह महीने से वेतन नहीं मिला है। इस प्रदर्शन के कारण अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो गई हैं। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने बताया, वे लंबे समय से 'फ्रंटलाइन कंपनी' के माध्यम से PMCH में कार्यरत हैं। उन्हें पिछले छह माह से वेतन नहीं मिला है। कई बार अधिकारियों और कंपनी प्रबंधन से संपर्क करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ, जिससे उनके सामने परिवार चलाने का संकट खड़ा हो गया है।

हम लोगों को नियमित पेमेंट नहीं किया जाता- आउट सोर्स कर्मी: आउट सोर्सिंग स्टाफ से वार्ड बॉय विकास कुमार ने बताया, 'आउट सोर्सिंग की कई कंपनियों को एक साथ फंडिंग मिल जाता है, लेकिन सिर्फ फ्रांटलाइन एजेंसी का फंडिंग देर से होती है, जिससे हम लोगों को नियमित पेमेंट नहीं किया जाता हैं। इससे हमें कई महीनों तक वेतन नहीं मिलता है।'

ओटी और वार्डों का काम हुआ प्रभावित: वेतन भुगतान की मांग को लेकर प्रदर्शन के दौरान ऑपरेशन थिएटर (OT) और विभिन्न वार्डों में तैनात आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया। इससे अस्पताल की व्यवस्था पर सीधा असर पड़ा। अस्पताल के कई वार्डों में मरीजों की देखभाल और अन्य जरूरी सेवाएं प्रभावित हुईं, जिससे इलाज के लिए आए लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

नई एजेंसी को लेकर भी उठाए सवाल: कर्मचारियों ने नई एजेंसी को काम सौंपने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप है कि पुराने कर्मचारियों के बकाया वेतन का भुगतान किए बिना नई कंपनी को जिम्मेदारी दी जा रही है। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनके बकाया वेतन का भुगतान नहीं होता और उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। वे तत्काल वेतन भुगतान की मांग पर अड़े हुए हैं। इस आंदोलन के कारण PMCH की नियमित स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ा है और अस्पताल प्रशासन के सामने व्यवस्था सुचारु बनाए रखने की चुनौती खड़ी हो गई है।

यह हमारा नहीं, बल्कि आउटसोर्स एजेंसी का मामला- डॉ.राजीव कुमार सिंह: PMCH के अधीक्षक डॉ.राजीव कुमार सिंह ने बताया, 'यह एजेंसी का आंतरिक मामला है। संबंधित कर्मचारी हमारे नहीं हैं, बल्कि आउटसोर्स एजेंसी के हैं। हमारी ओर से किसी प्रकार की देरी नहीं की गई है।' अधीक्षक के मुताबिक, एजेंसी ने 13 जून को दिसंबर और जनवरी माह के बिल जमा किए थे। फिलहाल विभाग को अलॉटमेंट प्राप्त नहीं हुआ है। अलॉटमेंट मिलते ही 72 घंटे के भीतर भुगतान करने का आश्वासन दिया गया है।'

पटना में 150 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ी लड़की, प्रेमी से शादी की जिद पर अड़ी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना के नौबतपुर में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब 17 वर्षीय एक लड़की प्रखंड परिसर के पास स्थित करीब 150 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गई। लड़की अपने प्रेमी से शादी कराने की मांग पर अड़ी रही। लगभग 4 घंटे के बाद जब लड़की का प्रेमी मौके पर पहुंचा तो प्रेमी के देखते ही लड़की टावर से नीचे उतरी और टावर से नीचे उतरते ही ग्रस्त खाकर गिर पड़ी। मौके पर उपस्थित पुलिस कर्मियों ने उन्हें अपने गाड़ी में लेकर थाना की तरफ निकल पड़े।

जानकारी के मुताबिक, सोमवार सुबह लड़की अचानक टावर के शीर्ष पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों की नजर पड़ते ही मौके पर भीड़ जुट गई। परिजन और ग्रामीण लगातार उसे नीचे उतरने के लिए मनाते रहे, लेकिन उसने साफ कहा कि जब तक उसकी शादी उसके प्रेमी से कराने का आश्वासन नहीं मिलेगा, वह नीचे नहीं आएगी। घटना की सूचना मिलते ही नौबतपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई। थाना प्रभारी मंजीत ठाकुर ने बताया कि लड़की काफी ऊंचाई पर होने के कारण उससे सीधे बातचीत करना संभव नहीं हो पा रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने

❐ ड्रोन से बात कराने की कोशिश के 4 घंटे बाद उतरी

ड्रोन कैमरे की मदद ली है। ड्रोन के माध्यम से लड़की तक मोबाइल फोन पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि उससे बातचीत कर उसे समझाया जा सके और सुरक्षित नीचे उतारा जा सके। पुलिस और प्रशासन ने एहतियातन मोबाइल टावर के आसपास पूरे क्षेत्र को घेर लिया है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचा जा सके। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और पुलिसकर्मी मौजूद हैं।

सभी लड़की को सुरक्षित नीचे लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक लड़की टावर पर ही मौजूद थी और नीचे उतरने से इनकार कर रही थी। प्रशासन का कहना है कि प्राथमिकता उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उसे शांतिपूर्वक नीचे उतारना है।

फुलवारीशरीफ में दहेज के लिए विवाहिता की हत्या

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना में 20 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद पति समेत ससुराल पक्ष के सभी आरोपी घर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए PMCH भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका के परिजनों ने दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर पति पर पहले बिजली का करंट लगाने और फिर तार से गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना धनरूआ थाना क्षेत्र के गुलरिया बिगहा गांव की है। मृतका की पहचान पूजा कुमारी के रूप में हुई है। वह जहानाबाद जिले के घोसी निवासी अजय यादव की बेटी थीं। उनकी शादी मार्च 2024 में गुलरिया बिगहा निवासी रविरंजन कुमार से हुई थी।

पूजा कुमारी के चाचा रामध्यान

कुमार ने आरोप लगाया, 'शादी के समय अपनी क्षमतानुसार बाइक, नकद राशि और अन्य घरेलू सामान दिए गए थे, लेकिन ससुराल पक्ष लगातार अतिरिक्त दहेज, गाड़ी और नकदी की मांग कर रहा था। मांग पूरी न होने पर पूजा को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था।

रामध्यान कुमार के मुताबिक, रविवार को पति रविरंजन कुमार ने पहले पूजा को बिजली का करंट लगाकर गंभीर रूप से घायल किया और फिर तार से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

बिहटा छड़ फैक्ट्री में करंट लगने से मजदूर की मौत

11 हजार वोल्ट हाईटेंशन लाइन की चपेट में आए

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना के बिहटा थाना क्षेत्र स्थित कैम्पर कॉन्कास्ट छड़ फैक्ट्री में सोमवार को करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई। हादसे के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मृतक की पहचान बिहटा के विशंभरपुर निवासी 55 वर्षीय बालेश्वर भगत के रूप में हुई है। घटना से आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने फैक्ट्री गेट पर पहुंचकर मुआवजे और सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया।

11000 वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आए: जानकारी के मुताबिक, बालेश्वर भगत फैक्ट्री परिसर में काम कर रहे थे। इसी दौरान वह 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गए। हादसे के बाद साथी मजदूर उन्हें तत्काल स्थानीय

अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने सुरक्षा में लापरवाही का लगाया आरोप: घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन और स्थानीय लोग फैक्ट्री पहुंचे। उनका आरोप है कि फैक्ट्री प्रबंधन ने मजदूरों की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए थे, जिसके कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने मुआवजे की मांग करते हुए फैक्ट्री गेट पर हंगामा किया। मृतक के पुत्र विशाल कुमार ने बताया, 'आज मेरे पिता जी काम करने के लिए फैक्ट्री में आए थे। तभी फैक्ट्री के सुपरवाइजर ने बोला कि बिजली के तार के संपर्क में आने से एक बंदर की मौत हो गई है, उसे हटा दो। जिसके बाद मेरे पिताजी उसे हटाने गए। इसी दौरान वह भी करंट की टपेट में आ गए और उनकी मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि, 'बिना बिजली कटे हुए और बिना कोई सुरक्षा के काम फैक्ट्री में कराया जाता है, जिसके कारण इस तरह की घटनाएं होती है। फैक्टरी प्रशासन की बड़ी लापरवाही है और हमारी मांग है कि फैक्टरी प्रशासन मेरे पिताजी को मुआवजा दे और नौकरी भी दे।ट

पुलिस ने शुरू की जांच: घटना की जानकारी मिलते ही बिहटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने फैक्ट्री प्रबंधन से पूछताछ शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया, 'शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। मृतक के परिजन फैक्ट्री प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं। मामले की जांच की जा रही है और परिजनों की ओर से लिखित शिकायत मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।'

फैजल खान उर्फ खान सर को मिली जमानत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना सिविल कोर्ट ने चर्चित कोचिंग विवाद मामले में आज अपना फैसला सुनाया है। कोर्ट ने फैजल खान उर्फ खान सर सहित उनके 3 सहयोगियों की जमानत याचिका को मंजूरी दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने फायरिंग करने के आरोप में जेल में बंद दोनों बॉडी गाड्र्स प्रदीप कुमार और तालेबर सिंह को भी जमानत दे दी है। खान सर के वकील अरविंद कुमार मौआर ने बताया, खान सर को बेल मिल गया है। जज साहब ने जमानत देने की घोषणा कर दिया है। उसके बाद उनके 3 स्टाफ का अलग बेल याचिका फाइल था, उसे भी मंजूर किया है। दोनों बॉडीगाड्र्स के रेगुलर जमानत याचिका भी थी, जिन पर आरोप था कि एयर फायरिंग किए हैं, उनका भी बेल मंजूर कर दिया गया है। इस तरह खान सर सहित कुल 6 लोगों को जमानत दी गई है।

खान सर के वकील अरविंद कुमार मौआर ने आगे कहा, 'पुलिस ने बहुत अच्छा इन्वेस्टिगेट किया है, इसमें जो सच्चाई थी, उसको उसमें डायरी में लिखा गया है। कुछ आर्गुमेंट्स वगैरह भी रहा, विरोधी पक्ष की ओर से विरोध तो बहुत

किया गया, लेकिन जो लॉ है, उसके मुताबिक जज ने उसको कंसिडर किया है। उसके बाद जमानत मंजूर की गई है।'

इससे पहले कोर्ट की ओर से सुनवाई के दौरान फैजल खान उर्फ खान सर की क्रिमिनल हिस्ट्री की मांगी गई थी। फिर 10 जुलाई को कोर्ट ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष की ओर से कहा गया था कि पुलिस की ओर से केस फाइल फाइनल कर दिया गया था। इसीलिए इस केस का जिक्र नहीं किया गया था। रौशन आनंद पक्ष की ओर से सत्या झा ने खान की जमानत का विरोध किया था। उन्होंने कोर्ट को बताया था कि फैजल खान की ओर से क्रिमिनल हिस्ट्री छिपाई गई है। इसके बाद कोर्ट ने कल सुनवाई के बाद क्रिमिनल इंसीडेंस सबमिट करने के लिए कहा था। बता दें कि पटना पुलिस की जांच में फैजल खान (खान सर) के दोनों बॉडीगाड्र्स के हथियारों के वेरिफिकेशन के दौरान अहम जानकारियां सामने आई थीं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जिस हथियार से गोली चलवाई गई थी, वह तालेबर सिंह (34), निवासी कासगंज (उत्तर प्रदेश) का है, लेकिन उसके नाम पर जारी हथियार लाइसेंस का परमिट पूरे भारत के लिए मान्य नहीं पाया गया। आरोप है कि उतर प्रदेश से बिहार में हथियार लेकर आने, हथियार लेकर सुरक्षा ड्यूटी करने के लिए तालेबर सिंह के पास वैध अनुमति नहीं थी। फिर भी वह बिहार में बॉडीगार्ड की नौकरी कर रहा था। पुलिस ने फायरिंग में इस्तेमाल किए गए हथियारों और उनके लाइसेंस की जांच के बाद कई बिंदुओं को अपडेटेड केस डायरी में शामिल किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, तालेबर सिंह गैर कानूनी तरीके से हथियार लेकर बिहार में बॉडीगार्ड की नौकरी कर रहा था। जांच में यह भी सामने आया है कि बिहार में हथियार के साथ नौकरी करने की जानकारी स्थानीय प्रशासन, आर्म्स मजिस्ट्रेट या संबंधित थाने को नहीं दी गई थी, जो कानूनन अपराध है।

नामांकन के बाद तेजप्रताप की उम्मीदवार वीणा मानवी गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए तेजप्रताप की पार्टी की उम्मीदवार वीणा मानवी ने नामांकन दाखिल किया। नामांकन के बाद जैसे ही वह बाहर निकलीं, पटना पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने पहुंच गई। पुलिस को देखते ही वीणा मानवी भागने लगीं। इस दौरान पटना DM कार्यालय के बाहर कुछ देर तक हंगामा हुआ। हालांकि, कुछ देर बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान JJD की प्रत्याशी चिल्लाती और रोती रहीं। वह लगातार गेट पीटती रहीं, लेकिन पुलिस उन्हें गाड़ी में बैठाकर गांधी मैदान थाने ले गई। उन्होंने कहा, "ये सब बीजेपी करवा रही है। मैंने कोई अपराध नहीं किया है। हार के डर से ये सब किया जा रहा है।" फिलहाल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास

❐ पुलिस देखते ही भागने लगीं, बीजेपी कैंडिडेट के साथ खड़े नहीं दिखे सम्राट

(JMFC) कोर्ट-9 ने वीणा मानवी को जमानत दे दी है। उनके खिलाफ 2009 में एक परिवाद दायर किया गया था। इसी मामले में उनके खिलाफ वारंट जारी किया गया था। इसके अलावा, 2016 में उनके खिलाफ फर्जीवाड़ा, धोखाधड़ी और दलित उत्पीड़न का मामला भी दर्ज है।

इंस्टाग्राम पर हथियारों के साथ वीडियो डालकर बनाया खौफ

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना के बिहटा थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ वीडियो पोस्ट कर दहशत फैलाने वाले एक नाबालिग किशोर को पुलिस ने हिरासत में लिया है। उसके कब्जे से एक देसी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस अब हथियार के स्रोत और उससे जुड़े संभावित नेटवर्क की जांच में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, पिछले कुछ समय से लगातार सूचना मिल रही थी कि बिहटा थाना क्षेत्र के लेखन टोला गांव का एक नाबालिग अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हथियारों के साथ वीडियो पोस्ट कर रहा है।

इन वीडियो के जरिए क्षेत्र में भय और दहशत का माहौल बनाया जा रहा था। पुलिस की जांच में सामने आया कि किशोर पिछले करीब दो वर्षों से विभिन्न हथियारों के साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहा था।

सूचना मिलने के बाद पुलिस ने वायरल वीडियो की जांच की। वीडियो सही पाए जाने पर रविवार देर शाम उसके घर पर छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान पुलिस ने एक देसी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए। इसके बाद किशोर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई। पुलिस के अनुसार, हिरासत में लिए गए नाबालिग की पहचान धीरज यादव के रूप में हुई है। उससे पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि हथियार उसे कहां से मिले और क्या उसके साथ अन्य लोग भी जुड़े हुए हैं।

'बिहार में अफसरों का गैंग चला रही सम्राट सरकार'

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। राजद सांसद सुधाकर सिंह ने आज सोमवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बिहार सरकार और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बिहार में रिशु श्री, संजीव हंस और आनंद किशोर का बनाया हुआ एक "गैंग" काम कर रहा था, जो आज भी सक्रिय है और किसी से नहीं डरता। उन्होंने आरोप लगाया कि लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (PHED) में नल-जल योजना के मरम्मत कार्य से जुड़े करीब 3,500 करोड़ रुपये के टेंडर नियमों की अनदेखी कर दिए गए।

डिबार कंपनी को मिले टेंडर पर उठाए सवाल: सांसद ने दावा किया कि रिशु श्री जेल में हैं और संजीव हंस फरार बताए जा रहे हैं, लेकिन उनके प्रभाव में काम अब भी जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर विकास विभाग में डिबार घोषित कंपनी को भी बिलो रेट पर टेंडर दे दिया गया। मुख्यमंत्री से सवाल करते हुए उन्होंने कहा कि जिन कंपनियों को पहले दोषी माना गया था, उन्हें फिर से सरकारी काम दिया जा रहा है, जिससे बिहार का नुकसान होगा।

मंत्रियों की नहीं चलती, अधिकारी चला रहे सरकार- सुधाकर सिंह: सुधाकर सिंह ने कहा, 'बिहार सरकार में मंत्रियों की कोई हैसियत नहीं रह गई है। फाइलें मंत्रियों तक पहुंचती ही नहीं हैं और पूरा सिस्टम कुछ अधिकारियों के इशारे पर चल रहा है।'

पंकज दराद के तबादले पर उठाए सवाल: सांसद ने पंकज दराद के तबादले को लेकर भी सवाल उठाए। उनका आरोप था कि, योगेश सागर और अभिलाषा शर्मा का नाम सामने लाने की कोशिश के कारण उनका

❐ 3,500 करोड़ के टेंडर में गड़बड़ी का आरोप, पटना में सुधाकर सिंह बोले-मंत्रियों की एक नहीं चलती

ट्रांसफर कराया गया। उन्होंने दावा किया कि, यह कार्रवाई जदयू नेताओं के दबाव में हुई। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पंकज दराद को क्लीन चिट नहीं दी जा सकती, क्योंकि उन्होंने भी पूरी तरह न्याय नहीं किया।

बंटी कुमार हत्याकांड पर भी सरकार को घेरा: पटना के करबिगहिया के बंटी कुमार हत्याकांड का जिक्र करते हुए सुधाकर सिंह ने बिहार पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'जब तक कुंदन कृष्णन पुलिस मुख्यालय में रहेंगे, तब तक अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव नहीं होगा।' उन्होंने आरोप लगाया, 'पुलिस कार्रवाई में भेदभाव होता है। रिशु श्री को जेल में विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं और पूरे मामले को दबाने की कोशिश हो रही है।' इस संबंध में उन्होंने जनहित याचिका (PIL) दायर करने की भी जानकारी दी।

संक्षिप्त समाचार

इस्पात क्लब में शतरंज-कैरम विजेताओं का सम्मान

रांची। इस्पात क्लब की ओर से सोमवार को आयोजित शतरंज और कैरम टूर्नामेंट-2026 का पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को सम्मानित किया गया। बाल वर्ग में यशवर्धन सिंह और हर्षवर्धन सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब हासिल किया। वहीं वयस्क वर्ग में निधिश साहू, चंद्रकांत बंसोड, अनीता कंवर और अनुश्री बोस ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। शतरंज की बिसात पर बेहतरीन चालों और कैरमबोर्ड पर सटीक स्ट्राइक ने प्रतियोगिता को रोमांचक बना दिया। आयोजन समिति की ओर से सीमांतिनी साहू ने कहा कि इस्पात क्लब का उद्देश्य केवल खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करना नहीं, बल्कि सदस्यों में प्रतिस्पर्धा, अनुशासन, टीम भावना और आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन क्लब सदस्यों के बीच बेहतर संबंध स्थापित करने के साथ खेल संस्कृति को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के सफल संचालन का भरोसा जताया। मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

BNI रांची ने मनाई 8वीं वर्षगांठ, मेंबर्स सक्सेस डे सीजन-5 का भव्य आयोजन

रांची। BNI रांची ने 12 जुलाई को रैडिसन ब्लू होटल में मेंबर्स सक्सेस डे (MSD) सीजन-5 और अपनी 8वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन किया। कार्यक्रम में BNI परिवार के 500 से अधिक सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता लोकप्रिय मोटिवेशनल स्पीकर सोनू शर्मा रहे। उन्होंने बिजनेस डेलिगेशन, लॉन्ग-टर्म प्लानिंग और देश के अग्रणी उद्योगपतियों के अनुभव साझा कर उद्यमियों को प्रेरित किया। BNI रांची ने 8.5 वर्षों में आपसी सहयोग से 1200 करोड़ से अधिक का क्लोज्ड बिजनेस सृजित करने की उपलब्धि हासिल की है। इस वर्ष के आयोजन का नेतृत्व आशीष साहू और निशांत आहूजा ने किया। रांची के अलावा पांच अन्य शहरों के सदस्य भी इसमें शामिल हुए। मुख्य प्रायोजक आर्यन ग्रुप के अभिषेक सिन्हा रहे। इस अवसर पर कई सदस्यों को सम्मानित किया गया। BNI पदाधिकारियों ने आने वाले वर्षों में और अधिक व्यावसायिक अवसर सृजित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

झारखंड के जेल आईजी सुदर्शन मंडल की तबीयत बिगड़ी, रांची के निजी अस्पताल में भर्ती

रांची। झारखंड कैडर के 2006 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी एवं वर्तमान में जेल महानिरीक्षक (आईजी) सुदर्शन मंडल की सोमवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें तत्काल रांची के कोकर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। परिजनों के अनुसार, स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद सुदर्शन मंडल को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। प्रारंभिक जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती कर उपचार शुरू किया। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, उन्हें हृदय संबंधी समस्या की शिकायत के बाद भर्ती किया गया था। जांच में उन्हें दिल का दौरा (हार्ट अटैक) पड़ने की पुष्टि हुई है। अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रखे हुए है। आवश्यक चिकित्सीय जांच और उपचार जारी है। फिलहाल उनकी स्थिति पर डॉक्टर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। सुदर्शन मंडल झारखंड कैडर के 2006 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हैं। वर्तमान में वह राज्य के जेल महानिरीक्षक (आईजी) के पद पर कार्यरत हैं। अपने सेवा काल में उन्होंने झारखंड के विभिन्न जिलों और पुलिस मुख्यालय में कई महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारियां निभाई हैं तथा एक अनुभवी और दक्ष पुलिस अधिकारी के रूप में उनकी पहचान रही है।

पुराने निवेश प्रस्तावों की रीपैकेजिंग कर नई घोषणा के रूप में प्रस्तुत कर रही राज्य सरकार : प्रतुल

एजेंसी। रांची

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने झारखंड में निवेश को लेकर हेमंत सरकार पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से हाल ही में 99,639 करोड़ के निवेश की जो बड़ी-बड़ी घोषणाएं की गई हैं, इनमें अधिकांश निवेश नए नहीं हैं, बल्कि दावोस एवं यूके यात्रा के बाद लगभग छह महीने पहले घोषित निवेश प्रस्तावों की री-पैकेजिंग है। सरकार पुरानी घोषणाओं पर नया रैपर चढ़ाकर जनता की आंखों में धूल झोंकने का प्रयास कर रही है। प्रतुल ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार स्वयं फरवरी 2026 में दावोस एवं यूके यात्रा के बाद 1.27 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों की घोषणा कर चुकी थी। उस समय जिन कंपनियों के साथ समझौते और निवेश प्रस्तावों का प्रचार किया गया था,उन्हीं में से अधिकांश को अब दिल्ली में फिर से नए निवेश के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सरकार ने हाल में जिन प्रमुख निवेश प्रस्तावों की घोषणा की थी,उनमें जिंदल स्टील लिमिटेड (40,000 करोड़), जिंदल न्यूक्लियर पावर (30,000 करोड़), रुंगटा संस (10,000

करोड़), रुंगटा माइंस (3,000 करोड़), टाटा स्टील हिसारना (7,000 करोड़), अमलगम स्टील एंड पावर (4,980 करोड़), टाटा स्टील टिन प्लेट विस्तार (2,600 करोड़), अंबुजा सीमेंट (1,000 करोड़) तथा जिंदल रिन्यूएबल्स (650 करोड़) शामिल थे। प्रतुल ने कहा कि यदि ये वास्तव में नए एमओयू हैं तो सरकार स्पष्ट करे कि पहले वाले एमओयू का क्या हुआ? यदि ये पुराने निवेश प्रस्ताव ही हैं, तो जनता को इन्हें दोबारा नया बताकर क्यों भ्रमित किया जा रहा है? सरकार बताए कि पिछले छह महीनों में इन परियोजनाओं पर कितना वास्तविक निवेश हुआ, कितनी भूमि आवंटित हुई, कितने उद्योगों का निर्माण शुरू हुआ और कितने स्थानीय युवाओं को रोजगार मिला। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता ने विशेष रूप से 30,000 करोड़ के जिंदल न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि परमाणु ऊर्जा पूरी तरह केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र का विषय है। किसी भी परमाणु ऊर्जा संयंत्र की स्थापना केवल राज्य सरकार और किसी निजी कंपनी के बीच एमओयू से संभव नहीं है। केंद्र की ओर से 2025 में लाए गए शांति एक्ट ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में निजी निवेश की संभावना का प्रावधान रखा है लेकिन इसके लिए भी बहुत सारे दिशा निर्देश जारी है। इसके लिए केंद्र सरकार की नीतिगत स्वीकृति, परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु ऊर्जा नियामक संस्थाओं तथा अन्य वैधानिक अनुमतियां आवश्यक होती हैं। उन्होंने पूछा कि क्या राज्य सरकार ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर करने से पहले केंद्र सरकार, परमाणु ऊर्जा विभाग अथवा संबंधित नियामक संस्थाओं से आवश्यक अनुमति या सहमति प्राप्त की है? यदि नहीं,तो 30,000 करोड़ के निवेश का प्रचार केवल कागज का एक टुकड़ा और जनता को भ्रमित करने वाला राजनीतिक प्रचार है। प्रतुल ने कहा कि भाजपा प्रदेश के हित में होने वाले सभी औद्योगिक निवेशों का स्वागत करती है। लेकिन राज्य सरकार हवा हवाई घोषणाओं से परहेज करे और जनता की आंखों में धूल ना झोंके।

झारखंड में 17 जुलाई तक बारिश, वज्रपात और तेज हवा की संभावना, येलो अलर्ट जारी

एजेंसी। रांची

झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के विभिन्न जिलों में 17 जुलाई तक गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश, आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने इसको लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, 14 जुलाई को राज्य के उत्तर-पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की भी संभावना है। विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सर्वाधिक 34.5 मिलीमीटर वर्षा रामगढ़ में दर्ज की गई। वहीं, सबसे अधिक तापमान पाकुड़ में 36.2 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान लातेहार में 22.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सोमवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से बादल छाए रहे, हालांकि बारिश नहीं हुई। दिनभर उमस और

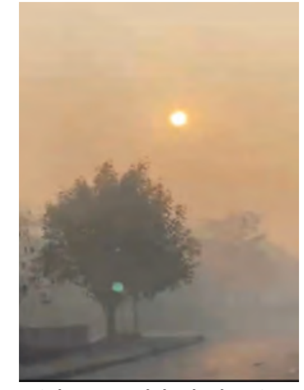

गर्मी के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। राजधानी रांची में सोमवार को अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 34.4 डिग्री और न्यूनतम 26.8 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 35.4 डिग्री और न्यूनतम 26.7 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 35.5 डिग्री और न्यूनतम 27.2 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम तापमान 33.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

बेकन फैक्ट्री के सेवानिवृत्त सुपरवाइजर के वेतनमान विवाद में हाई कोर्ट ने विभाग का आदेश किया रद्द

एजेंसी। रांची

झारखंड उच्च न्यायालय ने राज्य की बेकन फैक्ट्री, कांके से सेवानिवृत्त सुपरवाइजर (मैकेनिकल) काशीनाथ गांगुली के वेतनमान विवाद में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए विभागीय आदेश को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने 4 मार्च 2021 को जनरल मैनेजर, स्टेट बेकन फैक्ट्री, कांके द्वारा पारित आदेश को निरस्त करते हुए मामले पर नए सिरे से विचार करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि विभाग ने याचिकाकर्ता के प्रतिवेदन में उठाए गए बिंदुओं और आपत्तियों पर विचार किए बिना केवल पुराने विभागीय पत्र का हवाला देकर उनका दावा खारिज कर दिया। ऐसा आदेश कानून की दृष्टि में कारणयुक्त (स्पीकिंग ऑर्डर) नहीं माना जा सकता। उच्च न्यायालय ने मामले को संबंधित प्राधिकारी के पास वापस भेजते हुए निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता के 12 फरवरी 2021 के प्रतिवेदन में उठाए गए सभी बिंदुओं पर विचार कर 12 सप्ताह के भीतर कानून के अनुरूप स्पष्ट एवं कारणयुक्त नया आदेश पारित किया जाए। हालांकि, अदालत ने याचिकाकर्ता को सीधे 6,500-10,500 रुपये के वेतनमान का लाभ देने का आदेश नहीं दिया, बल्कि सक्षम प्राधिकारी को पूरे मामले पर पुनर्विचार कर विधिसम्मत निर्णय लेने का निर्देश दिया। इसके साथ ही याचिका का आंशिक रूप से निष्पादन कर दिया गया। मामले के अनुसार, काशीनाथ गांगुली ने वर्ष 1984 में सुपरवाइजर (मैकेनिकल) के पद पर सेवा शुरू की थी। समयबद्ध प्रोन्नति के बाद उन्हें पहले 5,000-8,000 रुपये और बाद में विभागीय आदेश के तहत 6,500-10,500 रुपये का वेतनमान प्रदान किया गया था। वर्ष 2007 में विभाग ने यह कहते हुए उनका वेतनमान घटाकर 5,500-9,000 रुपये कर दिया कि उनका पद एकल (आइसोलेटेड) है और उच्च वेतनमान गलती से दिया गया था। विभाग ने अतिरिक्त भुगतान की वसूली का भी आदेश दिया था। वर्ष 2007 के इस आदेश को पहले भी झारखंड उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी। बाद में लेटर्स पेटेंट अपील (एलपीए संख्या-397/2018) में मामले को सक्षम प्राधिकारी के पास पुनः सुनवाई और नया निर्णय लेने के लिए भेजा गया। इसके बाद विभाग ने 4 मार्च 2021 को फिर से याचिकाकर्ता का दावा अस्वीकार कर दिया। सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने पाया कि विभाग ने याचिकाकर्ता के विस्तृत प्रतिवेदन में उठाए गए किसी भी तर्क पर विचार नहीं किया और केवल 3 अक्टूबर 2007 के विभागीय पत्र का हवाला देकर आवेदन खारिज कर दिया।

कार्यालय–झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गढ़वा
विकास भवन–बी0 समाहरणालय परिसर, प्रथम–तल

आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि झारखण्ड शिक्षा परियोजना, परिषद, राँची के पत्रांक–2648 दिनांक–12.10.2022 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2026–27 में जिले के 05 कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयएवं 04झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय तथा 01 नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय रंका, गढ़वा में **(A) खाद्य–अखाद्य पदार्थ – पैकेज–1 (B) हरी सब्जी, मछली, चिकेन, दूध, पनीर इत्यादि– पैकेज–2 (C) पोशाक एवं अन्य वस्त्र– पैकेज 3 (D) स्टेशनरी इत्यादि– पैकेज 4** आपूर्ति हेतु संस्थाओं/प्रतिष्ठानों से विद्यालयवार पुनर्निविदा द्विलिफाफा पद्धति आमंत्रित की जाती है।
वैसे विद्यालय जहाँ निविदा नहीं होने के कारण पुनर्निविदा आमंत्रित की जा रही है –

क्र	पैकेज सं0			
	1	2	3	4
1	KGBV MERAL	KGBV MERAL	KGBV MERAL	KGBV MERAL
2	KGBV BHAWNATHPUR	KGBV MANJHIAON	KGBV NAGAR UNTARI	JBAV BARDIHA
3	KGBV MANJHIAON	JBAV BARDIHA	JBAV BARDIHA	JBAV SAGMA
4	KGBV KHARAUNDHI	JBAV BISHUNPURA	JBAV SAGMA	JBAV BISHUNPURA
5	JBAV BISHUNPURA	JBAV KETAR	JBAV BISHUNPURA	JBAV KETAR
6	-	NSCBAV RANKA	JBAV KETAR	NSCBAV RANKA

इच्छुक निविदादाता निविदा–प्रपत्र दिनांक–13.07.2026 से 20.07.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 04:30 बजे तक निर्धारित शुल्क– 1000/– (एक हजार) रु0 प्रति पैकेज की दर से डिमांड ड्राफ्ट (Non-refundable) (**"SAMAGRA SHIKSHA ABHIYAN GARHWA DEO-CUM-DPO"**के नाम से जारी तथा गढ़वा में भुगतेय होना चाहिए)एवं आवेदन जिला कार्यालय झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गढ़वा में जमा कर प्राप्त किया जा सकता है। निविदा–प्रपत्र में उल्लेखित सामग्री का तकनीकी बिड एवं वित्तीय बिड अलग–अलग सीलबन्द लिफाफा में बन्द करते हुए एक बड़े लिफाफा में दिनांक–21.07.2026 के पूर्वाह्न 11:30 बजे तक जिला कार्यालय में जमा किया जाना है।

क्रय समिति द्वारा दिनांक–22.07.2025 के पूर्वाहन् 11:30 बजे जिला कार्यालय–झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गढ़वामें निविदा खोली जायेगी।निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन अथवा रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा। निविदा सूचना जिले के आधिकारिक वेबसाईट–www.garhwa.nic.in पर भी उपलब्ध है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी
–सह–जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गढ़वा

PR 384791 (Human Resource Developement) 26-27 (D)

मतदाता सूची शुद्धिकरण: BLO को सहयोग करें - उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री

रांची। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने मतदाताओं से अपील की है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के तहत BLO द्वारा घर-घर जाकर Enumeration Form भरवाने में पूर्ण सहयोग दें। उन्होंने कहा कि सही और त्रुटिरहित मतदाता सूची बनाने के लिए फॉर्म भरना जरूरी है। गलत या अपूर्ण जानकारी देने से भविष्य में मतदान में परेशानी हो सकती है। उपायुक्त ने कहा कि BLO के आने पर अपना नाम, पिता/पति का नाम, आयु, पता और मोबाइल नंबर जैसी सही जानकारी दें और फॉर्म की जांच अवश्य करें। यह BLO की आधिकारिक ड्यूटी है। उन्होंने राजनीतिक दलों और मीडिया से भी इस जागरूकता अभियान में सहयोग की अपील की। शिकायत के लिए रांची जिला प्रशासन का व्हाट्सएप नंबर 9430328080 जारी किया गया है।

रांची में 6 से 8 अगस्त तक लगेगा 'सावन मेला–शॉपिंग फेस्टिवल'

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की ओर से सावन के पावन अवसर पर तीन दिवसीय 'सावन मेला–शॉपिंग फेस्टिवल' का आयोजन किया जाएगा। यह मेला 6, 7 और 8 अगस्त को अग्रसेन भवन, अपर बाजार, रांची में प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक आयोजित होगा। आयोजन का उद्देश्य महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं विपणन के लिए मंच उपलब्ध कराना तथा शहरवासियों को पारिवारिक वातावरण में खरीदारी और मनोरंजन का अवसर उपलब्ध करना है। शाखा की ओर से सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि सावन माह की थीम पर आयोजित इस मेले में महिलाओं, परिवारों और बच्चों के लिए विशेष आकर्षण होंगे। मेले में फैशन एवं लाइफस्टाइल उत्पाद, ज्वेलरी, परिधान, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, हस्तशिल्प, उपहार सामग्री, राखियां, लड्डू गोपाल की पोशाकें तथा खान-पान से जुड़े विभिन्न स्टॉल लगाए जाएंगे। इसके साथ ही आगंतुकों के लिए मनोरंजन की भी विशेष व्यवस्था रहेगी। आयोजकों के अनुसार, इस मेले का उद्देश्य स्थानीय महिला उद्यमियों और छोटे व्यवसायियों को अपने उत्पादों को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित करने तथा ग्राहकों तक पहुंचाने का अवसर उपलब्ध कराना है। इच्छुक प्रदर्शकों के लिए स्टॉल बुकिंग शुरू कर दी गई है। स्टॉल बुकिंग एवं आयोजन से संबंधित अधिक जानकारी के लिए संयोजिकाएं कविता सोमानी, रोजी खंडेलवाल, कुशा जालान, अनीता सोमानी और रितू पोद्दार से संपर्क किया जा सकता है। शाखा की मीडिया प्रभारी वेदिका सिंघानिया ने बताया कि आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। वहीं शाखा की अध्यक्ष शुभा अग्रवाल, सचिव रेखा राईका और कोषाध्यक्ष स्मिता अग्रवाल ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में मेले में पहुंचकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

Jharkhand Bijli Vitran Nigam Limited
(CIN:U40108JH2013SGC001702)
Electric Supply Area, Medininagar
Regd. Office :By Pass Road, Sudna, Medininagar,822102 email:-gm_mdnjseb@yahoo.in
Telephone:-06562-295539

e-TENDER NOTICE

E-tender in two parts (Part-I Technical and Commercial and Part-II Price Part) is invited from the reputed tenderers having good experience of following same type of Civil Works and having sound financial status.

Sl. No.	NIT No.	Name of work	Estimated cost (In Rs.)	Earnest money to be deposited (In Rs.)	Cost of BOQ (non refundable) (In Rs.)	Time for completion
1	190/PR/JBVNL /2026-27	Construction of open Shed in front of existing TRW, Latehar under Electric Supply Circle, Daltonganj	6,42,100/–	12900/–	1250.00+226.00 (GST 18%) = 1476.00	30 days

Availability of tender document on website	14.07.2026 3:00 PM to 12.08.2026 at 4:00 PM
Last date and time for bid submission/uploading	12.08.2027 at 4:00 PM
Date and time for opening of Tender Part -I (Technical and Commercial)	13.08.2026 at 4:30 PM
Date and time for opening of Tender Part -II (Price Part)	will be communicated later on
Tendering Officer and address for communication	GM cum CE, Electric Supply Area, Medininagar

Any query towards this tender can also be had from the office of the undersigned during office hours or may contact on Mob No 8809507127

1. e-Tender documents and BOQ including terms & conditions, specification etc. can be downloaded and submitted online onwebsite https://jharkhandtenders.gov.in. Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned during office hours. NIC helpline no. 0651-2400178.
2. Bidder shall deposit online tender fee as mentioned above for Cost of BOQ and EMD as per rules of e -tendering portal (**jharkhandtenders.gov.in**).
3. The tenders will be received through electronic tendering mode only.

स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकातों को 18003456570 (कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager-cum- Chief Engineer
Electric Supply Area, Medininagar

PR 384822 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(26-27)D

Jharkhand Bijli Vitran Nigam Limited
(CIN:U40108JH2013SGC001702)
Electric Supply Area, Medininagar
Regd. Office :By Pass Road, Sudna, Medininagar,822102 email:-gm_mdnjseb@yahoo.in
Telephone:-06562-295539

e-TENDER NOTICE

e-tender in two parts (Part-I Technical and Commercial and Part-II Price Part) is invited from the reputed tenderers having good experience of following same type of Civil Works and having sound financial status.

Sl. No.	NIT No.	Name of work	Estimated cost (In Rs.)	Earnest money to be deposited (In Rs.)	Cost of BOQ (non refundable) (In Rs.)	Time for completion
1	189/PR/JBVNL/2026-207	Construction of Septic tank and soak pits in Vidyut Colony, Sudna under Electric Supply Circle, Daltongnaj	529300.00/–	10600/–	1250.00+226.00 (GST 18%) = 1476.00	30 days

Availability of tender document on website	14.07.2026 3:00 PM to 12.08.2026 at 4:00 PM
Last date and time for bid submission/uploading	12.08.2027 at 4:00 PM
Date and time for opening of Tender Part -I (Technical and Commercial)	13.08.2026 at 4:30 PM
Date and time for opening of Tender Part -II (Price Part)	will be communicated later on
Tendering Officer and address for communication	GM cum CE, Electric Supply Area, Medininagar

Any query towards this tender can also be had from the office of the undersigned during office hours or may contact on Mob No. 8809507127

1. e-Tender documents and BOQ including terms & conditions, specification etc. can be downloaded and submitted online on website https://jharkhandtenders.gov.in. Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned during office hours. NIC helpline no. 0651-2400178.
2. Bidder shall deposit online tender fee as mentioned above for Cost of BOQ and EMD as per rules of e-tendering portal (**jharkhandtenders.gov.in**).
3. The tenders will be received through electronic tendering mode only.

स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकायतों को 18003456570 (कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager-cum- Chief Engineer
Electric Supply Area, Medininagar

PR 384819 (Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd) 26-27 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, पलामू

अति अल्पकालीन ई0 निविदा आमंत्रण सूचना

1. ई0–निविदा संख्या– EE/RDSD/Palamau-F2/04/2026-27

(Two Envelope System)

S. No.	Group No.	Name of Work	Estimated Cost	Amount of Earnest Money	Cost of Tender Paper	Time Completion of Work
1	2	3	4	5	6	7
1	1	पलामू जिला के प्रखंड पाटन अन्तर्गत पंचायत कस्बाखाड़ के ग्राम करमाही में जिन्जोइ नदी पर पुल निर्माण।	4,49,44,200.00	8,98,900	10000	18 माह
2.	2	पलामू जिला के प्रखंड नौडीहा बाजार (झारखंड) को डुमरिया प्रखंड (बिहार) से जोड़ने वाली सड़क पर कवलभितिहरवा गांव और रबदी गांव के बीच कुसमाही नदी पर पुल निर्माण।	3,20,97,900.00	6,42,000	10000	18 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 18.07.2026 (5:00 अपराहन से)
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 24.07.2026 (अपराह्न 5:00 बजे से दिनांक 19.08.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, पलामू।
5. तकनीकि बिड खोलने की तिथि एवं समय – 21.08.2026 अपराह्न 4:00 बजे।
6. वित्तीय बिड खोलेन की तिथि – पत्र द्वारा घोषित किया जायेगा।
7. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पलामू।
8. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06562–355581
9. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
11. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, पलामू

PR 384797 Rural Development (26-27)_D

कार्यालयः–जिला जल एवं स्वच्छता समिति, मेदिनीनगर

इच्छा की अभिव्यक्ति(EOI)

EOI NO- SBM(G) Phase II/DWSD/PWMU/02/2026-27(1st Call)

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण चरण–2 के तहत जिले के सभी ग्रामों में प्लास्टिक कचरा का प्रबंधन का कार्य किया जाना है। इस कार्य हेतु जिले के पंचायतों में ठोस कचरा का उठाव एवं परिवहन हेतु बैट्री संचालित कचरा उठाव वाहन उपलब्ध कराया गया है। इन वाहनों के माध्यम से ठोस कचरा का उठाव कराते हुए जिला स्तर पर निर्मित 1 अद्द(लेस्लीगंज) प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाई में लाया जायेगा एवं प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन का कार्य किया जाना है। इस कार्य हेतु जिला स्तरीय निर्मित प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाई में आवश्यक मशीनों (दाना मेकिंग मशीन), विद्युत संयोजन एवं अन्य उपस्करों का क्रय करते हुए विभाग द्वारा स्थापित कराया जा चुका है। इसके अतिरिक्त कोई भी मशीन विभाग द्वारा उपलब्ध नहीं कराया जायेगा।

कार्यालय, निदेशक स्वच्छ भारत मिशन ग्रा0 पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड, रॉंची का पत्रांक– SBM(G) P-II-364/2023-355 दिनांक– 22.02.2024 के द्वारा जिले अंतर्गत निर्मित प्लास्टिक कचरा प्रबंधन ईकाई के संचालन करने हेतु स्वयं सहायता समूह, गैर सरकारी संगठन, निजी उद्यम एवं बड़े व्यपारी जो कबाड़ी का काम करते है से कराये जाने का निर्देश प्राप्त है।

अतः विभाग के सहयोग से जिले अंतर्गत निर्मित 1 अद्द(लेस्लीगंज) प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाई के संचालन हेतु इच्छुक स्वयं सहायता समूह, गैर सरकारी संगठन, निजी उद्यम एवं बड़े व्यपारी जो कबाड़ी वाले को इच्छा की अभिव्यक्ति **दो वर्ष** हेतु आमंत्रित की जाती है।

नोटः– नियम एवं भार्त संबंधित विवरणी कार्यपालक अभियंता–सह–सदस्य सचिव जिला जल एवं स्वच्छता समिति, मेदिनीनगर के कार्यालय के सूचना पटट् अथवा जिले के वेबसाईट palamu.nic.in पर देखी जा सकती है।

कार्यालय, निदेशक स्वच्छ भारत मिशन ग्रा0 पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड, रॉंची का पत्रांक– SBM(G) P-II-364/2023-355 दिनांक– 22.02.2024 के द्वारा जिले अंतर्गत निर्मित प्लास्टिक कचरा प्रबंधन ईकाई के संचालन करने हेतु स्वयं सहायता समूह, गैर सरकारी संगठन, निजी उद्यम एवं बड़े व्यपारी जो कबाड़ी वाले से कराये जाने के आलोक में :–

Sl.No.	Item Details	Particulars
1	Last Date of Bid Submission	20.07.2026(Till 1:00 pm)
2	Date of Bid Opening	20.07.2026 (4:00 pm)
3	Tender No.	EOI NO- SBM(G) Phase II/DWSD/PWMU/02/2026-27
4	Tender Fee	Rs. 10000/-(Rupees Ten Thousand Only)
5	BID Security(EMD)	Rs. 325000/- (Rupees Three Lacks Twenty Five Thousand Only)
6	Pre-Bid Conference(Address)	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय जिला जल एवं स्वच्छता समिति, मेदिनीनगर।, मो0 नं0.– 9973742366 Email- eedwsd.medininagar@gmail.com
7	Address of communication	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय जिला जल एवं स्वच्छता समिति, मेदिनीनगर।, मो0 नं0.– 9973742366 Email- eedwsd.medininagar@gmail.com
8	Mobile Number	9973742366
9	Contact Person	Executive Engineer
10	Email Contact	eedwsd.medininagar@gmail.com

कार्यपालक अभियंता–सह–सदस्य सचिव,
जिला जल एवं स्वच्छता समिति, मेदिनीनगर

PR 384860 District(26-27)#D

संक्षिप्त समाचार

अगर मेरी सलाह मान ली होती तो पीएम होते', रामदास आठवले ने दिया शरद पवार को एनडीए में आने का न्योता

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शरद पवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल होने का केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने खुला आमंत्रण दिया है। आठवले ने कहा कि पवार के लंबे राजनीतिक अनुभव का फायदा देश और महाराष्ट्र की राजनीति को मिल सकता है। रामदास आठवले ने कहा कि शरद पवार देश के वरिष्ठ और अनुभवी राजनेताओं में से एक हैं। उन्होंने कई वर्षों तक महाराष्ट्र के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अगर पवार ह्र्र के साथ आते हैं, तो इसका फायदा सरकार और देश के विकास कार्यों को मिल सकता है। आठवले ने अपने पुराने राजनीतिक संबंधों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'जब हम पवार साहब के साथ थे, तब मैंने उन्हें कांग्रेस में विलय करने की सलाह दी थी। अगर उन्होंने वह सलाह मान ली होती, तो शायद वह देश के प्रधानमंत्री बन गए होते।' शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) फिलहाल विपक्ष की राजनीति में सक्रिय है। महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी के माध्यम से शरद पवार भाजपा और महायुति के खिलाफ अपनी राजनीतिक भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे समय में रामदास आठवले के इस बयान से महाराष्ट्र की राजनीति में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि, शरद पवार या उनकी पार्टी की ओर से रामदास आठवले के इस आमंत्रण पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच आठवले के इस बयान पर राजनीतिक गलियारों की नजर बनी हुई है।

गोवा में पत्नी के साथ मिलकर 83 साल के पिता को बेरहमी से पीटने वाला बेटा गिरफ्तार

पणजी, एजेंसी। सोशल मीडिया पर एक 83 वर्षीय बुजुर्ग के साथ घर के अंदर कथित तौर पर मारपीट करने का खौफनाक वीडियो सामने आया है। इस घटना के संज्ञान में आने के बाद गोवा पुलिस ने बुजुर्ग के बेटे और बहू के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वायरल क्लिप में कथित तौर पर आरोपियों द्वारा बुजुर्ग को थप्पड़ मारते, चप्पलों से पीटते और धमकाते हुए देखा जा सकता है। कोलवा पुलिस ने शुक्रवार शाम को अपने पिता लोयोला सूजा के साथ कथित तौर पर बेरहमी से मारपीट करने के आरोप में बेतालबतीम के इसिडोरियो सूजा को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी भारतीय न्याय संहिता और माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 के विभिन्न प्रावधानों के तहत की गई है। पुलिस ने बताया कि इसिडोरियो की पत्नी आइरीन गोंसाल्वेस पर भी इसी अपराध के तहत मामला दर्ज किया गया है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए केस दर्ज होने के समय उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया। कुनकोलिम के रहने वाले क्रिसोस्टोमो मारियानो सोरेस द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, उन्होंने सोशल मीडिया पर यह वीडियो देखा था। सोरेस ने बताया कि वीडियो में एक महिला और एक पुरुष 83 वर्षीय लोयोला सूजा के साथ शारीरिक रूप से मारपीट करते नजर आ रहे थे, जिसके बाद उन्होंने पुलिस का दरवाजा खटखटाया। शिकायत के मुताबिक, वीडियो क्लिप में कथित तौर पर आइरीन को लोयोला को थप्पड़ मारते और बाद में चप्पलों से पीटते हुए देखा जा सकता है। इसके बाद, इसिडोरियो भी कथित तौर पर इस वरिष्ठ नागरिक को थप्पड़ और मुक्कों से मारता हुआ दिखाई देता है। शिकायतकर्ता सोरेस ने कहा कि क्लिप में इसिडोरियो और आइरीन दोनों बुजुर्ग व्यक्ति को गाली देते, धमकाते और अपमानित करते हुए साफ सुनाई दे रहे हैं।

रासायनिक खेती छोड़ प्राकृतिक खेती अपना रहे किसान

कई फसलों पर मिल रहा है एमएसपी

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में खेती अब प्राकृतिक खेती किसानों की आय बढ़ाने का मजबूत माध्यम बनती जा रही है. प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन मिलने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल रही है. रासायनिक खेती से दूरी और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ते कदमों के बीच सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के जरिए किसानों को ऐसा भरोसा दिया है, जिसकी देशभर में चर्चा हो रही है. यही वजह है कि हर साल प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों की संख्या बढ़ रही है और खेतों से निकलने वाली उपज अब पहले से कहीं अधिक कीमत पर बिक रही है.

प्रदेश सरकार ने प्राकृतिक खेती को किसानों की आर्थिक समृद्धि, बेहतर स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए व्यापक अभियान का रूप दिया है. वहीं, हिमाचल देश का पहला राज्य बन गया है, जहां प्राकृतिक खेती से तैयार फसलों की सरकारी खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है. सरकार अब प्राकृतिक गेहूं 80 रुपये प्रति किलो, मक्की 50 रुपये, कच्ची हल्दी 150 रुपये, पांगी घाटी की जौ 80 रुपये और अदरक 30 रुपये प्रति किलो की दर से खरीद रही है. इससे किसानों को बाजार में बेहतर दाम मिलने की गारंटी मिली है. प्राकृतिक खेती पर मिल रहे एमएसपी के कारण प्रदेश में वर्तमान समय में किसानों और खेती के क्षेत्रफल में वृद्धि हुई है. सरकार के ताजा आंकड़ों के अनुसार 2026 में 2.56 लाख से अधिक किसान प्राकृतिक खेती से जुड़े हैं. 2024 ये आंकड़ा 1 लाख 98 हजार के करीब था, जबकि 2025 में ये 2 लाख 22 हजार 893 तक पहुंच गया था. इसके साथ प्राकृतिक खेती का क्षेत्रफल भी बढ़ा है. 2018 में प्राकृतिक खेती की शुरुआत हुई थी. उस दौरान 628 हेक्टेयर में प्राकृतिक खेती होती थी. पिछले साल ये 38 हजार 437 हेक्टेयर था. इस साल ये क्षेत्रफल बढ़कर 44,785 हेक्टेयर हो गया है. 2030 तक हिमाचल में सरकार ने रसायन मुक्त खेती का लक्ष्य रखा है. हिमाचल प्रदेश में हुए प्राकृतिक खेती की शुरुआत पहले ही साल में 628 हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती की तकनीक

से फसल तैयार की गई. इसके बाद धीरे-धीरे किसान प्राकृतिक खेती से जुड़ते गए. इस वजह से आज प्रदेश में साढ़े तीन हजार से ज्यादा पंचायतों में 3.06 लाख से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया गया है, जिसमें 2.56 लाख किसान रासायनिक खेती को छोड़कर44,785 हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक तकनीक से विभिन्न फसलें उगा रहे हैं. वहीं, प्राकृतिक उत्पादों की बिक्री में पारदर्शिता लाने को लेकर सरकार ने स्व-प्रमाणन प्रणाली सर्टिफाइड इवैल्यूएशन टूल फॉर एग्रीकल्चर रिसोर्स एनालिसिस नेचुरल फार्मिंग (सीईटीएआरए-एनएफ) शुरू की है, जिसके तहत 1,96,892 किसानों को सितारा सर्टिफिकेट से प्रमाणित किया जा चुका है.

पिछले वर्ष की तुलना में इस बार प्राकृतिक गेहूं की खरीद और इसे बेचने वाले किसानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है. वहीं, जनजातीय क्षेत्रों के पारंपरिक प्राकृतिक उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में भी तेजी से काम हो रहा है. चंबा जिले के पांगी उपमंडल को राज्य का पहला प्राकृतिक खेती उपमंडल घोषित किया जा चुका है, जबकि बड़ा भंगाल क्षेत्र को प्राकृतिक खेती पंचायत बनाने और वहां के प्रसिद्ध राजमाह को जीआई टैग दिलाने की कवायद भी शुरू कर दी गई है.

कृषि विभाग में अलग मार्केटिंग विंग स्थापित करने की तैयारी चल रही है. इसके साथ ही, हमीरपुर में 8.64 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित अत्याधुनिक राज्य अवशेष परीक्षण प्रयोगशाला प्राकृतिक उत्पादों की गुणवत्ता और प्रमाणिकता की वैज्ञानिक जांच सुनिश्चित करेगी. सरकार का दावा है कि इन पहलों से हिमाचल का प्राकृतिक खेती मॉडल देश के लिए नई मिसाल बनेगा।

3 लाख की एडवांस पेमेंट, मुंबई तक स्पेशल कोच... चलती ट्रेन में पूजा का वीडियो वायरल होने पर रेलवे ने दी सफाई

मुंबई, एजेंसी। सोशल मीडिया पर एक चलती ट्रेन के डिब्बे के अंदर पूजा-अर्चना का एक वीडियो तेजी वपायरल हो रहा। वीडियो में एक पुजारी ट्रेन की फर्श पर बैठकर पूजा-अनुष्ठान करते हुए दिख रहे हैं और उनके साथ सफेद वस्त्र पहने कई श्रद्धालु भी मौजूद हैं। यह अनुष्ठान चलती ट्रेन के भीतर किया गया, वीडियो वायरल होने के बाद इसने नया विवाद खड़ा कर दिया है। अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या ट्रेन के डिब्बों के अंदर धार्मिक समारोह आयोजित करने की अनुमति है।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद इस पर संज्ञान लेते हुए उत्तरी रेलवे ने स्पष्टीकरण जारी किया है। एक्स अकाउंट ने जवाब मांगने वाले एक पोस्ट का उत्तर देते हुए कहा कि पूजा एक विशेष सैलून कार के अंदर हुई थी। रेलवे के मुताबिक, यह पूजा किसी सामान्य यात्री कोच में नहीं, बल्कि द्धत्रष्टञ्जष्ट के माध्यम से 3 लाख रुपये से अधिक में बुक की गई एक निजी 'सैलून कार' के अंदर हुई थी।

उत्तरी रेलवे के एक्स अकाउंट ने स्पष्ट किया,

'सीआरडी द्वारा 8 जुलाई 2026 को सैलून कार बुक की गई थी। पार्टी ने वाणिज्यिक बुकिंग के रूप में 3,08,580 का अग्रिम भुगतान किया था। सैलून कार को 10 जुलाई 2026 को नई दिल्ली से मुंबई तक एकतरफा यात्रा के लिए ट्रेन संख्या 12926 पश्चिम एक्सप्रेस में जोड़ा जाना था।' रेलवे ने साफ किया कि वीडियो में अभिषेक करते हुए दिखाई देने वाला पुजारी एक निजी पार्टी द्वारा बुक की गई सैलून कार के अंदर आयोजित समारोह का हिस्सा था। रेलवे अधिकारियों ने इस बात पर विशेष जोर दिया है कि यात्रियों की सुरक्षा और रेल परिचालन हमेशा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रेलवे की प्राथमिक भूमिका और जिम्मेदारी बिना किसी समझौते के यात्रियों की समयबद्धता, सुरक्षा, संरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना है। ट्रेन का सैलून कार एक निजी, आलीशान रेल डिब्बा होता है जो उच्च पदस्थ अधिकारियों और वीआईपी के लिए डिजाइन किया गया होता है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर चंडीगढ़ में वेंडर्स को मिलेगा ठिकाना, 18 को ड्रॉ; साइट्स पर जंगल जैसी स्थिति, कैसे आएंगे ग्राहक?

चंडीगढ़, एजेंसी। वेंडिंग जोन और माडल वेंडिंग जोन की स्थिति की समीक्षा के लिए एक कमेटी बनाई गई है। यह कमेटी ग्राउंड लेवल पर जाकर वेंडिंग जोन की वास्तविक स्थिति का पता लगाएगी। वेंडिंग जोन के नाम के बोर्ड तो सेक्टरों में लगे हैं, लेकिन इनकी

फेंसिंग के भीतर घास और जंगल जैसी स्थिति है। ऐसे में वेंडर कैसे काम कर पाएंगे, यह निगम को विचार करना चाहिए। यदि वेंडर वहां बैठ भी जाएं, तो ग्राहक कैसे पहुंचेंगे, यह एक बड़ा सवाल है। सेक्टर-52 और 49 जैसे क्षेत्रों में वेंडिंग जोन की स्थिति चिंताजनक है। वेंडर्स को इन वेंडिंग जोन में स्थानांतरित करने के लिए 18 जुलाई को ड्रॉ आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद वेंडरों के लिए साइट और वेंडिंग जोन निर्धारित होंगे। टाउन वेंडिंग कमेटी द्वारा गठित कमेटी नई वेंडिंग जोन साइट का निरीक्षण भी करेगी।

हिमाचल में सीबीएसई स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती के लिए मिक्स मॉडल की सिफारिश, 20 जुलाई को होगा फाइनल निर्णय

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के 158 सीबीएसई पाठ्यक्रम आधारित सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती को लेकर जारी असमंजस जल्द खत्म हो सकता है। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडलीय उपसमिति ने अपनी रिपोर्ट और सिफारिशें तैयार कर ली हैं, जिन्हें 20 जुलाई को होने वाली राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में अंतिम मंजूरी के लिए रखा जाएगा। सूत्रों के अनुसार उपसमिति ने मेरिट, वरिष्ठता और शिक्षकों की पसंद को संतुलित करने वाला मिश्रित माडल सुझाया है। सरकार

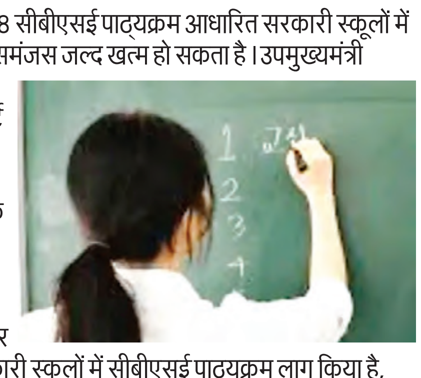

ने निजी स्कूलों की तर्ज पर 158 सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू किया है, जहां 3,468 से अधिक शिक्षकों की तैनाती की जानी है। इसके लिए विभाग पहले ही आवेदन और लिखित परीक्षा की प्रक्रिया पूरी कर चुका है। विवाद इस बात को लेकर है कि लिखित परीक्षा में चयनित शिक्षक मेरिट के आधार पर पसंदीदा स्कूलों में नियुक्ति चाहते हैं, जबकि पहले से कार्यरत शिक्षक वरिष्ठता और अनुभव को भी महत्व देने की मांग कर रहे हैं। शिक्षा विभाग दोनों पक्षों के हितों में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। सरकार का मानना है कि सीबीएसई व्यवस्था से गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों को बेहतर गुणवत्ता की शिक्षा मिलेगी। योजना शुरू होने के बाद सरकारी स्कूलों में 16 हजार से अधिक अतिरिक्त दाखिले हो चुके हैं। सरकार आने वाले वर्षों में 200 और सरकारी स्कूलों को सीबीएसई से संबद्ध करने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने वर्ष 2025 के स्वतंत्रता दिवस पर इस पहल की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य सरकारी और निजी स्कूलों के बीच गुणवत्ता की धारणा के अंतर को समाप्त करना है।

मंजलपुर उपचुनाव: भाजपा के गढ़ में कांग्रेस का दांव, चुनावी मैदान में सतीश पटेल-भीखाभाई रबारी होंगे आमने-सामने

वडोदरा , एजेंसी। गुजरात के वडोदरा में मंजलपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने वाले है। इस उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी अपने उम्मीदवार के रूप में सतीशभाई गोविंदभाई पटेल को चुनावी मैदान में उतार चुका है। इसके बाद अब कांग्रेस ने भी अपनी पार्टी से उम्मीदवार की घोषणा

कर दी है। कांग्रेस पार्टी ने मंजलपुर विधानसभा सीट से उपचुनाव के लिए भीखाभाई रबारी को चुनावी मैदान में उतारने की घोषणा कर दी है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुजरात विधानसभा के 145-मंजलपुर निर्वाचन क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव के लिए भीखाभाई रबारी की कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर उम्मीदवारी को मंजूरी दे दी है। अब साफ हो गया है कि गुजरात विधानसभा की मंजलपुर सीट के लिए भाजपा से सतीशभाई गोविंदभाई पटेल और कांग्रेस से भीखाभाई रबारी आमने-सामने होंगे।

कांग्रेस पार्टी ने की घोषणा: कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे ने गुजरात विधानसभा के 145-मंजलपुर निर्वाचन क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव के लिए श्री भीखाभाई रबारी की कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर उम्मीदवारी को मंजूरी दे दी है। अब दोनों के बीच में कांटे की टक्कर देखना दिलचस्प होगा।

मंजलपुर विधानसभा सीट पर कब होगा मतदान: आपको जानकारी दें, कि चुनाव आयोग ने 2 जुलाई को मंजलपुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव की घोषणा की थी। मंजलपुर विधानसभा क्षेत्र का उपचुनाव 30 जुलाई को होगा और मतगणना 3 अगस्त को की जाएगी।

बता दें, कि भारतीय जनता पार्टी के मौजूदा विधायक योगेश पटेल के निधन के बाद यह उपचुनाव कराए जा रहे है। योगेश पटेल आठ बार विधायक रह चुके है। भाजपा के वरिष्ठ नेता योगेश पटेल तीन बार इसी सीट से बड़ें अंतर से अपने विरोधियों को हराते हुए बड़ी जीत हासिल की थी। इसलिए योगेश पटेल की मंजलपुर सीट पर मजबूत पकड़ थी और इसी लिए यह सीट उनकी पहचान से जुड़ी हुई मानी जाती थी। 79 वर्ष की उम्र में लंबी बीमारी के कारण दो जून को वडोदरा में उनका निधन हो गया था।

गुजरात के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने दी बधाई

भीखाभाई रबारी की मिली उम्मीदवारी को लेकर कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने पहले से ही जीत का दावा कर दिया है। गुजरात के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमित छावड़ा ने भीखभाई रबारी को अभी से जीत के लिए शानदार बधाई दी।

उन्होंने बधाई देते हुए अपने एक्स प्लेफॉर्म पर लिखा, 145-मजलपुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए इंडियन नेशनल कांग्रेस के उम्मीदवार के तौर पर चुने जाने पर पूर्व मंत्री, गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता भीखभाई रबारी को हार्दिक बधाई और उनकी शानदार जीत के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं।

आखिरी बातचीत में मां से मांगे थे 6000 रुपये', हैदराबाद के छात्र की फिनलैंड में मौत पर परिवार ने उठाए सवाल

हेलसिंकी/हैदराबाद, एजेंसी। फिनलैंड में रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हुए हैदराबाद के 18 वर्षीय छात्र मनीदीप रेड्डी गुज्जा को दो महीने से अधिक समय के बाद शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर मृत घोषित कर दिया गया। फिनलैंड के नेशनल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन की इस घोषणा ने उस दर्दनाक खोज को खत्म कर दिया है, जिसने उनके परिवार को हताश कर दिया था। हालांकि, फिनिश अधिकारियों का कहना है कि मौत के पीछे किसी अपराध के संकेत नहीं हैं, लेकिन मनीदीप के परिवार ने साजिश का आरोप लगाते हुए स्वतंत्र जांच की मांग की है।

मनीदीप रेड्डी हैदराबाद के रहने वाले थे और फिनलैंड की लैपेनरंता-लाहटी यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे थे। वह 4 मई से लापता थे। 9 जुलाई को मनीदीप के परिवार को से एक ईमेल मिला, जिसमें बताया गया कि उस जगह के पास समुद्र से एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ है, जहां मनीदीप को आखिरी बार देखा गया था। शुक्रवार शाम को अधिकारियों ने परिवार को सूचित किया कि आधिकारिक पहचान प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, उंगलियों के निशान के मिलान से यह पुष्टि हुई कि शव मनीदीप का ही था, क्योंकि उनके फिंगरप्रिंट फिनिश आव्रजन रजिस्टर के रिकॉर्ड से मेल खा गए।

वॉलेट से मिले पहचान पत्र और भारतीय रुपया

फिनिश अधिकारियों ने परिवार को यह भी बताया कि मृतक के शरीर से एक वॉलेट बरामद हुआ है, जिसमें मनीदीप के नाम का फिनिश पहचान पत्र था। इसके अलावा, वॉलेट में मनीदीप की मां का एक क्रेडिट कार्ड और लगभग 500 रुपये की भारतीय मुद्रा भी पाई गई।

फिनिश पुलिस के मुताबिक, फिलहाल ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जो किसी आपराधिक घटना की ओर इशारा करता हो। अधिकारियों ने कहा कि मौत के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए अगले सप्ताह फॉरेंसिक पोस्टमार्टम किया जाएगा। पुलिस द्वारा भेजे गए ईमेल में यह भी कहा गया है कि हेलसिंकी में स्थित भारतीय दूतावास को इस घटनाक्रम की जानकारी दे दी जाएगी।

परिवार ने उठाए सवाल, विदेश मंत्रालय से गुहार

इस सबके बीच, मनीदीप के परिवार का कहना है कि अभी भी कई सवाल अनुत्तरित हैं और उन्होंने जांच के निष्कर्षों पर संदेह व्यक्त किया है। परिवार ने कहा कि हमें कोई भी तस्वीर या अन्य भौतिक सबूत नहीं दिखाए गए हैं। हम भारत के विदेश मंत्रालय से अपील करते हैं कि वे इस मामले का संज्ञान लें और इन विवरणों की स्वतंत्र रूप से आगे जांच करवाएं।

अमरनाथ यात्रा: यूपी के भक्त ने पूरी की माता-पिता की इच्छा

अनंतनाग , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के एक युवा भक्त ने अमरनाथ यात्रा के दौरान अपने माता-पिता की पवित्र गुफा मंदिर जाने की पुरानी इच्छा पूरी करके साथी तीर्थयात्रियों का दिल जीत लिया और भगवान शिव को एक त्रिशूल चढ़ाया. नेक काम की साथी तीर्थयात्रियों ने तारीफ की और इसे माता-पिता के प्रति समर्पण, प्रेम और सेवा का दिल को छू लेने वाला उदाहरण बताया. गुफा मंदिर में पूजा करने के बाद हाथरस के भक्त ने कहा कि अपने पिता गोपाल दास वर्मा और मां के साथ तीर्थ यात्रा पर जाना उनके जीवन की सबसे बड़ी इच्छाओं में से एक था. उन्होंने कहा, 'मेरा सपना था कि मैं अपने माता-पिता को पवित्र गुफा मंदिर ले जाऊं.

हिंदू राष्ट्र से डरने की जरूरत नहीं..., बाबा रामदेव के बयान पर भड़के मुस्लिम संगठन

हरिद्वार , एजेंसी। योग गुरु बाबा रामदेव रविवार को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने हिंदू राष्ट्र और मुसलमानों बयान दिया। उन्होंने कहा कि भले ही हमारे मजहब अलग हैं, लेकिन पूर्वज एक ही है। मुसलमानों को हिंदू राष्ट्र से डरने की जरूरत नहीं। रामदेव के बयान के बाद देशभर से तरह-तरह की प्रतिक्रिया सामने आई है। मुस्लिम समाज के लोग रामदेव को धोखेबाज करार दिया।

हमारे हरिद्वार के पास देवबंद है। मुझे 2009 में वहां बुलाया गया था, और मैंने उनसे कहा कि हमारे धर्म भले ही अलग हों, लेकिन हमारे पूर्वज एक ही हैं। 'हिंदू राष्ट्र' की सोच से किसी को डरने की जरूरत नहीं है। हम सबके पूर्वज सनातनी हिंदू आर्य-वैदिक थे। यह बात हमारे सामने ही लिखी हुई है। कुछ लोग पूछते हैं कि अगर हिंदू राष्ट्र बन गया, तो मुसलमान कहां जाएंगे?

रामदेव ने मुस्लिमों को नसीहत देते हुए कहा कि बस अपने पूर्वजों की परंपराओं को अपना लें। आप दाढ़ी रखें या शेव करवा लें। कोई भी कपड़े पहनें, लेकिन अपने पूर्वजों जैसा चरित्र बनाए रखें। हिंदुस्तान में मुसलमानों या ईसाइयों के लिए कोई खतरा नहीं है। बाबा रामदेव के बयान पर तेलंगाना के तहरीक मुस्लिम शब्बान के अध्यक्ष मौलाना मुस्ताक मलिक ने पलटवार किया है। मीडिया एजेंसी आईएएनएस से बात करते 'तहरीक मुस्लिम शब्बान' के अध्यक्ष मौलाना मुश्ताक मलिक ने कहा कि बाबा रामदेव ने दावा किया कि मुसलमान भी सनातनी हैं और उनके पूर्वज सनातन धर्म को मानते थे। असल में, जो लोग बाहर से आए थे, वे इस जमीन के मूल निवासी नहीं हैं; इस देश के मूल निवासी द्रविड़ हैं। बाबा रामदेव ने मुसलमानों का मजाक भी उड़ाया और कहा कि उन्हें दाढ़ी रखनी चाहिए और मूंछें छोटी रखनी चाहिए। हम निश्चित रूप से इस्लाम को मानते हैं। हम बाबा रामदेव जैसे धोखेबाज और समाज में फूट डालने वाले व्यक्ति को पूरी तरह से नकारते हैं। देश में भाईचारा बढ़ाने के बजाय, ये लोग नफरत फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे देश को नुकसान होगा। वे देश को तरक्की की ओर नहीं, बल्कि बर्बादी की ओर ले जा रहे हैं। रामदेव के बयान पर पलटवार करते हुए मौलाना सिराज खान ने कहा कि मुसलमान डरा हुआ नहीं है। बाबा रामदेव किसे डराने की कोशिश कर रहे हैं। शायद बाबा रामदेव ही डरे हुए हैं। यह देश संविधान से चलेगा। बीआर अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान के अनुसार काम होगा।

विचार-मंथन

संपादकीय

हर बरसात में डूबते शहर, दरकते पहाड़, आखिर कब होगी तैयारी पूरी?

देश में मानसून के दौरान होने वाले जान-माल के नुकसान की एक बड़ी वजह खराब बुनियादी ढांचे, अनियोजित शहरीकरण, जलनिकासी की माकूल व्यवस्था न होना, अवैज्ञानिक एवं अवैध तरीके से खनन और वनों की अंधाधुंध कटाई है। भारी बारिश के बीच जलमग्न शहर, भूस्खलन प्रभावित पहाड़ी क्षेत्र और राहत-बचाव अभियान को दर्शाती सांकेतिक फीचर इमेज, जो मानसून के दौरान बाढ़, जलभराव और आपदा प्रबंधन की चुनौतियों को दर्शाती है। देश के कई हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश, जलभराव और भूस्खलन की घटनाएं इस बात की याद दिलाती हैं कि प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए समय रहते मजबूत बुनियादी ढांचे और प्रभावी आपदा प्रबंधन की आवश्यकता है। देश भर में हर साल मानसून का बेसब्री से इंतजार किया जाता है, क्योंकि कृषि, पेयजल, ऊर्जा और गर्मी से राहत के दृष्टिकोण से इसे जीवन का आधार माना जाता है। मगर जब मानसून भारी बारिश के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है, तो जीवन की रफ्तार थम जाती है। मैदानों में सड़कों पर जलभराव से यातायात ठप हो जाता है और बाढ़ की वजह से कई लोगों को अपने घर छोड़ने पड़ते हैं।वहीं, पहाड़ों पर भूस्खलन और बादल फटने की घटनाएं कई जिंदगियों को लील लेती हैं। शासन-प्रशासन की ओर से इसे प्राकृतिक आपदा का नाम दिया जाता है, लेकिन असल में इसके लिए काफी हद तक मानव-निर्मित परिस्थितियां भी जिम्मेदार होती हैं। इस बार भी मानसून को आए अभी ज्यादा दिन नहीं हुए हैं और जम्मू-कश्मीर से लेकर केरल तक बाढ़, भूस्खलन तथा जलभराव का सिलसिला शुरू हो गया है।केरल के वायनाड में बीते मंगलवार को हुए भूस्खलन में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अभी तक लापता हैं। मुंबई पहले से ही भारी बरसात से बेहाल है और बुधवार को बारिश से दिल्ली का भी यही हाल हो गया। देश में मानसून के दौरान होने वाले जान-माल के नुकसान की एक बड़ी वजह खराब बुनियादी ढांचे, अनियोजित शहरीकरण, जलनिकासी की माकूल व्यवस्था न होना, अवैज्ञानिक एवं अवैध तरीके से खनन और वनों की अंधाधुंध कटाई है। भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण हर साल सैकड़ों जानें जाती हैं और करोड़ों रुपए की संपत्ति नष्ट हो जाती है। मैदानी इलाकों में महानगरों से लेकर छोटे शहरों में ढांचागत विस्तार तो हो रहा है, लेकिन मुख्य रूप से जल निकासी की व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया जाता है। हर साल बरसात से पहले नालियों की साफ-सफाई के लिए विशेष अभियान शुरू किए जाते हैं, लेकिन इनका क्रियान्वयन ज्यादातर सरकारी कागजों तक ही सीमित रहता है। इसी का नतीजा है कि दिल्ली से लेकर महाराष्ट्र और गुजरात तक इन दिनों लोगों को जलभराव एवं बाढ़ की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। अक्सर यह देखा जाता है कि इस तरह की आपदा के बाद प्रशासन की ओर से जोर-शोर से राहत कार्य शुरू किए जाते हैं, लेकिन यही सतर्कता और गंभीरता अगर बरसात से पहले दिखाई जाए, तो नुकसान को निश्चित तौर पर कम किया जा सकता है। भू-विशेषज्ञों के मुताबिक, हिमालयी क्षेत्रों और पश्चिमी घाटों में अंधाधुंध खनन, वनों की कटाई तथा अनियंत्रित ढांचागत निर्माण के कारण मिट्टी की पकड़ कमजोर हो रही है। इसी कारण भारी बारिश और बादल फटने से पहाड़ दरक रहे हैं, जिससे बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हो रहा है। केरल के वायनाड में भूस्खलन की घटना इसका ताजा उदाहरण है। खबरों के मुताबिक, इस जगह एक सुरंग निर्माणाधीन है और पहाड़ी से निकाली गई मिट्टी भी पास में ही डाली गई थी। भारी बारिश से पहाड़ी का एक हिस्सा टूटकर मलबे के साथ नीचे आ गया। इसी कारण अब परियोजना कंपनी के कार्य पर भी सवाल उठ रहे हैं। इसमें दोराय नहीं कि जलवायु परिवर्तन के कारण हाल के वर्षों में मौसम का मिजाज काफी बदल गया है। कभी सूखा, तो कभी बहुत कम समय में अत्यधिक बारिश से हालात भयावह हो जाते हैं। मगर यह भी सच है कि अगर समय रहते व्यवस्थित तरीके से तैयारी कर ली जाए, तो समस्याओं और नुकसान से काफी हद तक बचा जा सकता है।

संन्यास के बाद सुनील गावस्कर क्रिकेट से कभी दूर नहीं हुए। उन्होंने कमेंटेटर, स्तंभकार और विश्लेषक के रूप में नई पहचान बनाई। भारतीय क्रिकेट प्रशासन से भी जुड़े और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की क्रिकेट समिति के अध्यक्ष रहे। स्पष्ट राय रखने के कारण वह कई बार विवादों में भी रहे, लेकिन उनकी बेबाक शैली ने उन्हें क्रिकेट जगत की सबसे प्रभावशाली आवाजों में शामिल रखा।

बिना हेलमेट 10 हजार रन, कैसे लिटिल मास्टर ने बदल दी भारतीय क्रिकेट की तस्वीर

(आलोक श्रीवास्तव)

सुनील गावस्कर सिर्फ भारत के महान सलामी बल्लेबाज नहीं थे, बल्कि वह खिलाड़ी थे जिन्होंने भारतीय क्रिकेट को दुनिया के सामने नई पहचान दिलाई। बिना हेलमेट 10 हजार टेस्ट रन, 34 शतक और वेस्टइंडीज के घातक गेंदबाजों पर दबदबा-जानिए क्यों उनकी विरासत रिकॉर्ड्स से कहीं बड़ी है। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में कुछ नाम सिर्फ रिकॉर्ड के कारण याद नहीं किए जाते, बल्कि इसलिए अमर हो जाते हैं क्योंकि उन्होंने खेल की दिशा बदल दी। सुनील मनोहर गावस्कर ऐसा ही एक नाम हैं। उन्होंने उस दौर में भारतीय बल्लेबाजी को नई पहचान दी, जब दुनिया के सबसे खतरनाक तेज गेंदबाज बिना हेलमेट बल्लेबाजों को डराने के लिए जाने जाते थे। सुनील गावस्कर ने न सिर्फ उन गेंदबाजों का डटकर सामना किया, बल्कि यह भी साबित किया कि तकनीक, धैर्य और मानसिक मजबूती किसी भी रफ्तार से बड़ी ताकत हो सकती है। आज भारतीय बल्लेबाज दुनिया के किसी भी देश में जाकर आत्मविश्वास से खेलते हैं। इस आत्मविश्वास की नींव रखने वालों में अगर किसी एक बल्लेबाज का नाम सबसे ऊपर रखा जाए तो वह सुनील गावस्कर हैं। उन्होंने भारतीय क्रिकेट को सम्मान दिलाया और यह विश्वास भी कि भारत सिर्फ स्पिन गेंदबाजों का देश नहीं, बल्कि विश्व स्तरीय बल्लेबाजों की भी भूमि है। तकनीक इतनी मजबूत कि गेंदबाजों का धैर्य टूट जाता था मुंबई में 10 जुलाई 1949 को जन्में सुनील गावस्कर को क्रिकेट इतिहास के महानतम सलामी बल्लेबाजों में गिना जाता है। उनकी बल्लेबाजी का सबसे बड़ा आधार उनकी लगभग त्रुटिहीन तकनीक थी। ऑफ स्टंप की शानदार समझ, गेंद की लंबाई को तुरंत पढ़ लेने की क्षमता, दाएं और बाएं दोनों पैरों पर समान दक्षता तथा बेहतरीन संतुलन उन्हें अलग बनाते थे। सुनील गावस्कर की रक्षात्मक बल्लेबाजी को आज भी क्रिकेट की पाठ्यपुस्तक माना जाता है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि बल्लेबाजी की कला सीखने वाले खिलाड़ियों के लिए सुनील गावस्कर की तकनीक किसी आदर्श से कम नहीं है। यही वजह थी कि उनका विकेट हासिल करना दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों के लिए भी आसान नहीं होता था। सुनील गावस्कर के पास लगभग हर तरह का शॉट मौजूद था, लेकिन उन्होंने कभी अनावश्यक आक्रामकता को प्राथमिकता नहीं दी। टीम की जरूरत के अनुसार खेलने की कला ही उन्हें महान बनाती है। बिना हेलमेट 10 हजार रन आज के दौर में हेलमेट, आर्म गार्ड और आधुनिक सुरक्षा उपकरण सामान्य बात हैं, लेकिन सुनील गावस्कर ने अपने करियर का अधिकांश हिस्सा बिना हेलमेट खेले बिताया। सामने माइकल होल्डिंग, एंडी रॉबर्ट्स, मैल्कम मार्शल, जोएल गार्नर और अन्य घातक तेज गेंदबाज होते थे, जिनकी रफ्तार 150 किलोमीटर प्रति घंटे के आसपास पहुंचती थी। ऐसे माहौल में लगभग 16 वर्षों तक बल्लेबाजी करते हुए 10 हजार से अधिक टेस्ट रन बनाना सिर्फ रिकॉर्ड नहीं, बल्कि अद्भुत साहस, आत्मविश्वास और मानसिक दृढ़ता का प्रमाण है। वेस्टइंडीज में नए सितारे का जन्म 1971 का वेस्टइंडीज दौरा भारतीय क्रिकेट के इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण श्रृंखलाओं में गिना जाता है। सुनील गावस्कर ने अपने पहले ही टेस्ट दौरे पर ऐसा प्रदर्शन किया, जिसने पूरी क्रिकेट दुनिया को चौंका दिया। सुनील गावस्कर ने चार टेस्ट मैचों में 774 रन बनाए। इस दौरान चार शतक और तीन अर्धशतक लगाए तथा औसत 154.80 रही। पोर्ट ऑफ स्पेन टेस्ट में उन्होंने दोनों पारियों में शतक जमाया, जिसमें एक दोहरा शतक भी शामिल था। यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह उस समय टेस्ट इतिहास के दूसरे बल्लेबाज बने और आज भी ऐसा करने वाले एकमात्र भारतीय हैं। यहीं से दुनिया को समझ में आ गया कि भारतीय बल्लेबाजी अब सिर्फ घरेलू परिस्थितियों तक सीमित नहीं रहने वाली। वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे भरोसेमंद सुनील गावस्कर का नाम आते ही वेस्टइंडीज के खिलाफ उनकी बल्लेबाजी स्वतः याद आती है। जिस टीम के तेज गेंदबाजों से दुनिया के बड़े-बड़े बल्लेबाज घबराते थे, उसी आक्रमण के खिलाफ सुनील गावस्कर ने सबसे अधिक सफलता हासिल की। सुनील गावस्कर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 65 से अधिक की औसत से रन बनाए। उनका सर्वोच्च टेस्ट स्कोर 236 रन भी इसी टीम के खिलाफ आया। यह सिर्फ एक बड़ी पारी नहीं थी, बल्कि उस दौर के सबसे भयावह गेंदबाजी आक्रमण के सामने धैर्य और कौशल का सर्वोच्च उदाहरण थी। 1979 का द ओवल टेस्ट~ नतीजा ड्रॉ, लेकिन भारतीय क्रिकेट जीता क्रिकेट इतिहास की महान पारियों की चर्चा हो और 1979 के द ओवल टेस्ट में खेली गई सुनील गावस्कर की 221 रन की पारी का उल्लेख न हो, ऐसा संभव नहीं। इंग्लैंड ने भारत के सामने 438 रन का विशाल लक्ष्य रखा था। उस समय चौथी पारी में इतने बड़े लक्ष्य का पीछा करना लगभग असंभव माना जाता था, लेकिन सुनील गावस्कर ने ऐसी बल्लेबाजी की कि भारत जीत के बेहद करीब पहुंच गया। आखिरकार मैच ड्रॉ रहा और भारत लक्ष्य से सिर्फ नौ रन दूर रह गया। हालांकि, जीत नहीं मिली, लेकिन उस पारी ने दुनिया को दिखा दिया कि भारतीय टीम अब सिर्फ सम्मानजनक हार स्वीकार करने वाली टीम नहीं रही। कई क्रिकेट इतिहासकार मानते हैं कि इसी मैच ने विदेशी धरती पर भारतीय बल्लेबाजी की सोच बदल दी। राहुल द्रविड़ से पहले 'दीवार' की असली परिभाषा आज 'द वॉल' का नाम आते ही राहुल द्रविड़ याद आते हैं, लेकिन बल्लेबाजी में विकेट की कीमत समझाने का काम सुनील गावस्कर ने उससे कई दशक पहले कर दिया था। सुनील गावस्कर की बल्लेबाजी ने पूरी पीढ़ी को सिखाया कि हर गेंद पर चौका लगाना महानता नहीं है। सही गेंद का इंतजार करना, गेंदबाज को थकाना और अपनी टीम के लिए लंबे समय तक क्रीज पर टिके रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। 34 शतक जब अजेय माना जाता था यह रिकॉर्ड सुनील गावस्कर टेस्ट क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। उनके नाम 34 टेस्ट शतक थे, जो लंबे समय तक विश्व रिकॉर्ड रहा। बाद में सचिन तेंदुलकर ने इसे पीछे छोड़ा, लेकिन सुनील गावस्कर के रिकॉर्ड का महत्व कभी कम नहीं हुआ। दरअसल, उनकी उपलब्धियों का मूल्य केवल आंकड़ों से नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने उस दौर में यह सब हासिल किया, जब बल्लेबाजी कहीं अधिक कठिन थी, सुरक्षा उपकरण सीमित थे और पिचें भी आज जैसी बल्लेबाजों के अनुकूल नहीं होती थीं। सीमित ओवर क्रिकेट में संघर्ष भी रहा सुनील गावस्कर का करियर यह भी सिखाता है कि महान खिलाड़ी भी हर प्रारूप में समान रूप से सफल नहीं होते। वनडे क्रिकेट में उन्हें टेस्ट जैसी सफलता नहीं मिली। 1979 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 174 गेंदों पर 36 रन की उनकी पारी आज भी क्रिकेट इतिहास की सबसे चर्चित और विवादित पारियों में गिनी जाती है। वह 1983 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे।

स्क्रीन के इस पार भीड़, उस पार अकेला इंसान, सिकुड़ रही हैं हमारी संवेदनाएं

(श्याम यादव)

मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त लोगों की भीड़ के बीच अकेला खड़ा एक व्यक्ति, जो डिजिटल युग में बढ़ते अकेलेपन और मानवीय संबंधों की घटती आत्मीयता का प्रतीक है। डिजिटल दुनिया में पहले से कहीं अधिक जुड़े होने के बावजूद लोग भावनात्मक रूप से पहले से अधिक अकेलापन महसूस कर रहे हैं। मौजूदा दौर में दुनिया की भीड़ ही सबसे ज्यादा चर्चा और चिंता का कारण बन रही है। हमारे आसपास इतने लोग दिखाई देते हैं कि कई बार हम खुद को गुम होता पाते हैं। यह प्रत्यक्ष दुनिया की बात है, लेकिन इसके अलावा आज हम अकेले में भी कभी अकेले नहीं होते हैं। यानी वास्तविक दुनिया की व्यस्तताओं से इतर आभासी दुनिया में हमारी उपस्थिति हमें जरूरत से ज्यादा बड़ी भीड़ से घेरे रखती है।इसके बावजूद आखिर ऐसा क्या है और क्यों है कि चारों तरफ लोगों और भीड़ से घिरे होने के बावजूद हम अक्सर खुद को अकेला पाते हैं, अकेलेपन को लेकर परेशान होते हैं। यही शायद आज हमारे समय की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक है। मनुष्य पहले कभी इतना जुड़ा हुआ नहीं था, लेकिन शायद पहले कभी इतना अकेला भी नहीं था। मोबाइल स्क्रीन, सोशल मीडिया और डिजिटल संपर्कों के इस दौर में संवाद बढ़ा है, पर आत्मीयता घटी है। यही कारण है कि अकेलापन अब केवल व्यक्तिगत अनुभव नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक चुनौती बन गया है। यों तो आभासी दुनिया में हर वक्त भीड़ देखने या उसके बीच मौजूद होने के बावजूद अकेलेपन के एहसास को लेकर दुनिया भर में चिंता जताई जा रही है, लेकिन कुछ समय पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन की सामाजिक संपर्क आयोग की रिपोर्ट ने भी अकेलेपन को वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बताया है। दुनिया भर में हर वर्ष आठ लाख से ज्यादा लोगों की मौत सामाजिक अलगाव और अकेलेपन से जुड़ी हुई मानी जाती है। इससे पता चलता है कि अकेलापन मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न भी है। भारत में परिवार केवल आर्थिक संस्था की हैसियत में चलने वाला कोई ढांचा नहीं है, बल्कि भावनात्मक सहारे का आधार भी रहे हैं। संयुक्त परिवारों में तो कई पीढ़ियां साथ रहती थीं। घरों में बातचीत, हंसी, तकरार और अपनापन जीवन का हिस्सा थे। आज शहरीकरण और बदलती जीवनशैली ने परिवारों को छोटी-छोटी इकाइयों में बांट दिया है। लोग एक ही घर में रहते हुए भी अलग-अलग कमरों और उनमें भी अलग-अलग 'स्क्रीन' में सिमट गए हैं। यह शहरों की तस्वीर है, लेकिन सच यह है कि ग्रामीण समाज भी इस बदलाव से अछूता नहीं है। रोजगार और शिक्षा की तलाश में युवा शहरों की ओर चले गए हैं। गांवों में पीछे छूटे माता-पिता और बुजुर्ग अक्सर सामाजिक और भावनात्मक अकेलेपन का सामना कर रहे हैं। वहीं शहरों में रहने वाला युवा वर्ग भी प्रतिस्पर्धा, असुरक्षा और व्यावसायिक दबावों के बीच अपने भीतर एक खालीपन महसूस करता है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 6151

5			6		7			
	4		3		9	8		
3	7							1
4							3	
6	3		1	2	5		9	4
	1							8
8							7	6
		7	2		6		1	
			5		3			9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6150

2	8	9	4	7	5	1	3	6
5	7	6	1	8	3	4	2	9
3	1	4	2	9	6	8	5	7
7	6	2	5	1	8	3	9	4
4	5	1	9	3	2	6	7	8
9	3	8	6	4	7	2	1	5
6	9	7	8	2	1	5	4	3
8	2	3	7	5	4	9	6	1
1	4	5	3	6	9	7	8	2

वर्ग पहेली 6151

संकेत: बाएं से दाएं
1. राष्ट्रपति पर महाभियोग की प्रक्रिया इस देश से ली गई है (4)
4. यह मालवा पठार की सबसे ऊंची चोटी है, सजावट, सजधज (3)
7. जहां तीन रास्ते आकर मिलते हों (3)
8. कंठ, गले की नली (3)
9. आविष्कार, खोज (3)
13. अंतर, फर्क, दूरी, फासला (4)
16. आकस्मिक, सहसा, इस फिल्म में विनोद खन्ना ने भगोंडे सेनिक की भूमिका की थी (4)
18. फतह हासिल करना (3)
20. काम, कार्य, आचरण (2)
21. छोटा गढ़, किलेदार, किले का (3)
24. एक सिरे से दूसरे तक जाने वाली सीधी रेखा ज्यादा (2)
25. आश्रय, सहारा, जिम्मेदारी (5)

ऊपर से नीचे
1. मेहमान (3)
2. मैं का संबंध सूचक विभक्ति से संयुक्त सर्वनामिक विशेषझा रूप (2)
3. मुक्ति, छुटकारा (3)
4. बारह राशियों में से एक, शेर (3)
5. कपोल, रूखसार (2)
6. राशि, प्रकार, जेवर (3)
10. पुराणानुसार हिंदुओं के संस्कारमें से चौथा जो बालक के जन्म के समय होता है (4)
11. बार, मर्तबा (2)
12. जो रिश्तें में पिता के भाई हो (2)
14. मंत्री, अमात्य (3)
15. वह वाद्य जिसमें तार लगे हों (2)
16. जिसकी सीमा न हो, बेहद, बेहिसाब (2)
17. नाके से अपने आप रक्त बहने का रोग (4)
19. जो देखने-सुनने में अप्रिय लगे, अरूचिकर (4)
22. वचन, इकरार, प्रतिज्ञा (2)
23. अति, आवश्यकता से अधिक (2)

वर्ग पहेली 6150 का हल

का	वे	री		शा	ह	ज	हां
ठ	ग	ना		ल	क	ल	क
की			अ		दा		ना
हां	जी	हां	जी	क	र	ना	
डी	न		त	ल		वि	श्व
	सा	ग		म	द	क	
क	ज	री		का	म		
र्ण		ब	ह	री	न		मैं

आज का राशिफल

मेष
आज दिन की शुरुआत पैसों के मामलों में बहुत ही सकारात्मक तरीके से होगी। एक सही बजट बनाकर चलने और लंबे समय की प्लानिंग करने से आपको बहुत ही संतोषजनक परिणाम मिलेंगे। शाम के समय कहीं से धन से जुड़ी कोई अच्छी सलाह या जानकारी मिल सकती है। अपने भीतर अच्छे भरोसे को बनाए रखेंगे। लगातार किए गए।

वृष
आज नियम के साथ की गई प्लानिंग से आपके आर्थिक मामलों में धीरे-धीरे अच्छा सुधार आएगा। टैक्स, बीमे और बचत से जुड़े पुराने कामों को दोबारा देखने के लिए आज का दिन बहुत अनुकूल है। जोखिम भरे निवेशों से अभी पूरी तरह दूर रहना ही आपके हक में रहेगा। आपकी सूझबूझ आज कार्यस्थल की कई मुश्किलों को दूर करने में मददगार साबित होगी।

मिथुन
आज पैसों को लेकर अपनाया गया आपका संतुलित तरीका आज आपको फालतू के तनाव से दूर रखेगा। किसी भी नए अवसर पर आगे बढ़ने से पहले अपने पुराने रुके हुए आर्थिक मामलों को निपटाना ज्यादा सही रहेगा। सूझबूझ से पैसे खर्च करें और बिना वजह कर्ज लेने से बचें।

तुला
आज दूर की सोच रखकर बनाई गई योजनाओं के जरिए आपकी आर्थिक उन्नति को पूरा सहारा दे रहे हैं। बचत और परिवार से जुड़ी आर्थिक प्लानिंग आज आपको खुशी देगी। बिना सही लिखा-पढ़ी के किसी को भी बड़ा धन उधार देने से पूरी तरह बचें। कार्यक्षेत्र में आज आपकी जिम्मेदारियां थोड़ी बढ़ सकती हैं।

वृश्चिक
आज सुख-सुविधा और रहन-सहन की चीजों पर आपके खर्चे थोड़े बढ़ सकते हैं। एक सही बजट बनाकर चलने से स्थितियां पूरी तरह आपके नियंत्रण में रहेंगी। भावनाओं में आकर धन खर्च करने से बचें। तुरंत बड़ा लाभ दिखाने वाले कामों के बजाय लंबे समय के सुरक्षित निवेशों पर अधिक ध्यान दें। आपके भीतर अच्छे भरोसे और नई सोच को बढ़ा रही है।

धनु
आज सोच-समझकर निर्णय और पुरानी चर्चाएं सफल होंगी। सही प्लानिंग के जरिए आपकी आर्थिक स्थिति में अच्छा सुधार देखने को मिलेगा। कठिन निर्णयों में भी सूझबूझ से आगे बढ़ने पर लाभ मिल सकता है। कोई पुराना रुका हुआ पैसा या धन से जुड़ी चर्चा अब आगे बढ़ेगी। विशेषकर शाम के समय बिना पूरी जानकारी के कोई भी बड़ी खरीदारी करने से बचें।

कर्क
आज घर-परिवार की जरूरतों या घर के सुधार से जुड़े कामों पर कुछ धन खर्च हो सकता है। कोई भी बड़ी खरीदारी करने से पहले अपने मासिक बजट को एक बार अच्छे से देख लें। खर्चों पर रखा गया आपका नियंत्रण ही आपकी आर्थिक स्थिति को सुरक्षित रखेगा। शाम का समय नई सोच और नेटवर्किंग के लिए बहुत ही अनुकूल बना हुआ है।

सिंह
आज आपके प्रयास लगातार आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना रहे हैं। जमीन-जायदाद या बचत को लेकर परिवार के साथ होने वाली चर्चा बहुत ही सफल रहेंगी। पैसों से जुड़ा कोई भी बड़ा निर्णय केवल भावनाओं में बहकर न लें, सुरक्षित रास्ता ही सबसे सही रहेगा। आपकी सोच आज दफ्तर की बड़ी जिम्मेदारियों को व्यवस्थित तरीके से संभालने में मदद करेगी।

कन्या
आज पैसों की अच्छी आदतें अपनाने और बचत पर अधिक ध्यान देने की सीख मिल रही है। बिना सोचे-समझे कहीं भी धन खर्च करने से बचें। आपका कोई रुका हुआ पैसा या धन की मंजूरी अब सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेगी, जिससे आपको बड़ी राहत मिलेगी।

मकर
आज पैसों के मामलों में बहुत ही नियम के साथ चलना आपकी सबसे बड़ी ताकत रहेगा। अचानक कुछ जरूरी खर्चे सामने आ सकते हैं, इसलिए बिना सोचे-समझे कोई भी आर्थिक जोखिम न उठाएं। निवेश को लेकर अपनाया गया आपका सीधा दृष्टिकोण आपकी पूंजी को पूरी तरह सुरक्षित रखेगा। दफ्तर में आज काम का दबाव थोड़ा बढ़ सकता है।

कुंभ
आज का दिन बहुत ही समझदारी से आर्थिक प्लानिंग करने की सीख दे रहा है। मन के अचानक आए विचारों के कारण फालतू की चीजें खरीदने से बचें। आपके पुराने अटके हुए आर्थिक मामले अब धीरे-धीरे सुलझने की तरफ बढ़ेंगे। किसी भी निवेश के प्रस्ताव को स्वीकार करने से पहले उसकी अच्छे से जांच कर लें। नई चर्चाओं के माध्यम से करियर में उन्नति के कुछ सुंदर रास्ते खुल सकते हैं।

मीन
आज किसी भी आर्थिक समझौते पर दस्तखत करते समय और ऑनलाइन लेन-देन करते समय अतिरिक्त सावधानी रखें। हर एक छोटी बारीकी को अच्छे से जांच लें। पुराने निवेशों या रुके हुए बकाये से छोटे लाभ मिलने के संकेत दिखाई दे रहे हैं। आपकी बातचीत करने की कला और भरोसे में अच्छा सुधार होगा। यदि आप पहले से अच्छी तैयारी कर लें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

● जिम्बाब्वे दौरे पर वरुण चक्रवर्ती की जगह रवि बिश्नोई को मौका

इंग्लैंड से वनडे सीरीज में हर्षित की जगह लेंगे प्रिंस

नई दिल्ली। युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा और अनुभवी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से अनिश्चित समय के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हो गए हैं। प्रिंस यादव को हर्षित राणा की जगह इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।रवि बिश्नोई को वरुण चक्रवर्ती की जगह जिम्बाब्वे दौरे पर भारत की टी20 टीम में चुना गया है। बिश्नोई ने ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में 17वें ओवर में 29 रन दिए थे। इसके बाद उनकी काफी आलोचना हुई थी।

बीसीसीआई ने कहा, 'राणा ने इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में तीसरे टी20 के दौरान अपने दाहिने हैमस्ट्रिंग में अचानक तकलीफ होने की शिकायत की। बाद के स्कैन में ग्रेड 1 हैमस्ट्रिंग चोट का पता चला। वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं और आगे की जांच और

मैनेजमेंट के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (छ्हश्च) को रिपोर्ट करेंगे।' चक्रवर्ती को ग्रेड 2 की चोट है। वह तीन से छह महीने तक मैदान से दूर रह सकते हैं। वह जल्द ही 35 साल के होने वाले हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे टीम

शुभमन गिल (**कप्तान**), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (**कप्तान**), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), इशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रवि बिश्नोई।

क्या इंग्लैंड सीरीज में हासिल करेंगे उपलब्धि

कोहली 15 तो रोहित 12 हजार रन के करीब

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में 4-0 से क्लीन स्वीप झेलने के बाद भारतीय टीम वनडे क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगी। इस दौरान दिग्गज क्रिकेटर पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली पर निगाहें होंगी। टी20 और टेस्ट से संन्यास के बाद दोनों खिलाड़ी वनडे क्रिकेट में ही मैदान पर दिखते हैं।

भारत ने पिछली वनडे सीरीज अफगानिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड दौरे से पहले खेला था। रोहित शर्मा ने आखिरी मैच में अर्धशतक जड़ा था। विराट कोहली चोटिल होने के कारण सीरीज में नहीं खेल पाए थे। इंग्लैंड दौरे पर दोनों खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। इस सीरीज के दौरान दोनों खिलाड़ी बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं।

सिनर ने लगातार दूसरी बार विंबलडन जीता

● ज्वेरेव को चार सेट में हराया; युवराज सिंह, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी मैच देखने पहुंचे

लंदन (एजेंसी)। वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ 24 वर्षीय सिनर लगातार दूसरी बार विंबलडन चैंपियन बने। वे ओपन एरा में विंबलडन पुरुष एकल खिताब बचाने वाले इतिहास के सिर्फ 10वें खिलाड़ी बन गए। 24 साल के सिनर ने पहली बार फाइनल खेल रहे में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-7(7), 7-6(2), 6-3, 6-4 से हराकर लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीती। यह मैच 3 घंटे 46 मिनट तक चला। इसी के साथ सिनर ने करियर का 100वां ग्रैंड स्लैम मैच जीतने की अचीवमेंट भी हासिल की। चैंपियन बनने पर सिनर को 36 लाख पाउंड (करीब 42 करोड़) की इनामी राशि भी मिली। वे एटीपी रैंकिंग में नंबर-1 बने रहेंगे। उनके और नए नंबर-2 बनने वाले ज्वेरेव के बीच 4,970 अंकों का अंतर रहेगा।

यह 5वां ग्रैंड स्लैम टाइटल, इस साल पहला

यह सिनर के करियर का 5वां ग्रैंड स्लैम और 2026 सीजन का पहला मेजर खिताब है। इससे पहले वे फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से हारकर बाहर हो गए थे। हालांकि, उन्होंने ग्रास कोर्ट पर शानदार वापसी की। सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराने के बाद फाइनल में भी उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया।

स्मृति मंधाना का लॉर्ड्स में चला बल्ला

● लगाया दूसरा अर्धशतक; दूसरी पारी में भी शतक लगाने से चूकीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज की दूसरी पारी में भी अपने बल्ले का दम दिखाया और इस बार भी वो शतक लगाने से चूक गईं। स्मृति मंधाना पहली पारी में भी शतक के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन वो लॉर्ड्स में शतक नहीं लगा पाईं। दूसरी पारी में भी उनके पास मौका था जो उनके हाथ से निकल गया। हालांकि मंधाना टेस्ट क्रिकेट में दोनों पारियों में 70 रन ये उससे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं।

राहुल द्रविड़ बन सकते हैं इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच

एंडी फ्लावर, फ्लिंटॉफ और लैंगर के नाम पर भी चर्चा; मैकुलम को हटाया

लंदन (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ इंग्लैंड की टेस्ट टीम के नए मुख्य कोच बनने की दौड़ में शामिल हैं। ब्रेंडन मैकुलम के पद छोड़ने के बाद ईसीबी (इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड) पॉसिबल कैंडीडेट्स के नाम पर विचार कर रहा है, जिसमें द्रविड़ का नाम भी है।

डेली टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार द्रविड़ उन चुनिंदा कैंडीडेट्स में शामिल हैं, जिन पर ईसीबी विचार कर रहा है। इस लिस्ट में एंडी फ्लावर, एंड्रयू फ्लिंटॉफ और जस्टिन लैंगर जैसे नाम शामिल हैं। एक दिन पहले रविवार 12 जुलाई को ईसीबी ने मैकुलम को टेस्ट कोच के पद हटाने की जानकारी दी।

द्रविड़ की कोचिंग स्ट्राइल बनी बड़ी ताकत - द्रविड़ की प्लांड कोचिंग, खिलाड़ियों को विकसित करने की क्षमता और लंबे समय की सोच उन्हें इस पद के लिए मजबूत दावेदार बनाती है। 53 साल द्रविड़ के कार्यकाल में भारत ने 2024

टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। टीम 2023 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी पहुंची थी। भारत की अंडर-19 और ए टीम के साथ उनका काम भी काफी सराहा गया है।

फुल-टाइम कोचिंग के इच्छुक नहीं हैं द्रविड़ - रिपोर्ट में यह भी लिखा गया कि द्रविड़ फुलटाइम कोचिंग की जिम्मेदारी लेने के इच्छुक नहीं हैं। इंग्लैंड की टेस्ट टीम का कोच बनने पर उन्हें परिवार के साथ अधिक समय बिताने का मौका मिलेगा और टेस्ट क्रिकेट में योगदान देने का अवसर भी मिलेगा। इसलिए ईसीबी कम से कम उनकी रुचि जरूर जानना चाहेगा।

● **एंडी फ्लावर सबसे मजबूत दावेदार** – पूर्व जिम्बाब्वे कप्तान एंडी फ्लावर भी इस पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। उनके कार्यकाल में इंग्लैंड ने तीन एशेज सीरीज जीती थीं। साथ ही टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया था। रिचर्ड डॉसन, श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा और पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन के नाम भी संभावित उम्मीदवारों में शामिल बताए जा रहे हैं। ईसीबी अगले साल होने वाली एशेज सीरीज को ध्यान में रखते हुए जल्द ही नए टेस्ट मुख्य कोच की नियुक्ति करना चाहता है।

अदिति अशोक एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त 56वें स्थान पर पहुंची

एवियन ले बेंस (फ्रांस) (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक अंतिम दौर में तीन ओवर 74 के लचर प्रदर्शन के साथ रविवार को यहां 2026 आमुंडी एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 56वें स्थान पर रहीं।

दक्षिण कोरिया की हेइ रेन रयु ने पहले प्ले ऑफ में बर्डी पट के साथ लगातार दूसरा मेजर खिताब अपने नाम किया। शुरुआती तीन दौर में 70, 70 और 69 के स्कोर के साथ अदिति के पास अच्छा नतीजा हासिल करने का मौका था लेकिन वह अंतिम होल में पांच बोगी और दो बर्डी से तीन ओवर का स्कोर ही बना पाईं। दो हफ्ते पहले 2026 केपीएमजी महिला पीजीए चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाले रयु ने प्ले ऑफ में कनाडा की ब्रूक हेंडरसन को पछाड़ा। रयु ने इसी गोल्फ कोर्स पर 2015 में आमुंडी एवियन जूनियर्स कप भी जीता था।

यूपी टी20 सीजन चार का शेड्यूल आया सामने, पहली बार दो शहरों में होस्ट की जाएगी लीग

कानपुर (एजेंसी)। यूपी टी20 लीग (यूपी टी 20 सीजन 4) 14 अगस्त से 6 सितंबर तक होगी। 24 दिन के इस टूर्नामेंट में 34 मैच होंगे, जिसमें 13 डबल हेडर मैचडे और 8 सिंगल-हेडर मैचडे शामिल हैं, ऑर्गनाइजर ने रविवार को यह घोषणा की। लीग के इतिहास में पहली बार यूपी टी20 को 2 शहरों में होस्ट किया जाएगा। टूर्नामेंट का पहला फेज भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में खेला जाएगा, जहां 13 मैचडे में 22 मैच होंगे।

दूसरा फेज ग्रीन पार्क स्टेडियम, कानपुर में शिफ्ट होगा, जहां 11 मैचडे में बाकी 12 मैच होस्ट किए जाएंगे। यूपी टी20 सीजन 4 की ओपनिंग सेरेमनी और पहला मैच लखनऊ में होगा, जबकि कानपुर में फाइनल और क्लोजिंग सेरेमनी होगी, जिससे टूर्नामेंट का शानदार समापन होगा। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की गवर्निंग काउंसिल की रविवार को मीटिंग हुई और यूपी टी 20 लीग के चौथे एडिशन के आयोजन से जुड़े कई खास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

इस मौके पर, यूपीसीए ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ और बीसीसीआई के उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद, राजीव शुक्ला का खेलों के विकास के लिए लगातार गाइडेंस, सपोट और कमिटमेंट के लिए दिल से शुक्रिया अदा किया। गवर्निंग काउंसिल ने टूर्नामेंट के शेड्यूल, जगहों, प्लेयर ऑक्शन, टूर्नामेंट ऑपरेशन, टैलेंट डेवलपमेंट और कॉम्पिटिशन की दूसरी खास बातों पर भी डिटेल में बातचीत की।

यूपी टी20 सीजन 4 का मिनी ऑक्शन 24 जुलाई को आगरा में होगा, जिसमें लीग की छह फ्रेंचाइजी में 45 प्लेयर स्लॉट उपलब्ध होंगे। इसके अलावा गवर्निंग काउंसिल ने रिटेंशन पॉलिसी, प्लेयर सिलेक्शन प्रोसेस, कैचमेंट एरिया ट्रायल्स, सपोर्ट स्टाफ सिलेक्शन गाइडलाइंस और मिनी ऑक्शन रेगुलेशन को मंजूरी दी, जिससे पूरे टूर्नामेंट में ट्रांसपेरेंसी, फेयरनेस और हाई प्रोफेशनल स्टैंर्ड सुनिश्चित होंगे। लोकल टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए, कैचमेंट एरिया मॉडल लागू रहेगा, जिससे उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों के उभरते हुए क्रिकेटरों को अपनी स्किल्स दिखाने के ज्यादा मौके मिलेंगे। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना यूपी टी20 लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रहेंगे। लीग का पॉपुलर ऑफिशियल एंथम, खिलाड़ी यहां बनता है (चैंपियंस यहां बनते हैं), इस सीजन में भी जारी रहेगा। शानदार परफॉर्मेंस को इनाम देने के लिए लीग ने कुल 3 करोड़ रुपए का प्राइज पूल रखा है। चैंपियन को 1 करोड़ रुपए, रनर-अप को 60 लाख रुपए मिलेंगे जबकि दूसरी टॉप परफॉर्म करने वाली टीमों और खिलाड़ियों को भी आकर्षक कैश अवॉर्ड मिलेंगे।

'शिवम दुबे काबिल नहीं हैं'

जाफर ने बताए 2 नाम जो ले सकते हैं स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की जगह

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में 4-0 से हारने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के सामने कई ऐसे सवाल हैं जिनका कोई जवाब नहीं मिला है। टीम के लिए एक बड़ी चिंता ऑलराउंडर्स को लेकर है। पिछले कुछ साल में हार्दिक पांड्या ने व्हाइट-बॉल फॉर्मेट में टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। चोटिल होने की वजह से तेज गेंदबाजी करने वाले ऑलराउंडर अभी सिलेक्शन प्रोसेस से बाहर हैं। भारतीय टीम मैनेजमेंट को हार्दिक पांड्या की जगह लेने के लिए किसी सही खिलाड़ी को ढूंढना होगा।

● **शिवम दुबे से आगे सोचने की जरूरत**– टीम इंडिया के पूर्व ओपनर वसीम जाफर का मानना है कि अब टीम को शिवम दुबे से आगे सोचने की जरूरत है। जाफर के मुताबिक नितीश कुमार रेड्डी और सूर्यांश शेडगे ऐसे दो संभावित खिलाड़ी हैं जो हार्दिक पांड्या की जगह ले सकते हैं। अपने यूट्यूब चैनल वसीम जाफर ऑफिशियल पर बातचीत के दौरान वसीम जाफर ने कहा कि अगर आप हार्दिक पांड्या जैसा ही कोई खिलाड़ी ढूंढ रहे हैं।

श्रेयस ने 218 रन बनाकर तोड़ा कोहली का रिकॉर्ड

● T20I के एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 भारतीय कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नए कप्तान श्रेयस अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ खेले 5 मैचों की टी20 सीरीज में अपनी टीम के लिए जमकर रन बनाए। भारत को इस वनडे सीरीज में बेशक 0-4 से पराजय मिली, लेकिन कप्तान की बल्लेबाजी ने सबका दिल जीता। एक तरफ जहां भारतीय बैटर इंग्लैंड में रन बनाने के लिए संघर्ष करते हुए नजर आए तो वहीं श्रेयस ने दिखाया कि विपरित परिस्थिति में भी किस तरह से बैटिंग की जाती है।

श्रेयस अय्यर ने बतौर कप्तान पहली बार इंग्लैंड की धरती पर किसी टी20आई सीरीज में भारत की कप्तानी की और इसमें 218 रन बनाते हुए विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। श्रेयस अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में 54.50 की औसत और 157.97 की स्ट्राइक रेट के साथ 218 रन बनाए जिसमें 2 अर्धशतक भी शामिल थे और उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 80 रन रहा। श्रेयस ने 18 चौके और 7 छक्के भी लगाए।

श्रेयस निकले विराट कोहली से आगे

श्रेयस अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए 5 मैचों की टी20 सीरीज में 218 रन बनाए और भारत की तरफ से टी20आई में किसी एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तानों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए। कोहली ने साल 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए टी20आई सीरीज में बतौर कप्तान भारत के लिए 181 रन बनाए थे। हालांकि इस लिस्ट में पहले नंबर पर सूर्यकुमार यादव हैं जिन्होंने साल 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ बतौर कप्तान 242 रन बनाए थे।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 सेमीफाइनल शेड्यूल

अर्जेंटीना के सामने इंग्लैंड की चुनौती फ्रांस को चुनौती देने उतरेगा स्पेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 अपने आखिरी दौर में पहुंच रहा है और 48 टीमों वाले इस टूर्नामेंट में अब सिर्फ चार टीमें बची हैं। मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना के साथ-साथ इंग्लैंड, फ्रांस और स्पेन ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है और इनमें से कोई एक ही इस बार चैंपियन बनेगा। इस वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल मुकाबले भारतीय समय के मुताबिक कितने बजे और किस दिन खेले जाएंगे।

अर्जेंटीना का सामना इंग्लैंड के साथ-लियोनेल मेसी और अर्जेंटीना के लिए सेमीफाइनल तक का सफर जबरदस्त रहा है जिसमें एक्स्ट्रा-टाइम में टिके रहना, शानदार रणनीति और खिलाड़ियों के व्यक्तिगत कमाल के पल शामिल रहे हैं। अब उनका मुकाबला इंग्लैंड से होगा जिसने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई है। उसे सबसे बड़ी जीतों में से एक जीत राउंड ऑफ 16 में मिली जहां उन्होंने विरोधी दर्शकों के बीच मेक्सिको को हराया। क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड, नॉर्वे से एक गोल से पीछे चल रहा था लेकिन जूड बेलिंगहम के शानदार खेल की बदौलत वापसी करते हुए जीत हासिल की।

फ्रांस और स्पेन में होगी भिड़ंत- डलास में फ्रांस और स्पेन का सेमीफाइनल मुकाबला होगा। किलियन एम्बाप्पे की टीम पूरे टूर्नामेंट में शानदार

फॉर्म में रही है और अब तक की सबसे असरदार टीम मानी जा रही है। स्पेन ने अपने खास अंदाज में लगातार पासिंग और अहम मौकों पर गोल करने की काबिलियत दिखाई है। उन्होंने राउंड ऑफ 16 में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल को हराया और फिर क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 2-1 से मात दी थी। हालांकि स्पेन का प्रदर्शन भी अब तक दमदार रहा है और फ्रांस की टीम को इस टीम से कड़ी टक्कर मिलने की पूरी उम्मीद है।

मेसी का लक्ष्य आत्मविश्वास से भरी इंग्लैंड की टीम के खिलाफ अर्जेंटीना के खिताब बचाने की उम्मीद को जिंदा रखना होगा।

FIFA वर्ल्ड कप 2026 सेमीफाइनल का शेड्यूल

फ्रांस बनाम स्पेन

तारीख और समयः बुधवार, 15 जुलाई 2026 को रात 12:30 बजे IST
7 वेन्यूः डलास स्टेडियम

इंग्लैंड बनाम अर्जेंटीना

तारीख और समयः गुरुवार, 16 जुलाई 2026 को रात 12:30 बजे IST
7 वेन्यूः अटलांटा स्टेडियम

न्यूज बाइट्स

सेवानिवृत्त शिक्षिका को दी गई विदाई

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। प्रखंड के मध्य विद्यालय नावाडीह में सोमवार को सहायक शिक्षिका उर्मिला कुमारी के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। हाल ही में सेवानिवृत्त हुईं उर्मिला कुमारी को विद्यालय परिवार ने अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता प्रधानाध्यापिका कुमारी सुनीता ने की, जबकि संचालन शिक्षक महावीर कुमार ने किया। प्रधानाध्यापिका कुमारी सुनीता और शिक्षक महावीर कुमार ने उर्मिला कुमारी के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने पूरी निष्ठा और समयबद्धता के साथ विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की। इसके साथ ही उन्होंने नशा मुक्ति, शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के प्रति भी छात्रों और अभिभावकों को लगातार जागरूक किया।

स्वच्छता को लेकर छात्रों ने ली शपथ

ओबरा (औरंगाबाद) (नि. सं.)। ओबरा प्रखंड के मध्य विद्यालय सदीपुर डिहरी में नशा मुक्ति और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक संकल्प समारोह आयोजित किया गया। प्रधानाध्यापक सऊद आलम की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में शिक्षकों और छात्रों ने शपथ ली। प्रधानाध्यापक सऊद आलम ने स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता से समाज में बदलाव आएगा और लोग स्वस्थ व निरोग रह सकेंगे। उन्होंने सरकार की सात निश्चय योजना के तहत घर-घर शौचालय निर्माण का भी उल्लेख किया, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वस्थ रखना और गंदगी से बचाना है। प्रधानाध्यापक ने नशा मुक्ति अभियान के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने सभी से नशा मुक्त समाज बनाने का दृढ़ संकल्प लेने और लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नशीली दवाओं के सेवन से होने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और नशे की बुरी लत से छुटकारा पाने में मदद करना है। यह अभियान लोगों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रति जागरूक कर उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इसका लक्ष्य नशे की लत से पीड़ित लोगों को उपचार और पुनर्वास सेवाएं प्रदान कर एक स्वस्थ और नशा मुक्त समाज का निर्माण करना है।

होटल में गाली-गलौज, मारपीट

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। जिले के रफीगंज थाना क्षेत्र के बस स्टैंड स्थित एक होटल में गाली-गलौज और मारपीट के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। बड़गांव निवासी रामेश्वर साव ने कासमा रोड निवासी बीरेंद्र शर्मा को इस मामले में नामजद आरोपी बनाया है। रामेश्वर साव ने अपने आवेदन में बताया कि वे बस स्टैंड स्थित एक होटल में दूध देने गए थे। इसी दौरान उन्होंने दुकान में रखी थोड़ी-सी भुजिया-सेव खा ली, जिस पर बीरेंद्र शर्मा ने गाली-गलौज शुरू कर दी। रामेश्वर साव द्वारा विरोध करने पर आरोपी बीरेंद्र शर्मा ने उनके हाथ की उंगली दांत से काट ली, जिससे खून बहने लगा। घायल रामेश्वर साव का इलाज रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। थानाध्यक्ष शम्भू कुमार ने सोमवार को बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर, मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत समीक्षा बैठक आयोजित

ऋण आवेदनों का जल्द करें निपटारा अस्वीकृति न्यूनतम रखें : डीएम

- दस्तावेजों की कमी होने पर आवेदकों को सहयोग करने के निर्देश।
- एलडीएम को साप्ताहिक समीक्षा एवं प्रगति रिपोर्ट देने का निर्देश।
- सोलर रूफटॉप स्थापना में तेजी लाने पर जोर।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

प्रधानमंत्री सूर्य घर, मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत प्राप्त ऋण आवेदनों की प्रगति की समीक्षा को लेकर सोमवार को जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (एलडीएम), विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि, विद्युत विभाग के अधिकारी तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न बैंकों में लंबित ऋण आवेदनों की विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी बैंक प्रतिनिधियों को पात्र लाभार्थियों के आवेदनों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक उपभोक्ताओं तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए ऋण स्वीकृति प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि ऋण आवेदनों की अस्वीकृति (रिजेक्शन) न्यूनतम रखी जाए। उन्होंने कहा कि केवल वास्तविक एवं अपरिहार्य कारणों में ही आवेदन अस्वीकृत किए जाएं। यदि किसी आवेदन में दस्तावेजों की कमी अथवा त्रुटि हो तो संबंधित आवेदक का मार्गदर्शन करते हुए आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने में सहयोग किया जाए, ताकि आवेदन स्वीकृत हो सके।

डीएम ने बैंक अधिकारियों से ऋण स्वीकृति प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने तथा अधिक से अधिक ऋण स्वीकृत करने की दिशा में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य अधिकाधिक पात्र उपभोक्ताओं तक सौर ऊर्जा का लाभ पहुंचाना है, इसलिए सभी बैंक सक्रियता के साथ कार्य करें।

जिलाधिकारी ने लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (एलडीएम) को सभी बैंकों के साथ नियमित समन्वय स्थापित कर लंबित आवेदनों की लगातार समीक्षा करने तथा साप्ताहिक प्रगति प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके सफल क्रियान्वयन में बैंकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सभी संबंधित विभाग और बैंक आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए पात्र लाभार्थियों को शीघ्र ऋण उपलब्ध कराएं, ताकि जिले में सोलर रूफटॉप स्थापना की गति तेज हो सके और अधिक से अधिक परिवार स्वच्छ ऊर्जा के साथ बिजली बिल में राहत का लाभ प्राप्त कर सकें। बैठक में उप विकास आयुक्त अनुपम सिंह, लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि तथा विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में झारखंड के युवक की हुई मौत

निज संवाददाता | अंबा (औरंगाबाद)

जिले के अंबा थाना क्षेत्र के निरंजनपुर गांव के समीप दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान बिट्टू कुमार (24) के रूप में हुई है, जो झारखंड के पलामू जिले के कोसडिहरा गांव का निवासी था। जानकारी के अनुसार, बिट्टू कुमार रविवार को औरंगाबाद जिले के धवैल गांव स्थित अपने रिश्तेदार के घर मोबाइल देने गया था। लौटने के दौरान निरंजनपुर गांव के समीप उसकी बाइक की दूसरी बाइक से आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

स्थानीय लोगों की सहायता से उसे पहले अंबा रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उसे नारायण मेडिकल कॉलेज, जमुहार लेकर पहुंचे, जहां से भी हालत गंभीर होने पर वाराणसी ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। वाराणसी ले जाने के दौरान रास्ते में ही बिट्टू ने दम तोड़ दिया। इसके बाद परिजन शव को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे, जहां पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने बताया कि बिट्टू तीन भाइयों में सबसे छोटा था और उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। वह गांव में स्कूल वैन चलाकर परिवार की आर्थिक मदद करता था। उसकी असामयिक मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

ट्रेन पकड़ने जा रहे दो भाइयों को पिकअप ने मारी टक्कर, एक की हुई मौत

निज सं. | दाउदनगर (औरंगाबाद)

औरंगाबाद-पटना मुख्य मार्ग एनएच-139 पर दाउदनगर थाना क्षेत्र के पसवां मोड़ के समीप सोमवार सुबह पिकअप वाहन और बाइक की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान गोलू कुमार (29) के रूप में हुई है, जो नौडीहा गांव निवासी रामदहन पासवान के पुत्र थे। जानकारी के अनुसार, गोलू कुमार हिमाचल प्रदेश की एक फैक्ट्री में कार्यरत थे और छुट्टी पर अपने गांव आए थे। सोमवार को छुट्टी समाप्त होने के बाद वह अपने बड़े भाई पिंटू कुमार के साथ बाइक से अनुग्रह नारायण रोड रेलवे स्टेशन ट्रेन पकड़ने जा रहे थे। इसी दौरान पसवां मोड़ के समीप तेज रफ्तार सब्जी लदे पिकअप वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें दाउदनगर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने गोलू कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल पिंटू कुमार का इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद जफर इमाम अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे और मृतक के परिजनों को सांत्वना दी। इसके बाद नगर परिषद के शव वाहन से शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, औरंगाबाद भेजा गया। दाउदनगर थाना के एसआई अनिल कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक और पिकअप वाहन को जब्त कर लिया है तथा मामले की जांच शुरू कर चालक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

औरंगाबाद को मिले नए एसडीओ और डीटीओ

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के स्थानांतरण एवं पदस्थापन से संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। इस फेरबदल के तहत औरंगाबाद जिले को नए अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) और जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) मिले हैं। सरकार के आदेश के अनुसार, वर्तमान एसडीओ संतन कुमार सिंह का स्थानांतरण कर दिया गया है। उनकी जगह गौरव सिंह को औरंगाबाद का नया अनुमंडल पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। गौरव सिंह 65वीं यूपीएससी बैच के अधिकारी हैं और इससे पहले बक्सर में वरीय उप समाहर्ता के पद पर कार्यरत थे। उनके योगदान के बाद अनुमंडल प्रशासन की जिम्मेदारी उनके हाथों में होगी।

ललित राही बने नए डीटीओ

जिला परिवहन कार्यालय में भी बदलाव करते हुए वर्तमान जिला परिवहन पदाधिकारी सुनंदा कुमारी का स्थानांतरण कर दिया गया है। उनकी

जगह ललित राही को औरंगाबाद का नया जिला परिवहन पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। इससे पहले वह पंचायती राज विभाग में विशेष कार्य पदाधिकारी (ओएसडी) के रूप में कार्यरत थे। सामान्य प्रशासन विभाग ने संबंधित अधिकारियों को अविलंब नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया है। संभावना है कि दोनों अधिकारी जल्द ही औरंगाबाद पहुंचकर अपना कार्यभार संभालेंगे।

प्रशासनिक हलकों में इस बदलाव को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नए एसडीओ के कार्यभार संभालने के बाद राजस्व, भूमि विवाद, विधि-व्यवस्था, लोक शिकायतों के निपटारे तथा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आने की उम्मीद है।

टीबी मुक्त अभियान में औरंगाबाद का शानदार प्रदर्शन, राज्य के टॉप-5 जिलों में मिला स्थान

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत औरंगाबाद जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए बिहार के शीर्ष-5 जिलों में स्थान बनाया है। सोमवार को मुख्य सचिव, बिहार की अध्यक्षता में आयोजित राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक में जिले के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की गई। बैठक में सभी जिलों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान बताया गया कि औरंगाबाद जिले में अब तक 61,137 लोगों की टीबी स्क्रीनिंग की जा चुकी है, जो निर्धारित साप्ताहिक लक्ष्य का 258 प्रतिशत है। अधिकारियों ने बताया कि यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग, जिला प्रशासन और सहयोगी संस्थाओं के समन्वित प्रयासों का परिणाम है।

14 अगस्त तक 1.48 लाख लोगों की होगी स्क्रीनिंग

बैठक में बताया गया कि जिले में 14 अगस्त तक 1,48,838 लोगों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के पहले सप्ताह में जहां केवल करीब 15 हजार लोगों की जांच हो सकी थी, वहीं लगातार प्रयासों से यह संख्या बढ़कर 61 हजार से अधिक हो गई है। मुख्य सचिव ने इस प्रगति की सराहना करते हुए अभियान की गति और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि टीबी मुक्त भारत अभियान की टीम को लगातार सक्रिय रखा जाए। उन्होंने कहा कि वरीय उप समाहर्ता (एसडीसी) को नोडल अधिकारी बनाकर जन-जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता और व्यवहार परिवर्तन से जुड़ी गतिविधियों को और प्रभावी बनाया जाए, ताकि निर्धारित लक्ष्य समय पर हासिल किया जा सके। बैठक में बताया गया कि औरंगाबाद जिले में एनटीपीसी और बीआरबीसीएल निक्षय मित्र के रूप में अभियान में सक्रिय सहयोग कर रहे हैं। इनके माध्यम से टीबी मरीजों को पोषण सहायता और अन्य आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है।

टीबी के लक्षण दिखें तो तुरंत कराएं जांच

जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह या उससे अधिक समय से लगातार खांसी, बुखार, वजन कम होना या टीबी के अन्य लक्षण दिखाई दें, तो वे निकटतम सरकारी स्वास्थ्य संस्थान में निःशुल्क जांच कराएं। समय पर जांच और उपचार से टीबी का पूर्ण इलाज संभव है।

वृक्षारोपण, सड़क बंदी, तिरंगा यात्रा सहित अन्य मुद्दे को लेकर सड़क दुर्घटना रोकथाम ट्रस्ट की बैठक

निज संवाददाता | ओबरा (औरंगाबाद)

सड़क दुर्घटना रोकथाम फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट के कार्यालय में रविवार की शाम ट्रस्ट के कोर कमेटी के सदस्यों की उपस्थिति में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से आगामी वृक्षारोपण अभियान, तिरंगा यात्रा कार्यक्रम, मेडिकल कैंप एवं एनएच-139 के फोरलेनिंग को लेकर एकदिवसीय सड़क बंदी जैसे विषयों पर चर्चा किया गया। ट्रस्ट के सदस्यों ने बैठक के दौरान आपसी विचार विमर्श के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए कहा कि आगामी दिनों में संगठन प्रखंड मुख्यालय सहित सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपण कर लोगों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता अभियान चलाएंगे वहीं 11 अगस्त को खरांटी स्थित शहीद जगतपति कुमार के स्मारक से भव्य तिरंगा यात्रा निकाला जाएगा साथ ही प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में मेडिकल कैम्प का आयोजन किया जाएगा एवं एक तिथि निर्धारित कर राष्ट्रीय राजमार्ग-139 के फोरलेनिंग हेतु शांतिपूर्ण ढंग से एकदिवसीय सड़क बंदी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। बैठक में प्रमुख रूप से पुष्कर अग्रवाल, नवलेश मिश्रा, चंदन सिंह, गुड्डू सिंह, मुकेश कुमार, आनंद विश्वकर्मा, सहजानंद कुमार डिक्कू एवं रॉकी दूबे मौजूद रहें।

कुर्की जब्ती का वारंटी गिरफ्तार

ओबरा(औरंगाबाद)(नि.सं.)। ओबरा थाने की पुलिस ने फरार चल रहे एक कुर्की जब्ती के वारंटी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार वारंटी की पहचान थाना क्षेत्र के देवकली गांव निवासी अजय सिंह के रूप में हुई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि अजय के ऊपर न्यायालय से कुर्की जब्ती का वारंट निर्गत था जो पुलिस की नजरों से बचने के लिए विगत लगभग तीन वर्षों से फरार चल रहा था। थानाध्यक्ष ने बताया कि विशेष छापेमारी अभियान के क्रम में पुलिस ने कुर्की वारंटी के आरोपी को गिरफ्तार कर थाना लाया है, मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

ज्ञान भारतम् मिशन: दुर्लभ पांडुलिपियों के डिजिटाइजेशन में औरंगाबाद ने हासिल किया राज्य में छठा स्थान

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण की दिशा में औरंगाबाद जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। ज्ञान भारतम् मिशन के तहत जिले में 26 हजार से अधिक दुर्लभ हस्तलिखित पांडुलिपियों एवं दस्तावेजों का सफलतापूर्वक डिजिटाइजेशन किया गया है। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्यस्तरीय सर्वेक्षण में औरंगाबाद को छठा स्थान प्राप्त हुआ है। समाहरणालय स्थित योजना भवन के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने मिशन के सफल क्रियान्वयन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पदाधिकारियों तथा दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षकों को मोमेंटो एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार तथा कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार के संयुक्त तत्वावधान में संचालित ज्ञान भारतम् मिशन के तहत 15 मार्च से 15 जून

2026 तक विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान जिले में 26,158 दुर्लभ हस्तलिखित दस्तावेजों एवं पांडुलिपियों का डिजिटाइजेशन किया गया। इनमें कागज, भोजपत्र, ताड़पत्र, कपड़ा, धातु सहित विभिन्न पारंपरिक माध्यमों पर लिखी गई 75 वर्ष या उससे अधिक पुरानी ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व की पांडुलिपियां शामिल हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि ज्ञान भारतम् मिशन का उद्देश्य भारत की हजारों वर्ष पुरानी ज्ञान परंपरा, ऐतिहासिक अभिलेखों, धार्मिक एवं सांस्कृतिक ग्रंथों तथा दुर्लभ पांडुलिपियों को डिजिटल स्वरूप में सुरक्षित रखना है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस अमूल्य धरोहर का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि डिजिटाइजेशन से इन पांडुलिपियों के अध्ययन, शोध, अनुवाद और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्ञान के आदान-प्रदान को भी नई गति मिलेगी।

जिलाधिकारी ने इस उपलब्धि का श्रेय जिला प्रशासन, संबंधित विभागों, पांडुलिपि संरक्षकों और आम नागरिकों के सामूहिक प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए ज्ञान का अमूल्य स्रोत है, जिसका संरक्षण हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

दुष्कर्म के दोषी राजा हिन्दुस्तानी को 20 वर्ष का कारावास

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

व्यवहार न्यायालय, औरंगाबाद के विशेष पोक्सो न्यायालय ने नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में दोषी राजा कुमार उर्फ राजा हिन्दुस्तानी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला स्पेशल पोक्सो कोर्ट के न्यायाधीश लक्ष्मीकांत मिश्रा ने ओबरा थाना कांड संख्या-406/24 एवं पोक्सो एक्ट वाद संख्या-163/24 में सजा के बिंदु पर सुनवाई के बाद सुनाया। विशेष लोक अभियोजक (स्पेशल पीपी) शिवलाल मेहता ने बताया कि न्यायालय ने अभियुक्त, जो इस्माइलपुर चिड़ियाबिगहा का निवासी है, को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा-87 के तहत सात वर्ष के कारावास एवं 20 हजार रुपये जुर्माना तथा पोक्सो एक्ट की धारा-4(2) के तहत 20 वर्ष के कठोर कारावास एवं 30 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। जुर्माना अदा नहीं करने पर तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

न्यायालय ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), औरंगाबाद को पीड़िता को एक लाख रुपये प्रतिकर उपलब्ध कराने की प्रक्रिया सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया है। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि मामले की प्राथमिकी 19 सितंबर 2024 को दर्ज कराई गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, उनकी नाबालिग पुत्री 27 अगस्त 2024 को प्रतिदिन की तरह स्कूल गई थी, लेकिन घर वापस नहीं लौटी। बाद में जानकारी मिली कि अभियुक्त उसे बहला-फुसलाकर लुधियाना ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। न्यायालय ने 6 जुलाई 2026 को अभियुक्त को दोषी करार दिया था। अभियोजन पक्ष की ओर से सात गवाहों की गवाही कराई गई। मामले में अभियुक्त पूर्व में छह माह 15 दिन तक न्यायिक हिरासत में भी रह चुका है।

नाबालिग को ब्लैकमेल करने का दोषी करार, 17 जुलाई को सुनाई जाएगी सजा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

व्यवहार न्यायालय, औरंगाबाद के विशेष पोक्सो न्यायालय ने नाबालिग से अश्लील हरकत, ब्लैकमेल और धमकी देने के मामले में आरोपी कुंदन कुमार उर्फ सचिन को दोषी करार दिया है। यह फैसला विशेष पोक्सो न्यायालय के न्यायाधीश लक्ष्मीकांत मिश्रा ने नवीनगर थाना कांड संख्या-199/25 में सुनाया। विशेष लोक अभियोजक शिवलाल मेहता ने बताया कि न्यायालय ने धनौती, नवीनगर निवासी अभियुक्त को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 79 एवं धारा 351 के तहत दोषी ठहराया है। अभियुक्त पहले से ही इस मामले में न्यायिक हिरासत में है। मामले में 17 जुलाई 2026 को सजा के बिंदु पर सुनवाई होगी। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि पीड़िता के परिजन ने 18 जून 2025 को नवीनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, अभियुक्त नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर उसके साथ अश्लील हरकत करता था। इस दौरान उसने पीड़िता के वीडियो और रील भी बना लिए। आरोप है कि बाद में अभियुक्त उन्हीं वीडियो और रील को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता को ब्लैकमेल करने लगा। जब पीड़िता ने उसका विरोध किया, तो उसने वीडियो वायरल करने और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद पीड़िता के परिजनों ने नवीनगर थाना में आवेदन देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद विशेष पोक्सो न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी करार दिया है। अब 17 जुलाई को अदालत सजा पर अंतिम फैसला सुनाएगी।

संज्ञा समिति की प्रखंड इकाई गठित, सतीश कुमार पाठक बने अध्यक्ष

निज संवाददाता | मदनपुर (औरंगाबाद)

संज्ञा समिति (शाकद्वीपीय ब्राह्मण संगठन) गयाधाम जिला इकाई औरंगाबाद के आह्वान पर रविवार को मदनपुर प्रखंड इकाई का गठन श्री मां उमंगेश्वरी मंदिर परिसर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अशोक पांडेय ने की, जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष उज्ज्वल रंजन ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। इसके बाद सर्वसम्मति से मदनपुर प्रखंड इकाई का गठन किया गया। इसमें सतीश कुमार पाठक को अध्यक्ष, रूपेश कुमार पाठक को सचिव, नीरज कुमार पाठक को संयोजक, नवीन कुमार पाठक को उपाध्यक्ष, अरुण कुमार पाठक को कोषाध्यक्ष तथा अधिवक्ता प्रभात कुमार पंकज को संयुक्त सचिव चुना गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में विष्णु पाठक, नितेश पाठक,

कमलेश पाठक, राजेश पाठक, ज्योतिष पाठक एवं अरविंद पाठक का चयन किया गया।

जिला अध्यक्ष अशोक पांडेय ने कहा कि संज्ञा समिति का उद्देश्य शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज को संगठित एवं सशक्त बनाना, शिक्षा और संस्कार का प्रचार-प्रसार करना तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की सहायता करना है। उन्होंने कहा कि संगठन सामाजिक एकता, भाईचारे और समरसता को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। जिला सचिव विनय कुमार मिश्र ने कहा कि संज्ञा समिति समाज का एक प्रतिष्ठित एवं पुराना संगठन है। सभी सदस्यों के सहयोग और सक्रिय भागीदारी से संगठन को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर जिला संयोजक अजीत मिश्रा, जिला कोषाध्यक्ष संतोष मिश्रा सहित बड़ी संख्या में शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित रहे।

अवैध बालू खनन पर कार्रवाई बालू लदा ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

पौथू थाना पुलिस ने अवैध बालू खनन के खिलाफ अभियान चलाते हुए सोमवार को एक बालू लदे ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया। यह कार्रवाई थाना क्षेत्र के भेटनियां गांव स्थित मदार नदी में की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि मदार नदी से अवैध रूप से बालू का खनन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही ट्रैक्टर चालक, वाहन मालिक और वहां मौजूद मजदूर ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गए।

पुलिस ने मौके से स्वराज ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया। जांच के दौरान ट्रॉली पर करीब 30 सीएफटी अवैध बालू लदा पाया गया। इसके बाद जब्त वाहन को थाना लाया गया। पौथू थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि मामले की रिपोर्ट तैयार कर जिला खनन पदाधिकारी, औरंगाबाद को भेज दी गई है।

13 सूत्री मांगों को लेकर आशा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, समाहरणालय तक निकाला मार्च

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

अपनी 13 सूत्री मांगों के समर्थन में जिले के सभी प्रखंडों सहित जिला मुख्यालय में सोमवार को आशा कार्यकर्ताओं एवं आशा फैसिलिटेटरों ने प्रदर्शन किया। जिला मुख्यालय में जिला मंत्री सुधा सुमन और वरीय उपाध्यक्ष वशिष्ठ प्रसाद सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने रमेश चौक से समाहरणालय मार्ग होते हुए दानी बिगहा स्थित धरना स्थल तक मार्च निकाला। प्रदर्शन के बाद आयोजित सभा में वक्ताओं ने केंद्र एवं राज्य सरकार से लंबित मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ता ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं, लेकिन आज भी उन्हें कार्य के अनुरूप सम्मान, पारिश्रमिक, सामाजिक सुरक्षा और अन्य सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

सभा को संबोधित करते हुए जिला मंत्री सुधा सुमन, वरीय उपाध्यक्ष वशिष्ठ प्रसाद सिंह, मदनपुर अध्यक्ष कुसुमलता देवी तथा देव अध्यक्ष बिंदु कुमारी ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य योजनाओं के सफल संचालन में आशा कार्यकर्ताओं पर निर्भर है, लेकिन उनकी समस्याओं की लगातार उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने संसद में घोषित बढ़ी हुई प्रोत्साहन राशि का एरियर सहित तत्काल भुगतान करने की मांग की। साथ ही आशा एवं आशा फैसिलिटेटरों को श्रमिक का दर्जा, न्यूनतम वेतन, सामाजिक सुरक्षा, पेंशन तथा 65 वर्ष तक सेवा का अधिकार देने की मांग उठाई। वक्ताओं ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के निजीकरण पर रोक लगाने, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत सभी कर्मियों की सेवा नियमित करने तथा स्वास्थ्य क्षेत्र पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 6 प्रतिशत खर्च करने की मांग भी की।